दैनिक
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर
3 राजधानी — खरीफ फसलों की गिरदावरी एक अगस्त...
4 रविवारीय — भगवान शिव की उपासना का महीना...
9 मनोरंजन/खेल — ममता कुलकर्णी के जीवन पर बनेगी फिल्म!
11 व्यापार — अलायंस फॉर एग्री इनोवेशन ने कहा...

www.navpradesh.com बिलासपुर, रविवार 19 जुलाई 2020, श्रावण कृष्ण पक्ष-चतुर्दशी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-06 अंक-100 पृष्ठ-12 मूल्य-3 रुपए छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

लगता है डीजल देश के पेट्रोल पंपों का नाम डीजल पंप कराकर ही दम लेगा। डीजल की कीमत कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या की तरह बढ़ती ही जा रही है। समझ में नहीं आता कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की नरमी के बावजूद डीजल गरमी कैसे दिखा रहा है? पहले ही कोरोना काल में लोगों का जीना मुहाल है। ऊपर से डीजल के दाम में हो रही वृद्धि से दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम बढ़ने से लोगों के सामने नंगा नहाएगा क्या और निचोड़ेगा क्या वाली स्थिति उत्पन्न हो जाएगी।

21 जुलाई के बाद 'लॉकडाउन', कहां लगेगा, कलेक्टर ही करेंगे तय

कोरोना पर सीएम की बैठक बाद कृषिमंत्री रविंद्र चौबे ने दी जानकारी

कलेक्टर अपने जिलों की स्थिति की समीक्षा कर ले सकेंगे फैसला

जहां भी लगेगा, हो सकता है सात दिन का, अत्यावश्यक सेवाओं पर रोक नहीं

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर/नवप्रदेश। कोरोना के बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर छत्तीसगढ़ में 21 जुलाई के बाद लॉकडाउन लगने जा रहा है। लॉकडाउन लगाने का पूरा अधिकार कलेक्टरों को दिया गया है। यानी कलेक्टर अपने जिलों की स्थिति की समीक्षा करने के बाद लॉकडाउन संबंधी निर्णय लेंगे। हालांकि इसे आधिकारिक रूप से लॉकडाउन नहीं कहा जाएगा। दूसरे शब्दों में कहा जा सकता है कि लॉकडाउन एक साथ पूरे राज्य में लागू नहीं होगा। यह जहां भी लागू होगा सात दिन का हो सकता है।

मुख्यमंत्री की मंत्रियों के साथ हुई बैठक में यह संबंध को लेकर निर्णय लिया गया है। बैठक के बाद प्रदेश के कृषिमंत्री व सरकार के प्रवक्ता रविंद्र चौबे ने दी। उन्होंने कहा कि इस लॉकडान में पहले के लॉकडाउन दो की तरह अत्यावश्यक सेवाएं जैसे-दवा, दूध सब्जी आदि जारी रहेंगे। मंत्री ने कहा कि इस लॉकडाउन को लेकर विस्तृत गाइडलाइन जारी की जाएगी। तत्काल लाकडाउन नहीं लगाए जाने को लेकर चौबे ने कहा कि लॉकडाउन के पहले लोगों को मौका दिया जाना जरूरी है। हम देश में पहले बिना प्लानिंग के लगाए गए लॉकडाउन के परिणाम देख चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हो सकता है कि 21 जुलाई के बाद लोगों को दो-तीन दिन का ■ शेष पृष्ठ 8 पर

इधर, ढिलाई पर पहले ही अंकुश, जुर्माना तय

क्वारंटाइन के उल्लंघन पर 1000रु.

■ मास्क नहीं पहना व सार्वजनिक स्थलों पर थूका तो 100 रुपए

छत्तीसगढ़ सरकार ने नई कोरोना गाइडलाइन जारी की है। इस संबंध में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के उप सचिव सुरेन्द्र सिंह बाघे के हस्ताक्षरित आदेश जारी हुआ है। इसके मुताबिक, सार्वजनिक स्थलों पर थूकना प्रतिबंधित हो गया है। होम क्वॉरंटाइन में रहने वाले व्यक्तियों को शासन द्वारा समय-समय पर जारी होम क्वॉरंटाइन संबंधी समस्त दिशा निर्देशों का पालन किया जाना अनिवार्य होगा। दुकानों, व्यवसायिक संस्थानों द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग फिजिकल डिस्टेंसिंग संबंधी दिशानिर्देशों का पालन कराया जाना अनिवार्य होगा। सार्वजनिक स्थलों में मास्क कवर नहीं पहने की स्थिति में 100 रु. जुर्माना, क्वारंटाइन के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किए जाने की स्थिति में 1000 जुर्माना, सार्वजनिक स्थलों पर थूकते हुए पाए जाने की स्थिति में 100 ■ शेष पृष्ठ 8 पर

इंद्रावती भवन में भी बिना अनुमति प्रवेश पर रोक

मंत्रालय की तर्ज पर अब विभागाध्यक्ष मुख्यालय इंद्रावती भवन में भी बाहरी लोगों के प्रवेश को लेकर सख्त निर्देश जारी कर दिएग गए हैं। यहां अब बिना अनुमति के कोई भी बाहरी व्यक्ति प्रवेश नहीं कर सकेगा। सूत्रों ने बताया कि इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी निर्देश में इस बात का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि इन्द्रावती भवन (विभागाध्यक्ष कार्यालय) में केवल विभागाध्यक्ष की अनुमति से ही उनके कार्यालय में बाहरी व्यक्ति प्रवेश कर सकेंगे।

कलेक्टर की बुलाई बैठक में सामने आई अलग-अलग राय

उद्योग-व्यापार संघों का नियमों की सख्ती पर जोर

कोरोना को लेकर रायपुर कलेक्टर भारतीदासन द्वारा बुलाई गई उद्योग व व्यापारी संघों की बैठक में संघों के पदाधिकारियों की ओर से अगल-अलग राय सामने आई है। संक्रमण से बचाव के लिए संघों का नियमों के सख्ती से पालन कराए जाने पर जोर रहा। रायपुर में कोरोना के लगातार बढ़ते मामलों के मद्देनजर कलेक्टर भारतीदासन द्वारा यह बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक में कोरोना से बचाव के उपायों को लेकर चर्चा हुई। किसी ने होलसेलर्स की दुकानें ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कलेक्टर बोले- सभी उपाय करें प्रतिष्ठान

वहीं कलेक्टर डॉ. एस भारतीदासन ने सभी व्यापारियों व उद्योग संघों से कहा है कि वे अपने प्रतिष्ठानों में कोरोना से बचाव संबंधी नियमों का सख्ती से पालन कराएं। साथ ही संक्रमण से बचने के लिए जरूरी चीजों जैसे मास्क, सैनिटाइजर आदि अपने कर्मचारियों को उपलब्ध कराए। फैक्ट्रियों में आने वाले नए मजदूरों का रिकॉर्ड मैंटेन किया जाए और सोशल डिस्टंसिंग का पालन कराया जाए। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष जितेंद्र बरलोटा ने यह जानकारी दी।

अच्छी खबर

देसी कोरोना वैक्सीन के शुरुआती नतीजे अच्छे, हर्षवर्धन ने दिए संकेत

नई दिल्ली/ए.। कोरोना वायरस का खात्मा करने वाली वैक्सीन की खोज जारी है। कई वैक्सीन कैंडिडेट्स का ट्रायल एडवांस्ड स्टेज में पहुंच चुका है। आईसीएमआर-भारत बायोटेक की देसी कोरोना वैक्सीन 'कोवैक्सीन'का फेज 1 और 2 ट्रायल भी शुरू हो गया है। शुरुआती डोज दिए जाने के बाद वॉलंटिअर्स में किसी तरह के साइड-इफेक्ट्स देखने को नहीं मिले हैं। इस ट्रायल को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि कोरोना के खिलाफ जंग अब निर्णायक दौर में है। पिछले कई महीनों से कोरोना वैक्सीन के विकास के लिए जारी प्रयास के सकारात्मक संकेत मिलने लगे हैं। हम जल्द ही इस महामारी पर पूरी तरह जीत प्राप्त कर लेंगे। रिसर्च में सहयोग के लिए डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी (डीबीटी)ने अपने दरवाजे खोल रखे हैं। ग्लोबल लेवल पर देखें तो चीनी कंपनी साइनोफार्म की वैक्सीन ह्यूमन ट्रायल के थर्ड स्टेज में पहुंच गई है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशों पर जल्द शुरू होगी व्यवस्था

हर जिले में लगेंगे रोजगार कैंप

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। लॉकडाउन में देश के विभिन्न राज्यों में काम कर रहे छत्तीसगढ़ के प्रवासी श्रमिक अपने घर लौट चुके हैं। कई की क्वारंटाइन की अवधि भी पूर्ण हो चुकी है। अब उनके सामने रोजगार का सवाल खड़ा हो गया है। इसी चिंता को बखूबी समझते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ऐसे प्रवासी श्रमिकों को तोहफा देने जा रहे है। उनके लिए हर जिले में रोजगार कैंप आयोजित किए जाएंगे। इन कैंप के जरिए श्रमिक सीधे नियोक्ताओं से भी संपर्क स्थापित कर सकेंगे, जिससे उन्हें आसानी से रोजगार मिल सकेगा और उनके चेहरों पर पुरानी मुस्कान लौट आएगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशानुसार वापस लौटे प्रवासी श्रमिकों को उनके कौशल के अनुसार रोजगार उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश के सभी जिलों में रोजगार कैम्प आयोजित किए जाएंगे। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

अभी एकत्रित की जा रही जानकारी

लॉक डॉउन से उत्पन्न परिस्थितियों से जिलों में स्थित विभिन्न उद्योगों, फर्मों और संस्थानों में काम करने वाले कुशल और अकुशल श्रमिकों की संख्या में कमी की जानकारी एकत्रित की जा रही है। राज्य सरकार के उद्योग एवं श्रम विभाग तथा व्यावसायिक संगठनों से समन्वय कर विभिन्न उद्योगों और संस्थानों से मिली जानकारी के आधार पर जिलों में प्रवासी श्रमिकों के लिए रोजगार कैम्प आयोजित ■ शेष पृष्ठ 8 पर

■ अधिकतम 20 लोग शामिल हो सकेंगे कैंप में, सोशल डिस्टंसिंग का भी पालन

■ नियोक्ताओं से सीधे संपर्क की भी की जा सकती है व्यवस्था

शोपियां में मुठभेड़ चार आतंकवादी ढेर

श्रीनगर (वार्ता)। दक्षिणी कश्मीर के शोपियां जिले में शनिवार को घेराबंदी और तलाश अभियान के दौरान सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में चार आतंकवादी मारे गये। पिछले 24 घंटों के दौरान दक्षिणी कश्मीर में यह दूसरी मुठभेड़ है। शुक्रवार को कुलगाम जिले में हुई मुठभेड़ में जैशे-मोहम्मद के तीन आतंकवादी मारे गये थे। आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना के आधार पर राष्ट्रीय राइफल्स,केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और जम्मू कश्मीर पुलिस के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

35 साल पुराने कानून की जगह अब नया उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण

20 जुलाई से होगा देश में लागू

नई दिल्ली/ए.। खाद्य और उपभोक्ता मामलों के केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान ने कहा है कि 20 जुलाई यानी सोमवार से देश में नया उपभोक्ता संरक्षण कानून 2019 को लागू कर दिया जाएगा। यह 1986 में बने कानून का स्थान लेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नया उपभोक्ता संरक्षण कानून अपने कई नए अधिसूचित नियमों और प्रावधानों के माध्यम से उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति अधिक सुरक्षा प्रदान करेगा। रामविलास पासवान ने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि नए उपभोक्ता संरक्षण कानून में उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, ■ शेष पृष्ठ 8 पर

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण के फायदे

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण किसी भी किसी भी उपभोक्ता मामलों का अपनी ओर से संज्ञान ले सकता है, जांच शुरू कर सकता है और उपयुक्त कार्रवाई कर सकेगा। उपभोक्ता कहीं से भी शिकायत दर्ज कर सकते हैं और उन्हें अपने मामलों का प्रतिनिधित्व करने के लिए वकील नियुक्त करने की आवश्यकता नहीं है। मध्यस्थता के लिए, नियमों में निश्चित समयावधि तय की जायेगी।

कोरोना अपडेट

देश	टोटल केस	मौत
भारत	1,053,552	26,467
अमेरिका	3,773,089	142,105
ब्राजील	2,049,140	77,964
ब्रिटेन	294,066	45,233
मैक्सिको	331,298	38,310
इटली	243,967	35,028
फ्रांस	174,674	30,152
स्पेन	307,335	28,420
ईरान	271,606	13,979
रूस	765,437	12,247

शेयर बाजार

सेंसेक्स- 37020.14
निफ्टी- 10901.70
गोल्ड- 48980 (10 ग्रा.)
सिल्वर- 52900 (1 कि ग्रा.)

राम मंदिर निर्माण की तारीख तय

पीएम मोदी को 3 या 5 अगस्त का न्योता

अयोध्या/ए.। राम मंदिर ट्रस्ट की शनिवार को हुई दूसरी बैठक में मंदिर निर्माण की तारीख तय कर ली गई। पीएम नरेंद्र मोदी को 3 और 5 अगस्त की तारीख भूमि पूजन के लिए सुझाई गई हैं। लेकिन अंतिम फैसला पीएमओ पर छोड़ दिया गया है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का कहना है कि इस पर अंतिम फैसला प्रधानमंत्री कार्यालय को लेना है। यूपी के अयोध्या में शनिवार को हुई बैठक के बाद ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि राम मंदिर 161 फीट ऊंचा होगा। इसमें अब तीन की बजाय पांच गुंबद बनाए जाएंगे। चंपत राय ने बताया कि सोमपुरा मार्बल ब्रिक्स ही मंदिर का निर्माण करेगा। सोमनाथ मंदिर को भी इन लोगों ने बनाया है, मंदिर बनाने में पैसे की कमी नहीं होगी, मंदिर के लिये 10 करोड़ परिवार दान देंगे। उन्होंने आगे बताया कि कंपनी लार्सन ऐंड टुब्रो मिट्टी परीक्षण के लिए नमूने जुटा रही है।

नींव 60 मीटर नीचे

मंदिर की नींव का निर्माण मिट्टी की क्षमता के आधार पर 60 मीटर नीचे किया जाएगा। नींव रखने का काम नक्शे के आधार पर शुरू होगा। शनिवार को सर्किट हाउस में हुई बैठक में चंपत राय के अलावा अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी, कामेश्वर चौपाल, नृत्यगोपाल दास, गोविंद देव गिरी महाराज और दिनेंद्र दास समेत दूसरे ट्रस्टी सर्किट हाउस में मौजूद रहे।

मातृ मृत्यु दर : असम, उप्र, मप्र की स्थिति चिंतनीय

नई दिल्ली/नवप्रदेश। भारत में प्रसव के समय महिलाओं की मृत्यु के आंकड़े डराने वाले हैं। खासकर असम, उत्तर प्रदेश व मध्यप्रदेश के। मातृ मृत्यु दर 2016-18 के बीच घटकर 113 पर आ गई है। रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, असम में प्रसव के समय मांओं के मरने की तादाद सबसे ज्यादा है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश का नंबर उसके बाद है। टॉप तीन राज्यों का क्रम 2014-16 सर्वे के बाद से नहीं बदला है। 2015-17 में देश की मातृ मृत्यु दर 122 थी। संयुक्त राष्ट्र के हिसाब से निर्धारित समयकाल में प्रति एक लाख जन्म पर मातृ मृत्यु दर 70 से ज्याादा नहीं होनी चाहिए। सरकार ने यह सोचकर कि अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं वाली जगह पर डिलीवरी होगी तो हालात सुधरेंगे। इसपर काफी पैसा खर्च किया गया। 2004 में जहां अस्पतालों में 43% डिलीवरी होती थीं, 2018 तक यहं आंकड़ा 83फीसदी तक पहुंच गया। शुरू में इसका प्रभाव दिखा मगर अब कुछ राज्यों के आंकड़े डरा रहे हैं।

लद्दाख में एलएसी पर हुए तनाव के बाद भारत ने चीन को दिया फिर झटका

दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर प्रोजेक्ट से चीनी कंपनी की हुई छुट्टी

नई दिल्ली/ए.। पूर्वी लद्दाख के गलवान घाटी में भारत-चीन के बीच पैदा हुए तनाव के बाद केंद्र सरकार का चीन के खिलाफआर्थिक प्रतिबंध लगाने का सिलसिला जारी है। इस क्रम में सरकार ने कृषि क्षेत्र में प्रयोग होने वाले पावर टिलर व उपकरणों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। वहीं, सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्रालय ने सरकार के महत्वाकांक्षी ग्रीन फील्ड दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर परियोजना में दो चाइनीज कंपनियों को ठेके देने से मना कर दिया है। सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पिछले दिनों साफ कहा था कि राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में चाइनीज कंपनियों को प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यदि किसी चाइनीज कंपनी को ठेका मिल गया है, तो उसे रद्द कर पुनः टेंडर जारी किए जाएंगे अथवा लोवेस्ट-दो (एल-2) कंपनी को ठेका दिया जाएगा।

पहले लेटर ऑफ अवार्ड देने से कर दिया था इनकार

मंत्रालय ने गत दिवस दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर में ठेका हासिल कर चुकी चीन की दो कंपनियों के ठेके रद करते हुए लेटर ऑफअवॉर्ड देने से मना कर दिया है। बतातें है कि उक्त दोनों ठेके को एल-2 (कम से कम बोली लगाने वाली दूसरे स्थान की कंपनी) कंपनी को दिया जाएगा।

गरमा-गरम

सुविधा — नौ महीने के भीतर दिल्ली-मुंबई व दिल्ली-हावड़ा रूट पर सेवा शुरू होने की उम्मीद

130 किमी की रफ्तार से दौड़ेंगी ट्रेनें, वेटिंग लिस्ट खत्म करने की तैयारी

नई दिल्ली/नवप्रदेश। भारतीय रेल अगले तीन-चार साल में यात्री ट्रेनों और माल गाड़ियों को मांग के अनुसार चलाने में सक्षम हो जाएगी। दिल्ल-मुंबई व दिल्ली हावड़ा रूट में 130 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से ट्रेनें दौड़ेंगी। अगले 9 महीने के अंदर दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा के ट्रैक पर चलने वाली सभी ट्रेनें 130 किलोमीटर की स्पीड से दौड़ने लगेंगी। पूरे ट्रैक पर एक ही स्पीड होने के कारण यात्री पहले से कम समय में अपनी मंजिल तक पहुंच सकेंगे। इसके साथ ही ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट टिकट का दौर भी खत्म होने की उम्मीद है। रेल बोर्ड के अध्यक्ष विनोद कुमार यादव ने रेलवे के की ढांचागत और आधुनिकीकरण की परियोजनाओं की जानकारी देते हुए ■ शेष पृष्ठ 8 पर

दिल्ली-मुंबई रूट पर सबसे पहले कन्फर्म टिकट

रेल यात्रियों को दिल्ली-मुंबई रूट पर सबसे पहले कन्फर्म टिकट मिलेगी। इसको लेकर रेलवे ने पूरी तैयारी कर ली है। इसके बाद दिल्ली-कोलकाता रूट पर ट्रेन टिकट के कन्फर्म होने का इंतजार नहीं करना होगा। क्योंकि रेलवे ने इस रूट पर चलने वाली मालगाड़ियों के लिए अलग से ट्रैक बना रही है। अगले 2 साल में इसके पूरा होने की उम्मीद है। लिहाजा इस रूट पर आसानी से ट्रेन टिकट मिल सकेगी।

160 किमी की रफ्तार 2025 तक

इसके साथ ही रेलवे ने अपने उच्च घनत्व नेटवर्क के सात सेक्टरों में ट्रेनों की स्पीड बढ़ाने का भी प्लान तैयार किया है। इसके अनुसार 2021 तक 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से में यात्री ट्रेन चलेगी और 2025 तक इनकी गति 160 किलोमीटर प्रति घंटा की जा सकेगी। माल गाड़ियों की गति 110 किलोमीटर प्रति घंटा की जाएगी।

केंद्रीय मंत्री तोमर के अनुज अजय सिंह का निधन

ग्वालियर/नवप्रदेश। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के अनुज अजय सिंह तोमर का शनिवार को दिल्ली के एक अस्पताल में निधन हो गया। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार तोमर अस्वस्थता के चलते कुछ समय से दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती थे, जहां आज सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। वे कैंसर से पीड़ित थे। तोमर की पार्थिव देह दिल्ली से ग्वालियर लायी जा रही है और आज ही उनकी अंत्येष्टि होने की संभावना है। केंद्रीय मंत्री तोमर भी साथ में ही आ रहे हैं। अजय सिंह तोमर के निधन पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री सुहास भगत, गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा, राज्य के अन्य मंत्रियों के अलावा वरिष्ठ नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी शोक व्यक्त करते हुए उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की है।

अमेरिका का दावा, 'लद्दाख झड़प चीन की बड़ी साजिश का हिस्सा'

वॉशिंगटन ए.। जून के महीने में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में चीन और भारत की सेनाओं के बीच हुई हिंसक झड़प पर पूरी दुनिया, खासकर अमेरिका की नजर है। एक ताजा रिपोर्ट में अमेरिका के एक्सपर्ट्स ने दावा किया है कि भारत सरकार का मानना है कि लद्दाख की घटना पेइचिंग के बड़े अभियान का हिस्सा है जिसके तहत वह दक्षिण एशिया में अपनी सैन्य और आर्थिक धाक जमाना चाहता है। अमेरिकी एक्सपर्ट्स ने भारत सरकार की एक ऐसी विश्लेषक रिपोर्ट के हवाले से यह दावा किया है जो अभी प्रकाशित नहीं हुई है।

विस्तारवाद के लिए दबाव का सहारा

स न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी एक्सपर्ट्स का दावा है कि भारत चीन की इस हरकत को उसकी 'कुटिल और विस्तृत कोशिश' मान रहा है। अमेरिकी एक्सपर्ट्स का दावा है कि भारत पेइचिंग के रवैये को साम्राज्यवादी मान रहा है। दस्तावेजों के हवाले से कहा गया है, 'चीन के विस्तारवाद में सीधे सैन्य कार्रवाई की जगह दबावपूर्ण

कूटनीति का सहारा लिया जा रहा है जिसमें कई देशों की संप्रभुता और अर्थव्यवस्था में घुसपैठ की जा रही है और नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

अमेरिका को भी चीन के मंसूबों पर शक

अमेरिकी एक्सपर्ट्स इस दावे से सहमत हैं और उनका कहना है कि चीन कोरोना वायरस की महामारी का फायदा उठाकर दक्षिण चीन सागर और हॉन्ग-कॉन्ग समेत अपनी सीमा के पास क्षेत्रों पर दावा ठोंक रहा है जिसकी वजह से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कड़े कदम उठाए हैं। अधिकारियों का यह भी मानना है कि चीन को लग रहा है कि उसने सेना तैनात करके भारत की विदेश नीति के पारंपरिक रूप से संतुलित रवैये को बिगाड़ दिया है जिससे भारत का अमेरिका और उसके सहयोगियों की ओर झुकाव हो गया है।

BRI के तहत पाकिस्तान से जुड़ना चाहता है

एक्सपर्ट्स का दावा है कि भारत मान रहा है कि चीन अपने दक्षिणपश्चिम की सीमा पर पहाड़ी इलाके में इसलिए कंट्रोल चाहता है ताकि भारत के 'मुख्य विरोधी' पाकिस्तान तक उसी पहुंच आसानी से बढ़ सके। चीन और पाकिस्तान बेल्ट ऐंड रोड इनिशिएटिव के तहत चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे पर काम कर रहे हैं। चीन चाहता है कि भारत की सेना को हटाकर अक्साई चिन से होते हुए सीधे पाकिस्तान से जुड़ा जा सके क्योंकि 'भारतीय सेना की वजह से चीन और पाकिस्तान सैन्य और क्षेत्रीय संबंध स्थापित नहीं कर पा रहे हैं और चीन इसे सुरक्षा और निवेश के लिहाज से खतरा मान रहा है। इसके अलावा अमेरिका के एक्सपर्ट्स का यह भी कहना है कि भारत को लगता है कि चीन उस क्षेत्र में और ज्यादा ढांचे खड़े करना चाहता है।

जयशंकर ने कहा, पीएम मोदी ने वैश्विक समुदाय को ECOSOC एजेंडा पर दिया कड़ा संदेश

नई दिल्ली ए.। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद (United Nations Economic and Social Council -ECOSOC) एजेंडा के स्वरूप पर कड़ा संदेश दिया है। जयशंकर ने ट्वीट करते हुए कहा- भारत की भूमिका और योगदान पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय को कड़ा संदेशः ECOSOC एजेंडा के स्वरूप पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास'- बिना किसी को पीछे छोड़ने की प्रतिबद्धता के साथ। एक अन्य ट्वीट में संयुक्त राष्ट्र की प्रासंगिकता और प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए वैश्विक बहुक्षीय व्यवस्था में सुधार के पीएम मोदी के आह्वान को भी रेखांकित किया। जयशंकर ने लिखा, कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई को जनता का आंदोलन बनाना। 300 बिलियन डॉलर्स से ज्यादा का आर्थिक पैकेज। वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ एकीकृत एक आत्मनिर्भर भारत का विजन और संयुक्त राष्ट्र में सुधार। शुक्रवार को अपने संबोधन में पीएम मोदी ने ECOSOC और संयुक्त राष्ट्र के विकास कार्य का समर्थन और कैसे भारत के घरेलू एजेंडा को लेकर प्रयास कर रहे हैं, इस बारे में बताया। उन्होंने कहा, ÷आज घरेलू प्रयासों से 2030 के एजेंडे और सतत विकास के लक्ष्य को हासिल करने के लिए हम फिर से शांतिपूर्वक अपनी भूमिका अदा कर रहे हैं। भारत अन्य विकासशील देशों के सतत विकास के लक्ष्यों को हासिल करने में भी मदद कर रहा है।

राजस्थान में कांग्रेस के संकट पर पहली बार वसुंधरा राजे ने तोड़ी चुप्पी

दुर्भाग्यपूर्णः राज्य के लोग कलह की कीमत चुका रहे

कांग्रेस अपने घर की लड़ाई में बीजेपी और बीजेपी नेतृत्व पर दोष लगाने की कोशिश कर रही है- वसुंधरा

जयपुर ए.। राजस्थान में जारी सियासी संकट के बीच राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता वसुंधरा राजे ने चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्य के लोग इस कलह की कीमत चुका रहे हैं।' कांग्रेस द्वारा बीजेपी नेताओं पर विधायकों की खरीद फरोख्त के लगाए जा रहे आरोपों पर वसुंधरा राजे ने कहा कि कांग्रेस अपने घर की लड़ाई में बीजेपी और बीजेपी नेतृत्व पर दोष लगाने की कोशिश कर रही है।

वसुंधरा राजे ने ट्वीट करते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस के आंतरिक कलह का नुकसान आज राजस्थान की जनता हो उठाना पड़ रहा है। ऐसे समय में जब हमारे प्रदेश में कोरोना से 500 से ज्यादा मौते हो चुकी हैं और करीब 28 हजार लोग कोरोना पॉजिटिव हैं। वसुंधरा राजे ने अपने ट्वीट में आगे कहा है कि ऐसे समय में जब टिड्डी हमारे किसानों के खेतों पर लगातार हमले कर रही है, ऐसे समय में जब हमारी महिलाओं के खिलाफ अपराध ने सीमाएं लांघ दी हैं, ऐसे समय में जब प्रदेशभर में बिजली समस्या चरम पर है और ये तो केवल मैं कुछ ही समस्याएं बता रही हूं। ऐसे समय में कांग्रेस, बीजेपी और बीजेपी नेतृत्व पर दोष लगाने का प्रयास कर रही है। वसुंधरा ने आगे कहा कि सरकार के लिए सिर्फ और सिर्फ जनता हित सर्वोपरि होना चाहिए, कभी तो जनता के बारे में सोचिए।

राजस्थान में लगे राष्ट्रपति शासन : मायावती

लखनऊ ए.। राजस्थान में चल रहे सियासी संकट के बीच अशोक गहलोत सरकार ने एक ऑडियो टेप जारी किया है। इस ऑडियो टेप कांड को लेकर सियासत गरमाने लगी है। भारतीय जनता पार्टी के बाद अब बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती ने कांग्रेस को निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने फोन टेक कराकर असवैधानिक काम किया है। इतना ही नहीं उन्होंने राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए एक के बाद एक दो ट्वीट किए। उन्होंने इस ट्वीट के जरिए कांग्रेस को दगाबाज बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दूसरी बार उनके साथ दगाबाजी की है।

पात्रा ने पूछा सवाल - फोन टैपिंग हो रही है क्या ?

शनिवार को ऑडियो टैप के मामले में संबित पात्रा ने भी कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर कई सवाल दागे। पात्रा ने राजस्थान सरकार सीना तान कर कह रही है कि ये ऑडियो टेप पूरी तरह सही है। ऐसे में उन्हें यह बताना चाहिए कि क्या राजस्थान में राजनैतिक पार्टियों के लोगों के ऑडियो टैप किए जा रहे है । पात्रा ने ऑडियो टैपिंग पर घेरते हुए उसके स्टण्डैड ऑपरेटिंग प्रोसिजर को फॉलो करने पर भी मुख्यमंत्री गहलोत से सवाल किए ।

पवन खेड़ा ने भी पूछे सवाल

संबित पात्रा की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद पलटवार करते हुए पवन खेड़ा ने भी वर्चुअल पीसी के जरिए पत्रकारों को संबोधित किया। पवन खेड़ा ने फोन टैपिंग के सवाल पर कहा कि बीजेपी की ओर से गुजरात में फोन टैप करने की बात पहले ही आ चुकी है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार तो बीजेपी को हैबिच्युअल टैपर्स भी करार कर चुके हैं। वहीं राजस्थान के पूर्व कांग्रेस विधायक विश्वेन्द्र सिंह खुद बीजेपी पर फोन टैप का आरोप लगा चुके हैं। ऐसे में बीजेपी को पहले इन सवालों के जवाब देने चाहिए।

केजरीवाल 21वीं सदी के तुगलक : गंभीर

नई दिल्ली ए.। देश की राजधानी कोरोना वायरस के प्रकोप से धीमे-धीमे उबर रही है। नए केसेज की संख्या घटी है तो उसका क्रेडिट लेने की होड़ मच गई है।

बीजेपी सांसद गौतम गंभीर ने सत्ताधारी आम आदमी पार्टी को इसके लिए निशाने पर लिया है। उन्होंने शनिवार को ट्विटर पर दो स्क्रीनशॉट्स डालकर कहा कि आप सरकार को विज्ञापनों और हैशटैग्स की जगह काम में पैसा लगाना चाहिए था। उन्होंने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को टैग करते हुए उन्हें '21वीं सदी का तुगलक' करार दिया। गंभीर ने लिखा कि "TV पर बोलो - क्रेडिट नहीं चाहिए। Twitter पर बोलो - सब मैंने किया है। उन्होंने शुक्रवार को भी चुनाव वादे को लेकर केजरीवाल सरकार को कटघरे में खड़ा किया था। गौरतलब है कि गुरुवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दिल्ली के सभी सांसदों से बात की थी। गंभीर समेत दिल्ली में बीजेपी के ही सारे लोकसभा सांसद हैं। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के तीन सांसद राज्यसभा में हैं। इसमें चर्चा कोरोना संक्रमण रोकने के उपायों पर ही हुई थी। गंभीर ने इस मीटिंग में

कॉल के जरिए प्लाज्मा डोनेशन बढ़ाने के बात कही थी और कांतिनगर में आइसोलेशन सेंटर का अप्रूवल मांगा था। बिजली के बढ़े हुए बिलों को लेकर भाजपा आंदोलन करने जा रही है। गंभीर ने सीएम संग मीटिंग में यह मुद्दा प्रमुखता से उठाया था। दिल्ली में पिछले 24 घंटे में 1462 नए केस सामने आए हैं। वहीं, एक दिन में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या 26 है।

बीजेपी ने विधानसभाओं में किया प्रदर्शन

बिजली कंपनियों की मनमानी और केजरीवाल सरकार के खिलाफभाजपा ने आंदोलन की शुरुआत कर दी है। पार्टी ने शुक्रवार को सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में बिजली कंपनियों के दफ्तर के बाहर धरना प्रदर्शन किया। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने आरोप लगाया कि संकट की इस घड़ी में भी दिल्ली के लोगों के हितों के प्रति दिल्ली सरकार का रवैया बहुत ही गैर जिम्मेदाराना रहा है। गुप्ता ने कहा कि बिल की एक्चुअल रीडिंग लेने के लिए केजरीवाल सरकार के कर्मचारी कोरोना का बहाना करते हैं लेकिन डिस्कनेक्शन की चेतावनी और बिजली बिल लगातार भेजी जा रही है।

बिहारः ट्रेन की चपेट में आई कार के उड़े परखच्चे, तीन की मौत

पालीगंज ए.। बिहार के बिहटा में शनिवार तड़के एक दर्दनाक हादसा हुआ है, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, पटना-गया रेलवे लाइन पर एक कार फाटक रहित रेलवे क्रॉसिंग पार करते समय जनशताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गई। इस हादसे में कार में सवार सभी तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा इतना भयानक था कि ट्रेन के साथ कार करीब तीन किलोमीटर तक घिसटती चली गई।

जानकारी के मुताबिक, पटना-गया रेलवे लाइन पर पोठही स्टेशन के पास ये हादसा हुआ। बिहटा-सरमेरा फोर लेन सड़क पर धरहरा स्थित अवैध रेलवे क्रासिंग है। यही से एक कार में सवार तीन लोग रेलवे लाइन पार करने की कोशिश में थे, लेकिन तभी कार का पिछला टायर रेलवे की पटरी में फंस गया। जिसकी वजह से कार रेलवे लाइन क्रॉस नहीं कर सकी और जनशताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गई।

तीन किलोमीटर तक घिसटती चली गई कार

हादसा इतना भयानक था कि जनशताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आकर कार करीब तीन किमी तक घसीटती चली गई। इस घटना में दो लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई जबकि एक व्यक्ति की मौत अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में गुई। बताया जा रहा कि सुमित कुमार अपनी पत्नी नीलिमा देवी के साथ पटना से अपने घर धरहरा जा रहे थे। इसी दौरान ये हादसा हुआ।

सस्पेंड नेता सजंय झा ने पार्टी को कोसा-

कांग्रेस में सिर्फ परछाई पर कर सकते हैं भरोसा

नई दिल्ली ए.। पार्टी से पहले की सस्पेंड चल रहे कांग्रेस नेता संजय झा ने फिर तंज कसा है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस पार्टी में सिर्फ आप अपनी परछाई पर भरोसा कर सकते हैं। 'पार्टी विरोधी गतिविधियों और अनुशासनहीनता' के आरोप के बाद संजय झा को कांग्रेस ने सस्पेंड किया था। तब उन्होंने राजस्थान के सियासी ड्रामे पर नसीहत दी थी। कांग्रेस नेता एवं पूर्व प्रवक्ता संजय झा को 'पार्टी विरोधी गतिविधियों और अनुशासनहीनता' के आरोप में निलंबित कर दिया था। पार्टी की महाराष्ट्र इकाई ने इसी महीने उन्हें सस्पेंड किया थआ। झा ने एक समाचारपत्र में एक लेख लिखा था जिसमें उन्होंने देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी की आलोचना की थी। इसके कुछ दिन बाद उन्हें कांग्रेस से निलंबित किया गया। संजय झा ने ट्वीट करके सुझाव दिया था कि राजस्थान में सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बना देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि पार्टी को तीन बार मुख्यमंत्री रह चुके अशोक गहलोत को बड़ी जिम्मेदारी देते हुए ऐसे राज्यों की जिम्मेदारी सौंपनी चाहिए जहां कांग्रेस कमजोर है।

मेडिकल कॉलेज में बिजली कटने से वेंटिलेटर बंद, आईसीयू में भर्ती महिला की तड़पकर मौत

भागलपुर ए.। भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल के गायनी आईसीयू में भर्ती एक महिला की मौत शुक्रवार रात हो गई। महिला की सांसें वेंटिलेटर के सहारे चल रही थीं, इसी दौरान बिजली गुल हो गयी और जेनरेटर ने भी काम करना बंद कर दिया। हद तो तब हो गई जब वेंटिलेटर में लगी बैट्री ने भी ऐन वक्त पर धोखा दे दिया। परिणाम यह हुआ कि मरीज को ऑक्सीजन मिलना बंद हो गया और उसकी मौत हो गयी।

बूढ़ानाथ निवासी चंद्रशेखर प्रसाद की 55 वर्षीय पत्नी निर्मला देवी को शुक्रवार सुबह नौ बजे मायागंज अस्पताल के इमरजेंसी में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने गंभीर बीमारी को देखते हुए तत्काल ही गायनी आईसीयू में शिफ्ट कर दिया। आईसीयू में तैनात निश्चेतक ने मरीज को सी-पैप वेंटिलेटर पर डाल दिया। इसके बाद मरीज की सेहत में सुधार होने लगा। रात करीब 8:55 बजे अचानक गायनी आईसीयू की बिजली कट गयी। बिजली कटते ही दो से तीन मिनट के बाद वेंटिलेटर ने भी काम करना बंद कर दिया। परिजन मरीज को दूसरे बेड पर लगे वेंटिलेटर तक ले गये। जब तक वेंटिलेटर काम करना शुरू कर देता, तब तक रात करीब 9:05 बजे मरीज की मौत हो गयी। मौत के तीन मिनट बाद आईसीयू को जेनरेटर के जरिये बिजली आपूर्ति की गयी। जांच में पता चला कि वेंटिलेटर की बैट्री भी खराब थी। नहीं तो जनरेटर से बिजली आपूर्ति नहीं होने के बावजूद मरीज को वेंटिलेटर का सहारा मिला होता।

खुलासा : दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय हैं डी कंपनी के 50 से ज्यादा गुर्गे

नोएडा ए.। अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम और खान मुबारक के बेहद करीबी माने जाने वाले गैंगस्टर गजेंद्र सिंह ने एसटीएफ की पूछताछ में बड़ा खुलासा किया है। गजेंद्र का दावा है कि उसके अलावा नोएडा व एनसीआर में डी कंपनी के 50 से ज्यादा गुर्गे सक्रिय है। इनमें से कोई नोएडा में है तो कोई दिल्ली में अबू सलेम के नाम पर रंगदारी का धंधा कर रहा है। एसटीएफ ने एनसीआर में सक्रिय अधिकतर गैंगस्टर लोकेशन खंगालना शुरू कर दिया है। एसटीएफ जल्द ही डी कंपनी के गैंगस्टरों पर शिकंजा कसेगी।

एसटीएफकी नोएडा यूनिट ने बुधवार देर रात सेक्टर-20 से गैंगस्टर अबू सलेम व खान मुबारक के दाहिने हाथ कहे जाने वाले बदमाश गजेंद्र सिंह को उसके साथी संजय शर्मा के साथ गिरफ्तार किया था। बदमाश गजेंद्र ने खुलासा किया था कि वह डी कंपनी का पैसा नोएडा और एनसीआर की प्रॉपर्टी में लगाता है। अब एसटीएफकी जांच में सामने आया है कि गजेंद्र व संजय शर्मा के अलावा एनसीआर में डी कंपनी के 50 से ज्यादा गुर्गे सक्रिय हैं। सभी सक्रिय बदमाश अबू सलेम, खान मुबारक सहित डी कंपनी से जुड़े अन्य बड़े गैंगस्टर के लिए काम करते हैं। एसटीएफ जल्द ही डी कंपनी से जुड़े गैंग का पर्दाफाश करेगी। इसको लेकर कई संदिग्ध बिल्डर से भी पूछताछ करने की तैयारी की गई है। अभी बिल्डर के मोबाइल नंबर की डिटेल खंगाली जाएगी, ताकि पता चला सके कि वह डी कंपनी के बदमाशों के संपर्क में है या नहीं।

गैंगस्टर ने एसटीएफ की पूछताछ में खोले राज

कई संदिग्धों के नाम व पते की जानकारी मिली

पूछताछ के दौरान गजेंद्र ने एनसीआर में सक्रिय डी कंपनी के कई संदिग्धों के नाम व पते मुहैया कराए है। हालांकि एसटीएफ अपने स्तर पर जांच करने के बाद संबंधित संदिग्धों के ठिकानों पर छापेमारी करेगी। आशंका है कि गजेंद्र पूछताछ के दौरान पुलिस को गुमराह भी कर सकता है। अभी तक सामने आए अधिकतर संदिग्ध दिल्ली व नोएडा में रहते हैं। इसके अलावा कई के ठिकाने गुरुग्राम में भी है। एसटीएफकी अलग अलग टीमों को संदिग्धों के ठिकानों पर भेजा गया है।

कोई वसूली करता है तो कोई प्रोपर्टी पर कब्जा

डी कंपनी से जुड़े गैंगस्टर डी कंपनी के नाम पर एनसीआर में अवैध वसूली और जबरन प्रॉपर्टी पर कब्जा करते हैं। यदि कोई पीड़ित पुलिस को शिकायत देने और अपने पैसे वापस मांगता है तो उसकी सुपारी दे दी जाती है। दिल्ली के एक व्यापारी द्वारा अपने पैसे वापस मांगने पर गैंगस्टर गजेंद्र ने सुपारी देकर गोलियां चलवाई थीं, हालांकि व्यापारी की जान बच गई थी। इसके अलावा शहर के बड़े कारोबारी को सुरक्षा देने के नाम पर भी बदमाश उससे मोटी रकम वसूलते हैं। यदि वह पैसा नहीं देता तो स्थानीय बदमाशों से हमला करवा देते हैं। बदमाशों को जल्द से जल्द पकड़ने के लिए एसटीएफ ने एनसीआर में अपने मुखबिरों को सक्रिय कर दिया है ताकि उनकी सूचना के आधार पर बदमाशों को गिरफ्तार किया जा सके। इसके अलावा एसटीएफ गोपनीय तरीके से अलग-अलग जगह छापेमारी कर रही है। एसटीएफकी कई टीमों को एनसीआर में संदिग्धों के अलग-अलग ठिकानों पर भेजा गया है। साथ ही बदमाशों की लोकेशन को ट्रेस करने का प्रयास भी किया जा रहा है, ताकि जल्द से जल्द गैंग का पर्दाफाश किया जा सके। जांच के दौरान खुलासा हुआ है कि डी कंपनी के गुर्गे नोएडा, एनसीआर के स्थानीय गैंग से भी जुड़े हैं। गुर्गे स्थानीय बदमाशों की मदद से पीड़ितों को धमकाते हैं। इससे पुलिस गुमराह होती है। पुलिस सिर्फ स्थानीय बदमाश पर ही कार्रवाई करती है, जबकि डी कंपनी के गुर्गों के बारे में पता नहीं चलता। बदमाश गजेंद्र सिंह के भी गैंगस्टर सुंदर भाटी के साथ संपर्क सामने आए थे।

न्यूज गैलरी

मुख्यमंत्री ने डॉ. खूबचंद बघेल की जयंती पर उनके योगदान को याद किया

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और साहित्यकार डॉ. खूबचंद बघेल की 19 जुलाई को जयंती पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री ने डॉ.बघेल के योगदान को याद करते हुए कहा कि वे जीवन के अंतिम समय तक कई रचनात्मक और किसान-मजदूर हितैषी गतिविधियों से जुड़कर छत्तीसगढ़ की सेवा करते रहे। छत्तीसगढ़ राज्य आंदोलन को गति देने में उनकी निर्णायक भूमिका रही। डॉ. बघेल ने गांधी जी से प्रभावित होकर शासकीय नौकरी से त्यागपत्र दिया और सक्रिय रूप से स्वाधीनता आंदोलनों से जुड़े। उनके प्रभाव ने सैकड़ों युवाओं को स्वाधीनता संग्राम से जोड़ा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिन्दी और छत्तीसगढ़ी में डॉ.बघेल द्वारा जनसरोकार और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ लिखे गए नाटकों ने भी जनमानस पर गहरा प्रभाव डाला। छत्तीसगढ़ के लिए उनका योगदान सदा याद किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने संत यति यतनलाल की पुण्यतिथि पर उन्हें किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और संत श्री यति यतनलाल की 19 जुलाई को पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया है। श्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय जागरण, सामाजिक उत्थान और स्वाधीनता संग्राम में जीवन समर्पित करने वालों में संत यति यतन लाल जी का नाम श्रद्धा से लिया जाता है। वे महान संत होने के साथ स्वाधीनता संग्राम के कर्मठ योद्धा भी थे। गांव-गांव जाकर लोगों की सेवा और सहायता करने के साथ ही नशापान और जातिगत भेदभाव को दूर करने में भी उनकी प्रमुख भूमिका रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि संत यति यतनलाल के विचार हमें हमेशा प्रेरित करते रहेंगे।

राज्यपाल ने डॉ. खूबचंद बघेल की जयंती के अवसर पर उन्हें नमन किया

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने डॉ. खूबचंद बघेल की जयंती के अवसर पर उन्हें नमन किया है। राज्यपाल ने कहा है कि डॉ. बघेल छत्तीसगढ़ राज्य के स्वप्नदृष्टा थे। उनका पूरा जीवन समाज और कृषकों के कल्याण के लिए समर्पित था। उन्होंने राष्ट्रीय आंदोलन में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका संपूर्ण जीवन प्रदेशवासियों के लिए अनुकरणीय है।

खरीफ फसलों की गिरदावरी एक अगस्त से होगी शुरू

■ गांवों में किसानों के फसलवार क्षेत्राच्छादन के संबंध में 28 सितम्बर तक प्राप्त की जाएगी दावा आपत्ति

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। राज्य में खरीफ फसलों की गिरदावरी एक अगस्त से 20 सितम्बर तक की जाएगी। इसके पश्चात ग्रामवार फसल क्षेत्राच्छादन का प्रारंभिक प्रकाशन 21 सितम्बर तक किया जाएगा। राज्य के सभी गांवों में किसानवार, फसल क्षेत्राच्छादन का प्रकाशन कर दावा आपत्ति 28 सितम्बर तक प्राप्त की जाएगी। प्राप्त दावा आपत्ति का निराकरण कर खसरा पांचसाला एवं भुईया सॉफ्टवेयर की प्रविष्टि में 14 अक्टूबर तक संशोधन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशा के अनुरूप राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा गिरदावरी के संबंध में सभी जिला कलेक्टरों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किया गया है। कलेक्टरों को गिरदावरी के कार्य को पूरी सतर्कता और पारदर्शिता के साथ पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं। सचिव राजस्व ने इस संबंध में कलेक्टरों को प्रेषित पत्र में इस बात का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि राजस्व

अभिलेखों की शुद्धता के साथ ही समर्थन मूल्य पर धान और मक्के की खरीदी, राजीव गांधी किसान न्याय योजना तथा राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के अंतर्गत आर्थिक अनुदान और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का सफल क्रियान्वयन गिरदावरी की शुद्धता पर निर्भर है। इसके मद्देनजर गिरदावरी शत-प्रतिशत सही और सटीक हो इस बात पर विशेष ध्यान रखा जाए।

राजस्व विभाग के अधिकारियों को गिरदावरी के दौरान इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखने के निर्देश दिए गए हैं कि अन्य फसलों का रकबा किसी भी परिस्थिति में धान और मक्का के रकबे में शामिल न होने पाए। छत्तीसगढ़ में गन्ना, सोयाबीन, मक्का, सब्जियां, फल-फूल, सहित अन्य फसलें खरीफ सीजन के दौरान उगायी जाती है। गिरदावरी के दौरान अन्य फसलों के रकबे का धान विक्रय हेतु पंजीयन न हो यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है। गिरदावरी के दौरान पटवारी और राजस्व निरीक्षक द्वारा किसान द्वारा धारित भूमि का खसरावार फोटोग्राफ मोबाइल पर अनिवार्य रूप से लिए जाने तथा इसकों डिजीटली संबंधित राजस्व अधिकारी को अभिलेख हेतु भेजने के निर्देश दिए गए है। स्लेट में खसरा नम्बर चॉक से लिखकर खसरा नम्बर के बढ़ते अनुक्रम में फोटोग्राफ लेने के निर्देश दिए गए है। प्रत्येक खसरा नम्बर में कृषक द्वारा बोई गई फसल का विवरण भुईया सॉफ्टवेयर में अपलोड करना होगा, ताकि इसका उपयोग पंजीयन के लिए किया जा सके। खसरे में अंकित रकबे से अनुपयोगी भूमि, पड़ती भूमि, निकटवर्ती नदी-नालों की भूमि, निजी तलाब, डबरी की भूमि, कृषि उपयोग हेतु बनाए गए कच्चे-पक्के शेड आदि की भूमि को पंजीयन में से कम करने के भी निर्देश दिए गए है। राजस्व विभाग ने कलेक्टरों को प्रेषित पत्र में इस बात का उल्लेख किया है कि समर्थन मूल्य पर धान एवं मक्का की खरीदी केवल पंजीकृत किसानों से ही की जाती है। धान एवं मक्का खरीदी कार्य में कुल रकबे एवं बोए गए धान एवं मक्का के रकबे का पंजीयन किया जाता है। धान एवं मक्का के रकबे में अन्य फसलों का रकबा शामिल होने की स्थिति में धान एवं मक्का की खरीदी की मात्रा बढ़ने की आशंका रहती है।

क्यों बरती ड्यूटी में लापरवाही, नोटिस जारी

■ कलेक्टर भारतीदासन ने 3 दिन में मांगा जवाब

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ. एस. भारतीदासन ने कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग दल के अनुपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सभी को 3 दिन के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जिन अधिकारी-कर्मचारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है, उनमें एचआर यादव, अनुविभागीय अधिकारी जल संसाधन विभाग रायपुर। विक्रांत देव वर्मा, सहायक अभियंता कार्यपालन अभियंता,लोक निर्माण विभाग यांत्रिकी संभाग सिरपुर भवन परिसर रायपुर। राकेश तिर्की, डॉ दिखर नाथ खुटे और डॉ बंसो नरुटी सहायक

प्राध्यापक, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर। नरेन्द्रधर बडगइया, व्याख्याता, उच्चतर माध्यमिक शाला अटारी, शिव कुमार वर्मा,नेत्र सहायक अधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिरगांव। विनय पटेल उप अभियंता कार्यपालन अभियंता छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल,संभाग क्रमांक-03। मदन मनहर, उप अभियंता लोक निर्माण विभाग संभाग क्रमांक-02 रायपुर। मोनिका सार्वा, सहायक अभियंता कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन विभाग और संदीप कुमार साहू कार्यपालन अभियंता, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल संभाग क्रमांक-01 का नाम शामिल है। बता दें कि जिले में नोवेल कोरोना वायरस की रोकथाम, नियंत्रण और किसी भी आपातकालीन परिस्थिति से बचाव के लिए कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग दल का गठन किया गया है। संक्रमित लोगों की जानकारी प्राप्त होने के बाद यथाशीघ्र और किसी भी दशा में 6 घंटे के भीतर कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग कर हाई रिस्क व्यक्तियों की जांच के लिए दल को प्रभारी अधिकारी को सूचित किया जाना है।

शिक्षाकर्मी से बलात्कार करने वाला फर्जी पत्रकार गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर के आरंग निवासी शिक्षाकर्मी महिला को जान से मारने की धमकी देकर खुद को पत्रकार बताकर अपहरणकर शादी का झांसा देकर बलात्कार करने वाला फरार फर्जी पत्रकार जगत खंडेलवाल गिरफ्तार। बिलासपुर हाईकोर्ट में अपनी जमानत याचिका लगवाकर वापस रायपुर आते हुए आरंग पुलिस ने पीछा कर किया गिरफ्तार।

महिला की रिपोर्ट पर जेठ के खिलाफ मामला दर्ज

रायपुर। घरेलू विवाद में महिला के साथ गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देने की रिपोर्ट आमानाका थाने में दर्ज की गई है। गुरुद्वारा के पीछे टाटीबंध निवासी श्रीमती पूजा बाघे पति आलोक बाघे ने रिपोर्ट दर्ज करायी है कि 14 जुलाई से 17 जुलाई के मध्य प्रार्थिया का जेब प्रकाश कुमार बाघे घरेलू विवाद में गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दिया। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध कायम कर मामला दर्ज कर लिया है।

उमस ने लोग को बेहाल

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। राजधानी सहित प्रदेश के अधिकांश इलाकों में बारिश की गतिविधियों पर लगे अल्पविराम और आसमान के साफ होने मे बाद निकलने वाली चटख धूप से लोग हलाकान हो गए हैं। चटख धूप निकलने से वातावरण में एक बार फिर से उमस व्याप्त हो गया है और लोगों को बेसब्री से झमाझम बारिश का इंतजार है।

राजधानी रायपुर सहित बिलासपुर जैसे बड़े शहरों में इन दिनों बारिश की गतिविधियों पर अल्पविराम लगा हुआ है। बीच-बीच में होने वाली हल्की बारिश अथवा बूंदाबांदी के चलते लोगों को अभी तक गर्मी से राहत नहीं मिल पाई है। वहीं आसमान में छाए बादलों के छंटते ही निकल रही चटख धूप से परेशानी और बढ़ा दी है। आसमान साफ होने तथा तेज धूप निकलने के कारण वातावरण में उमस व्याप्त हो गया है। चिपचिपी गर्मी और उमस से लोग बेहाल हो गए हैं और बेसब्री से झमाझम बारिश का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन झमाझम बारिश का नामोनिशान नहीं है। हालांकि बीच-बीच में हल्की बारिश अथवा बूंदाबांदी हो रही है जिससे लोगों को कम समय के लिए ही सही राहत मिल रही है। लेकिन वर्तमान में अच्छी बारिश न होने के कारण एक बार फिर से वातावरण में उमस व्याप्त हो गया है। दूसरी ओर मौसम वैज्ञानिकों की माने तो प्रदेश में सर्वत्र वर्षा के लिए एक मजबूत सिस्टम की जरूरत होती है, जो कि वर्तमान में नहीं बन पा रहा है। प्रदेश के ऊपर अथवा आसपास के इलाकों में बनने वाले मौसमी तंत्र के प्रभाव से हल्की बारिश अथवा बूंदाबांदी हो रही है। हालांकि मौसमी तंत्र में हलचल बनी हुई है, जल्द ही एक मजबूत सिस्टम तैयारहोने का अनुमान है। सिस्टम तैयार होने के बाद प्रदेश में फिर से झमाझम बारिश शुरू हो जाएगी।

गौसेवा चुनौती नहीं बल्कि सेवा का अवसर : महंत रामसुंदर दास

■ कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे ने दी महंत को बधाई-शुभकामनाएं

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। राजधानी रायपुर के प्राचीन श्रीदूधाधारी मठ के महंत रामसुंदर दास ने कहा कि गौसेवा चुनौती नहीं बल्कि सेवा का अवसर है। महंत श्री को हाल ही में गौसेवा आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए राजेश्री महंत रामसुंदर दास ने कहा कि अब तक दूधाधारी मठ तथा शिवरीनारायण मठ मन्दिर ट्रस्ट द्वारा संचालित गौशालाओं के माध्यम से गौसेवा करते रहे हैं, अब आयोग के माध्यम से सम्पूर्ण प्रदेश में गायों की सेवा का सुअवसर प्राप्त हुआ है। इस पद का गौ संवर्धन, संरक्षण व गाय से प्राप्त होने वाले उत्पादों के संवर्धन, गोधन न्याय योजना के माध्यम से प्रत्येक स्तर पर व्यापक कार्य किए जाएंगे। प्रदेश के कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे ने मठ में पहुंच कर राजेश्री डॉ. महन्त रामसुन्दर दास को बधाई और शुभकामनाएँ दी। श्री चौबे ने इस अवसर

पर कहा कि गौ की सुरक्षा, संवर्धन, गौ उत्पादों, गोबर खाद सहित वर्मी कम्पोस्ट खाद, गौमूत्र उत्पाद आदि की दिशा में आप सफलतापूर्वक अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे ऐसी आशा है। कृषक कल्याण परिषद के नवनियुक्त अध्यक्ष सुरेंद्र शर्मा भी इस अवसर साथ में उपस्थित थे। सुरेंद्र शर्मा ने भी महन्त जी को शुभकामनाएँ दी और उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। कृषि मंत्री रविंद्र चौबे के साथ शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिरीश दुबे, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष तथा अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य पद्माघनश्याम मनहर भी मठ पहुंचे थे।

मंगलबाजार कंटेनमेंट जोन पहुंचकर अधिकारियों ने भ्रमण के दौरान किया निरीक्षण

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। मंगलबाजार कंटेनमेंट जोन में प्रशासन की ओर से सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। शनिवार को जिला प्रशासन के निर्देश पर जोन क्रमांक-5 के इंसीडेंट कमांडर संदीप अग्रवाल, सीएसपी पुरानी बस्ती मनीष ध्रुव, जोन कमिश्नर चंदन शर्मा सहित स्वास्थ्य अमले ने कंटेनमेंट जोन मंगल बाजार का पैदल निरीक्षण किया। साथ ही सभी नागरिकों को घर पर रहने की समझाइश दी। इस क्षेत्र की सभी दुकानें भी बंद कराई गई। नगर निगम की ओर से कंटेनमेंट जोन में नियमित रूप से सैनिटाइजेशन और सफाई और आवश्यक प्रबन्ध किए गए हैं।

मंगल बाजार आश्रम के आस पास कोरोना, पूरा इलाका सील

नगर निगम इस पूरे क्षेत्र की कांटेक्ट ट्रेसिंग के लिए हाईटेक तरीके उपयोग में ला रहा है। साथ ही घर-घर जाकर सर्वेक्षण कर संभावित मरीजों की पड़ताल भी की जा रही है।

बयान | गांधी परिवार पर आरोप लगाने वालों को विकास ने दिया करारा जवाब

मजबूत विपक्ष के लिए राहुल गांधी का नेतृत्व जरूरी

■ चांस को सफलता में बदल देने कि जो कला हमारे मुख्यमंत्री में है वो और किसी में नही

नव प्रदेश संवाददाता

राज्य सरकार रख रही सबका ध्यान

संसदीय सचिव श्री उपाध्याय ने छत्तीसगढ़ सरकार की उपलब्धि के साथ-साथ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को लेकर बड़ी बात कही। श्री उपाध्याय ने कहा कि चांस को सफलता में बदल देने,कि जो कला हमारे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल में है वो और किसी में नही है। साथ ही उन्होंने ये भी कहा की राजनीति क्रिकेट से भी ज्यादा अनिश्चितताओं का खेल है, बावजूद भूपेश बघेल ने अपने काबिलियत के दम पर उन अनिश्चितताओं को ही पनपने नहीं दिया। विकास उपाध्याय कहते हैं भूपेश बघेल कांग्रेस के एक ऐसे नेता हैं जिन्होंने सचमुच जमीन से लेकर आसमान तक अपना रास्ता खुद बनाया है। विकास ने कहा अगर सरकारें अपने बेहतर प्रशासन और योजनाओं से साबित कर दे कि वो लोगों को बेहतर जिंदगी दे सकती है तो शायद लोग दूसरी सरकारों की ओर एक बार भी रुख नहीं करेंगे और यही बात छत्तीसगढ़ में भूपेश सरकार कर रही है। विपक्ष के लिए अब रह गया है तो बस वक्त बदलेगा, सरकार ग़लती करेगी और हमारा भी वक्त आएगा, जैसी बातें जो अब कभी नहीं आने वाला।

रायपुर। आज देश में जिस तरह की चुनौतियां हैं, उन चुनौतियों के बीच राहुल गांधी ही एक मात्र नेता है जो मजबूत विपक्ष की भूमिका निभा रहे हैं, कांग्रेस पार्टी को उनकी जरूरत है और मेरी भी मांग है कि कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में उनकी फिर से ताजपोशी होनी चाहिए। गांधी परिवार लोकतांत्रिक वंशवाद का उदाहरण है। वो चुनाव लड़कर आते हैं, चुनाव में हारते और जीतते हैं। अपने हैसियत का बैक डोर से फायदा उठा कर राजनीति नहीं करते।

उक्त बातें छत्तीसगढ़ के नवनियुक्त संसदीय सचिव और विधायक विकास उपाध्याय ने आज अपने निवास में आयोजित एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कही। श्री उपाध्याय ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को आस बंधी है कि आखिरकार राहुल गांधी ही ऐसे नेता हैं जो 24 घंटे काम करने के साथ ही सबसे दोस्ताना व्यवहार रखते हैं। विकास उपाध्याय ने कहा नए दौर की राजनीति में अनुभव और जोश का संगम बहुत जरूरी है। पुराने नेताओं के साथ-साथ युवाओं को नए दौर की राजनीति के साथ तैयार करना जरूरी है, तो राहुल गांधी की ताजपोशी अध्यक्ष रूप में भी जरूरी है और वे इसकी माँग करते हैं। विकास ने कहा राहुल गांधी को आज देश की जनता तो गंभीरता से ले ही रही है। इसके साथ ही मोदी सरकार भी उनके द्वारा पूछे गए विदेश नीति खास कर चाइना के मामले में एक-एक सवाल का जबाब देने मजबूर है। कल ही कि बात है राहुल गांधी ने एक वीडियो जारी कर समझाते हैं एक देश को एक साथ कई चीजों की वजह से सुरक्षा मिलती है। इसमें पड़ोसियों और दूसरे मुल्कों के साथ उसके संबंध, अपनी खुद की अर्थव्यवस्था और देश के नागरिकों की भावना और सोच शामिल हैं। वो कहते हैं, दूसरे देशों के साथ हमारे संबंध बीते छह सालों में बिगड़े हैं।

कई देशों के साथ हमारे

नई जिम्मेदारी के प्रति पूरी तरह से सजग

संसदीय सचिव विकास उपाध्याय ने कहा कि संसदीय सचिव के रूप में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जो जिम्मेदारी उन्हें दी है उसके प्रति वे पूरी तरह से सजग हैं। उन्होंने कहा कि यदि उन्हें कोई जिम्मेदारी दी गई हैं तो उसकी ठोस वजह है और वो ये है कि सरकार का सकारात्मक और जन कल्याणकारी प्रयोग आम जनता को दिखे। सिर्फ कागजों में न रहे। मैं सरकार की उन सभी योजनाओं को एक-एक घर, एक- एक व्यक्ति तक पहुंचाने पूरे प्रदेश का लगातार दौरा करूँगा। खास कर जिस क्षेत्र को आज भी पिछड़ा कह कर पुकारा जाता है, ऐसे पूरे बस्तर क्षेत्र का काया कल्प मेरी प्राथमिकता में होगी। विकास उपाध्याय ने ये भी कहा अधिक से अधिक युवाओं को वे कैसे रोजगार मुहैया करा सकें इस बात पर उनका फोकस ज्यादा रहेगा।

सार्वजनिक स्थानों में मास्क पहनना अनिवार्य

सोशल डिस्टेंसिंग के उल्लंघन और थूकने पर लगेगा जुर्माना

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। प्रदेश के सभी सार्वजनिक स्थानों, कार्यालयों, अस्पतालों, बाजारों और सड़कों में मास्क या फेसकवर का उपयोग अनिवार्य होगा। इसका पालन नहीं करने वालों पर 100 रूपए का जुर्माना लगाया जाएगा। सार्वजनिक स्थलों पर थूकना भी प्रतिबंधित रहेगा। शासन ने दुकानों और व्यवसायिक संस्थानों में शारीरिक दूरी बनाए रखने संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन अनिवार्य कर दिया है।

स्वास्थ्य विभाग ने कोविड-19 का प्रसार रोकने रक्षात्मक उपायों को अपनाना और इनका पालन सुनिश्चित कराना अनिवार्य घोषित किया है। विभाग ने अधिसूचना जारी कर सार्वजनिक स्थानों, कार्यालयों, अस्पतालों, बाजारों, भीड़-भाड़ वाली जगहों और गलियों में आने-जाने वाले सभी व्यक्तियों के लिए मास्क या फेसकवर लगाना अनिवार्य किया है। सभी कार्यस्थलों तथा फैक्ट्री आदि में काम करने वालों को भी मास्क या फेसकवर लगाना अनिवार्य है। दो पहिया या चार पहिया वाहन से यात्रा करने वालों को भी मास्क पहनना जरूरी होगा।

चेहरा ढंकने के लिए डिस्पोजेबल या कपड़े के मास्क का उपयोग किया जा सकता है। फेसकवर या मास्क उपलब्ध नहीं होने पर गमछा, रूमाल, दुपट्टा इत्यादि से मुंह एवं नाक ढंका जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग ने कपड़े के मास्क, फेसकवर, गमछा, रूमाल, दुपट्टा इत्यादि को दोबारा उपयोग करने के पहले साबुन से अच्छी तरह साफ करने कहा है। विभाग ने सार्वजनिक स्थलों पर थूकना भी प्रतिबंधित किया है। होम-क्वारेंटाइन में रह रहे लोगों को शासन द्वारा समय-समय पर जारी सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन अनिवार्यतः करने कहा गया है। सभी दुकानदारों और व्यवसायिक संस्थानों को शारीरिक-सामाजिक दूरी संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन करवाना सुनिश्चित करने कहा गया है।

भगवान शिव की उपासना का महीना है सावन

पौराणिक मान्यता के अनुसार श्रावण महीने को देवों के देव महादेव भगवान शंकर का महीना माना जाता है। इस संबंध में पौराणिक कथा है कि जब सनत कुमारों ने महादेव से उन्हें श्रावण महीना प्रिय होने का कारण पूछा तो महादेव भगवान शिव ने बताया कि जब देवी सती ने अपने पिता दक्ष के घर में योगशक्ति से शरीर त्याग किया था, उससे पहले देवी सती ने महादेव को हर जन्म में पति के रूप में पाने का प्रण किया था। अपने दूसरे जन्म में देवी सती ने पार्वती के नाम से हिमाचल और रानी मैना के घर में पुत्री के रूप में जन्म लिया। पार्वती ने युवावस्था के श्रावण महीने में निराहार रह कर कठोर व्रत किया और उन्हें प्रसन्न कर विवाह किया, जिसके बाद ही महादेव के लिए यह विशेष हो गया।

महादेव का अभिषेक करने के पीछे एक पौराणिक कथा का उल्लेख है कि समुद्र मंथन के समय हलाहल विष निकलने के बाद जब महादेव इस विष का पान करते हैं तो वह मूर्च्छित हो जाते हैं। उनकी दशा देखकर सभी देवी-देवता भयभीत हो जाते हैं और उन्हें होश में लाने के लिए निकट में जो चीजें उपलब्ध होती हैं, उनसे महादेव को स्नान कराने लगते हैं। इसके बाद से ही जल से लेकर तमाम उन चीजों से महादेव का अभिषेक किया जाता है।

मरकंडू ऋषि के पुत्र मारकण्डेय ने लंबी आयु के लिए सावन माह में ही घोर तप कर शिव की कृपा प्राप्त की थी, जिससे मिली मंत्र शक्तियों के सामने मृत्यु के देवता यमराज भी नतमस्तक हो गए थे।

भगवान शिव को सावन का महीना प्रिय होने का अन्य कारण यह भी है कि भगवान शिव सावन के महीने में पृथ्वी पर अवतरित होकर अपनी ससुराल गए थे और वहां उनका स्वागत अर्घ्य और जलाभिषेक से किया गया था। माना जाता है कि प्रत्येक वर्ष सावन माह में भगवान शिव अपनी ससुराल आते हैं। भू-लोक वासियों के लिए शिव कृपा पाने का यह उत्तम समय होता है।

पौराणिक कथाओं में वर्णन आता है कि इसी सावन मास में समुद्र मंथन किया गया था। समुद्र मथने के बाद जो हलाहल विष निकला, उसे भगवान शंकर ने कंठ में समाहित कर सृष्टि की रक्षा की; लेकिन विषपान से महादेव का कंठ नीलवर्ण हो गया। इसी से उनका नाम 'नीलकंठ महादेव' पड़ा। विष के प्रभाव को कम करने के लिए सभी देवी-देवताओं ने उन्हें जल अर्पित किया। इसलिए शिवलिंग पर जल चढ़ाने का ख़ास महत्व है। यही वजह है कि श्रावण मास में भोले को जल चढ़ाने से विशेष फल की प्राप्ति होती है।

'शिवपुराण' में उल्लेख है कि भगवान शिव स्वयं ही जल हैं। इसलिए जल से उनकी अभिषेक के रूप में अराधना का उत्तमोत्तम फल है, जिसमें कोई संशय नहीं है। शास्त्रों में वर्णित है कि सावन महीने में भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं। इसलिए ये समय भक्तों, साधु-संतों सभी के लिए अमूल्य होता है। यह चार महीनों में होने वाला एक वैदिक यज्ञ है, जो एक प्रकार का पौराणिक व्रत है, जिसे 'चौमासा' भी कहा जाता है; तत्पश्चात सृष्टि के संचालन का उत्तरदायित्व भगवान शिव ग्रहण करते हैं। इसलिए सावन के प्रधान देवता भगवान शिव बन जाते हैं।

श्रावण के महीने में भगवान शंकर की विशेष रूप से पूजा की जाती है

भगवान शिव को भक्त प्रसन्न करने के लिए बेलपत्र और समीपत्र चढ़ाते हैं। इस संबंध में एक पौराणिक कथा के अनुसार जब 89 हजार ऋषियों ने महादेव को प्रसन्न करने की विधि परम पिता ब्रह्मा से पूछी- तो ब्रह्मदेव ने बताया कि महादेव सौ कमल चढ़ाने से जितने प्रसन्न होते हैं, उतना ही एक नीलकमल चढ़ाने पर होते हैं। ऐसे ही एक हजार नीलकमल के बराबर एक बेलपत्र और एक हजार बेलपत्र चढ़ाने के फल के बराबर एक समीपत्र का महत्व होता है।

बेलपत्र ने दिलाया वरदान : बेलपत्र महादेव को प्रसन्न करने का सुलभ माध्यम है। बेलपत्र के महत्व में एक पौराणिक कथा के अनुसार एक भील डाकू परिवार का पालन-पोषण करने के लिए लोगों को लूटा करता था। श्रावण महीने में एक दिन डाकू जंगल में राहगीरों को लूटने के इरादे से गया। एक पूरा दिन-रात बीत जाने के बाद भी कोई शिकार नहीं मिलने से डाकू काफी परेशान हो गया। इस दौरान डाकू जिस पेड़ पर छुपकर बैठा था, वह बेल का पेड़ था और परेशान डाकू पेड़ से पत्तों को तोड़कर नीचे फेंक रहा था।

आदिशंकराचार्य ने मंदिर का निर्माण कराया

400 वर्ष तक बर्फ में दबा रहा मंदिर

गिरिराज हिमालय की केदार नामक चोटी पर स्थित है देश के बारह ज्योतिर्लिंगों में सर्वोच्च केदारेश्वर ज्योतिर्लिंग। केदारनाथ धाम और मंदिर तीन तरफ पहाड़ों से घिरा है। एक तरफ है करीब 22 हजार फुट ऊंचा केदारनाथ, दूसरी तरफ है 21 हजार 600 फुट ऊंचा खर्चकुंड और तीसरी तरफ है 22 हजार 700 फुट ऊंचा भरतकुंड। न सिर्फ तीन पहाड़ बल्कि पांच ?नदियों का संगम भी है यहां- मं?दाकिनी, मधुगंगा, क्षीरगंगा, सरस्वती और स्वर्णगौरी। इन नदियों में से कुछ का अब अस्तित्व नहीं रहा लेकिन अलकनंदा की सहायक मंदाकिनी आज भी मौजूद है। इसी के किनारे है केदारेश्वर धाम। यहां सर्दियों में भारी बर्फ और बारिश में जबरदस्त पानी रहता है।

यह उत्तराखंड का सबसे विशाल शिव मंदिर है, जो कटवां पत्थरों के विशाल शिलाखंडों को जोड़कर बनाया गया है। ये शिलाखंड भूरे रंग के हैं। मंदिर लगभग 6 फुट ऊंचे चबूतरे पर बना है। इसका गर्भगृह अपेक्षाकृत प्राचीन है जिसे 80वीं शताब्दी के लगभग का माना जाता है। मंदिर के गर्भगृह में अर्धा के पास चारों कोनों पर चार सुदृढ़ पाषाण स्तंभ हैं, जहां से होकर प्रदक्षिणा होती है। अर्धा, जो चौकोर है, अंदर से पोली है और अपेक्षाकृत नवीन बनी है। सभामंडप विशाल एवं भव्य है। उसकी छत चार विशाल पाषाण स्तंभों पर टिकी है। विशालकाय छत एक ही पत्थर की बनी है। गवाक्षों में आठ पुरुष प्रमाण मूर्तियां हैं, जो अत्यंत कलात्मक हैं।

5 फुट ऊंचा, 187 फुट लंबा और 80 फुट चौड़ा है केदारनाथ मंदिर। इसकी दीवारें 12 फुट मोटी हैं और बेहद मजबूत पत्थरों से बनाई गई है। मंदिर को 6 फुट ऊंचे चबूतरे पर खड़ा किया गया है। यह आश्चर्य ही है कि इतने भारी पत्थरों को इतनी ऊंचाई पर लाकर तराशकर कैसे मंदिर की शक्ल ?दी गई होगी। खासकर यह विशालकाय छत कैसे खंभों पर रखी गई। पत्थरों को एक-दूसरे में जोड़ने के लिए इंटरलॉकिंग तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। यह मजबूती और तकनीक ही मंदिर को नदी के बीचोबीच खड़े रखने में कामयाब हुई है।

मंदिर का निर्माण इतिहास : पुराण कथा अनुसार हिमालय के केदार श्रृंग पर भगवान विष्णु के अवतार महातपस्वी नर और नारायण ऋषि तपस्या करते थे। उनकी आराधना से प्रसन्न होकर भगवान शंकर प्रकट हुए और उनके प्रार्थनानुसार ज्योतिर्लिंग के रूप में सदा वास करने का वर प्रदान किया। यह स्थल केदारनाथ पर्वतराज हिमालय के केदार नामक श्रृंग पर अवस्थित है। यह मंदिर मौजूदा मंदिर के पीछे सर्वप्रथम पांडवों ने बनवाया था, लेकिन वक्त के थपेड़ों की मार के चलते यह मंदिर लुप्त हो गया। बाद में 8वीं शताब्दी में आदिशंकराचार्य ने एक नए मंदिर का निर्माण कराया, जो 400 वर्ष तक बर्फ में दबा रहा।

राहुल सांकृत्यायन के अनुसार ये मंदिर 12-13वीं शताब्दी का है। इतिहासकार डॉ. शिव प्रसाद डबराल मानते हैं कि शैव लोग आदि शंकराचार्य से पहले से ही केदारनाथ जाते रहे हैं, तब भी यह मंदिर मौजूद था। माना जाता है कि एक हजार वर्षों से केदारनाथ पर तीर्थयात्रा जारी है। कहते हैं कि केदारेश्वर ज्योतिर्लिंग के प्राचीन मंदिर का निर्माण पांडवों ने कराया था। बाद में अभिमन्यु के पौत्र जनमेजय ने इसका जीर्णोद्धार किया था।

मंदिर के कपाट खुलने का समय : दीपावली महापर्व के दूसरे दिन (पड़वा) के दिन शीत ऋतु में मंदिर के द्वार बंद कर दिए जाते हैं।

6 माह तक दीपक जलता रहता है। पुरोहित ससम्मान पट बंद कर भगवान के विग्रह एवं दंडी को 6 माह तक पहाड़ के नीचे ऊखीमठ में ले जाते हैं।

पाठकों की बात
पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

सुरक्षित रहें स्वस्थ रहें

सुरक्षित रहें। स्वस्थ रहें । सजग रहें। आंकड़ों की बाजीगरी में उलझने की बजाय उसे सुलझा लो। भयग्रस्त होने की जगह सजग हो जाओ। सजग होने का मतलब यह नहीं कि बिमारी को खेल समझने लगेंगे। अपने को सुरक्षित रखने हेतु स्वास्थ सम्बंधित नियमों का पालन करते रहें। - **नवीन शंकर शर्मा**

वश में कहाँ ख्वाब के

वश में कहाँ ख्वाब के परिंदे हक़ीक़त का सय ले उड़ चले। तिनका चुन आशियाना बना और तुम काफ़िराना बन चले । चिढ़ना और चिढ़ाना मैं बना अपना और अपनाना हम बनें। बात का साथ हो बस यहीं जब्बात हो। वश में कहाँ ख्वाब के परिंदे हक़ीक़त का सय ले उड़ चलें। तिनका चुन आशियाना बना और तुम काफ़िराना बन चले।

- सोनू कुमार आकाश

ख़ास पाती | कुछ प्रेम कहानियाँ अधुरी

कुछ प्रेम कहानियाँ अधुरी रह जाती है ताकि जब लिखी जाए उन अधुरी प्रेम कहानियों पर कविताएं तो अधुरे प्रेम की तड़प में तड़पते लोग पढ़कर उन कविताओं को कल्पनाओं में जी सके अपने अधुरे प्रेम को और उस अलौकिक एहसास से भर सके अपने जीवन में महबूब के न होने के खालीपन को ! वो प्रेम कहानियां इसलिए भी अधुरी रह जाती है ताकि वो अपनी कविताओं से पुरी कर सके अधुरे रह गये प्रेमियों की प्रेम कहानियों को ?

- रूबी प्रसाद

सदियों से शीतल जल देकर

सदियों से शीतल जल देकर प्यास बुझाता है। घड़ा न समझो निर्धन जन का जीवन दाता है। इसके जल में है मीठापन सौंधापन मिट्टी का-जो भी इसके जल को पीता तृप्ति अनूठी पाता है। जो भौतिक संसाधन पाकर इसको हैं ठुकराते। वे इसकी संतुष्टि तृप्ति से हैं वंचित रह जाते। जो जमीन से जुड़े लोग हैं इसका महत्व समझते- और इसे सम्मान मान दे सिर पर हैं बैठाते।

- श्याम सुन्दर श्रीवास्तव

झूठ से भरी ये दुनिया सच्चाई लिए

झूठ से भरी ये दुनिया ... सच्चाई लिए कुछ लोगों को ... दबाने का कुचलने का मसलने का निरंतर प्रयास करती ही रहती है ... और निसंदेह उसमे पूर्णतः सफल भी होती है ... पर भूल जाती है तो बस ये ... सच्चाई ना कभी मरती है ना ही खत्म ही हो सकती है ... सब कुछ करने के बाद भी वो आपमे एक डर बन कर हमेशा ज़िंदा रहती है।

- भागीरथी सिंह

एक मनका हर बार गिरा होगा

एक मनका हर बार गिरा होगा मुख से जब भी राम कहा होगा एक पेड़ जगत में लगाया होगा उसकी छांव तले कोई बैठा होगा एक सत्य जो मुख? से बोला होगा पहचान तेरी चिंन्हित हुआ हो होगा बादल जब आसमां से बरसा होगा दिल धरती का सुख? से तृप्त हुआ होगा अगर बुराई से एक पल दूर हुआ होगा अच्छाईयों का तेरे पास ढ़ेर लगा होगा **- अर्विना गहलोत**

अनूठी आभा से, पुलकित सदा

अनूठी आभा से, पुलकित सदा ये चमन भी। घटा छायी काली, सघन बरसाए अमन भी। निराले फूलों की, मधुर खुशबू मीत भर ले। उगी पाती प्यारी सहज हिय की पीर हर ले। **- डॉ प्रतिभा गर्ग**

मौन स्तब्ध हूँ... कालचक्र में घिरी..

मौन स्तब्ध हूँ... कालचक्र में घिरी.. हाय रे! कितनी विवश हूँ... जीवन के गति से सांसे भी... क्यूँ विलुप्त है.. कैसी ये परिस्थिति... मन से मन ही मन हार तो होती ये कभी जीत है.. कर्म क्षेत्र की रणभूमि में..निस्वार्थ सहजता से उपलब्ध हूँ।

- नंदिता तनूजा

वो उतरता है मेरे दिल में ऐसे

वो उतरता है मेरे दिल में ऐसे जैसे समंदर के सीने में रात चाँद उतरता हैं ! वो सुनता है मेरे ख़ामोश लबों के गीत जैसे नदी के साज पे मल्लाह गीत गाता है ! वो कहता है तुम बिन महसूस होता है जैसे एक घण्टें में कई दिन होते है !

- आकाश कुशवाहा

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) कृत्रिम उपग्रह मे विद्युत ऊर्जा का स्रोत क्या होता है? (सौर सेल / थर्मोपाइल)

2) किस भी भारतीय बैंक द्वारा कतर में पहली शाखा स्थापित की गई है?
(क) सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया (ख) इंडियन ओवरसीज बैंक (ग) आई.सी.आई.सी.आई (घ) पंजाब नेशनल बैंक

3) पश्चिमी घाटों और पूर्वी घाटों का मिलन स्थल है-

4) किस तोमर शासक को दिल्ली शहर को स्थापित करने का श्रेय प्राप्त है?
(क) अनंगपाल (ख) वज्रात (ग) देवराज

5) किस संस्थान से संबंधित है?

उत्तरमाला- (1) सौर सेल (2) आई.सी.आई.सी.आई (3) नीलगिरि (4) अनंगपाल (5) राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1510 - प्रशिया के बर्लिन में 38 यहूदियों को जिंदा जला दिया गया। 1553 - 15 वर्षीय लेडी जेन ग्रे को नौ दिनों के बाद इंग्लैंड की महारानी के रूप में अपदस्थ किया गया। 1827 - क्रांतिकारी मंगल पांडे का जन्म उत्तर प्रदेश के फैजाबाद जिले में हुआ। 1870 - फ्रांस ने प्रशिया के खिलाफयुद्ध की घोषणा की। 1900 - फ्रांस की राजधानी पेरिस में पहली मेट्रो रेल चली थी। 1926 - फ्रांस में को एडवर्ड हेरियोट के नेतृत्व में दूसरी बार सरकार बनीं। 1940 - एडोल्फ हिटलर ने में ग्रेट ब्रिटेन को आत्मर्समपण करने का आदेश दिया। 1963 - जॉय वॉकर में विमान के जरिये अन्तरिक्ष में जाने वाले पहले व्यक्ति बने। 1965 - दक्षिण कोरिया के पहले राष्ट्रपति सिंगमन री का निधन निर्वासन के दौरान हो गया।

राजेश्री महन्त जी महाराज के दरबार में भेंट मुलाकात करने वालों का दिन भर लगा रहा तांता

- सभी ने किया मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी के निर्णय का स्वागत
- लोगों ने बधाई देकर प्राप्त किया आशीर्वाद
- भारी व्यस्तता के बीच भी श्रद्धांजलि के कार्यक्रम में उपस्थित हुए राजेश्री महन्त जी

जांजगीर। छत्तीसगढ़ शासन के गौ सेवा आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष राजेश्री डॉक्टर महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज पीठाधीश्वर श्री दूधाधारी मठ रायपुर के दरबार में आज दिन भर भेंट मुलाकात करने वालों का तांता लग गया लोग सुबह से लेकर पूरे दिन भर एक के बाद एक, निरंतर मिलते रहे लोग दूर-दूर के गांव से समूह में आ-आ करके अपने साथियों के साथ महाराज जी को शुभकामना एवं बधाई देते नजर आए ।विदित हो कि छत्तीसगढ़ शासन के गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष के रूप में महाराज जी का आज द्वितीय दिवस था उनके नाम की घोषणा कल 16 जुलाई को ही हुई थी कल से ही लोगों का हुजूम दूधाधारी मठ में उनसे मिलने के लिए उमड़ पड़ा आज दिनांक 17 जुलाई को भी लोग सुबह 9:00 बजे से लेकर देर शाम तक समूहों में अपने साथियों के साथ आ-आ करके लगातार उनसे मिलकर शुभकामनाएं एवं बधाई देकर आशीर्वाद प्राप्त करते नजर आए,लोग पुष्पमाला, पुष्पगुच्छ, गुलदस्ता, साल, धोती, श्रीफल, फल, एवं मिठाई लेकर बारी-बारी से महाराज जी से भेंट करके निरंतर आशीर्वाद प्राप्त कर हर्षित होते दिखाई दिए लोगों ने छत्तीसगढ़ शासन के मुखिया श्री भूपेश बघेल एवं उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों तथा राज्य के वरिष्ठ नेताओं के द्वारा राजेश्री महन्त जी महाराज को गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किए जाने पर काफी

प्रसन्न नजर आए उन्होंने श्री भूपेश बघेल जी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। राजेश्री महन्त जी महाराज भी लोगों से बड़े ही प्रेम के साथ गदगद भाव से मिलते हुए नजर आए उनसे मुलाकात करने वालों में विशेष रुप से छत्तीसगढ़ लोक संगीत के सुप्रसिद्ध गायक दिलीप षडंगी, सतनाम सिंह पन्नाग, सुशील ओझा, मनोज वर्मा,

बलौदा बाजार से जिला पंचायत के सदस्य गण, पलारी से रज्जाक खान एवं उनके साथी गण,जिला पंचायत जांजगीर चांपा के उपाध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह, श्रीमती रीना तिवारी पार्षद वार्ड क्रमांक 4 शिवरीनारायण, मुख्तियार सुखराम दास जी, अमर सिंह बनाफर, शिवरीनारायण से पूर्णेन्द्र तिवारी एवं उनके साथी गण, बिलासपुर से जयंत मनहर अपने साथियों सहित, जांजगीर से जनपद सदस्य श्री कमलेश सिंह जी अपने साथियों सहित, मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव, ग्राम देवसुंदरा से केजू दास जी वैष्णव, डॉक्टर कोमल प्रसाद वैष्णव, ग्राम हिरमी से पंचायत के सभी पंच सरपंच एवं जनप्रतिनिधि गण, कसडोल से डीएन साहू अपने साथियों सहित, राजेश पुरी गोस्वामी अपने साथियों सहित, महिला कांग्रेस के सभी सदस्य गण, राजीवलोचन ट्रस्ट के सदस्य गण अनिल तिवारी जी, श्री जैतू साव मठ मंदिर एवं दूधाधारी मठ से संबंधित सभी मठ मंदिरों के ट्रस्टी अधिकारी कर्मचारी गौ सेवा आयोग के अधिकारी एवं कर्मचारी गण सहित लोग बड़ी संख्या में दिनभर मिलने के लिए निरंतर आते रहे समाचार लिखे जाने तक लोगों के आने का सिलसिला जारी था। व्यस्तता के बीच भी राजेश्री महन्त जी महाराज सत्संग भवन में आयोजित श्री दूधाधारी मठ के दिवंगत ट्रस्टी श्री जीवेंद्र नाथ ठाकुर जी के श्रद्धांजलि के कार्यक्रम में उपस्थित होकर उन्होंने उन्हें अपने सहयोगी यों सहित श्रद्धांजलि अर्पित की।

राजेश्री महन्त जी महाराज ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

- सौजन्य मुलाकात में जताया आभार

जांजगीर। छत्तीसगढ़ शासन राज्य गौ सेवा आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष, पूर्व विधायक राजेश्री डॉक्टर महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज पीठाधीश्वर श्री दूधाधारी मठ रायपुर ने राज्य के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल से सौजन्य मुलाकात कर हार्दिक आभार जताया। विदित हो कि राजेश्री महन्त जी महाराज को छत्तीसगढ़ शासन गौ सेवा आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति के साथ ही उन्हें केंद्रीय मंत्री का दर्जा प्राप्त हो गया है, नियुक्ति के पश्चात राजेश्री महन्त

जी महाराज अपने शुभचिंतकों के साथ मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी से मिलने पहुंचे, वहां उन्होंने शाल ओढ़ाकर के मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया एवं साथ ही गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर हार्दिक आभार व्यक्त की, मुख्यमंत्री श्री बघेल जी ने राजेश्री महंत जी को शुभकामनाएं एवं बधाई दी एवं आशा व्यक्त की, कि छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा चलाए जा रहे नरवा, गरवा, घुरवा, बारी एवं गौ धन के विकास में महन्त जी महाराज का सराहनीय योगदान रहेगा, उन्होंने कहा कि आप पहले से ही गोपालन एवं कृषि विकास के लिए कार्यरत रहे हैं आपके विशिष्ट अनुभव का लाभ राज्य को प्राप्त होगा राजेश्री महन्त जी महाराज के साथ मुलाकात करने वालों में शिवरीनारायण मठ मंदिर के मुख्तियार सुखराम दास जी, श्री दूधाधारी मठ के मुख्तियार राम छवि दास जी, राम तीरथ दास जी उपस्थित थे यहां यह उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व राजेश श्री महन्त जी महाराज छत्तीसगढ़ शासन में शिक्षा मंडल के सदस्य तथा छत्तीसगढ़ राज्य संस्कृत बोर्ड के अध्यक्ष के पद को सुशोभित कर चुके हैं यही नहीं वे पामगढ़ एवं जैजैपुर से दो बार विधायक के रुप में भी जनता जनार्दन को अपनी सेवा अर्पित की है प्रेस को जानकारी मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव ने प्रदान की।

पशुधन विकास एवं जल संसाधन विभाग तथा कृषि मंत्री श्री चौबे ने राजेश्री महन्त जी महाराज को दी बधाई

जांजगीर। छत्तीसगढ़ शासन के पशुधन विकास एवं जल संसाधन विभाग तथा कृषि मंत्री श्री रविंद्र चौबे ने दूधाधारी मठ पहुंचकर राजेश्री महन्त जी महाराज को गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष बनने पर हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी और आशा व्यक्त की कि उनके द्वारा गौ सेवा आयोग के पद धारण करने से गौ माता की सेवा छत्तीसगढ़ राज्य में और अच्छे ढंग से हो सकेगी उन्होंने राज्य एवं देश में व्याप्त कोरोना संकट के विषय में भी गंभीर विचार मंत्रणा की, उल्लेखनीय है कि गौ सेवा एवं

पशुधन विभाग का उत्तरदायित्व कैबिनेट मंत्री श्री चौबे जी के पास ही हैं। मठ मंदिर आगमन पर श्री चौबे जी का बड़े ही विनम्रता पूर्वक आदर सत्कार किया गया उन्हें मठ के द्वार में पुष्प कुछ भेंट करके सम्मान सहित दर्शन के लिए मंदिर ले जाया गया उन्होंने भगवान श्री बालाजी, संकट मोचन हनुमान जी एवं राम दरबार का दर्शन लाभ प्राप्त किया। दर्शन के पश्चात राजेश्री महन्त जी महाराज ने उन्हें भगवान श्री बालाजी का माला पहनाकर एवं साल भेंट करके सम्मानित किया तथा भगवान का चरणामृत प्रदान किया। विदित हो कि छत्तीसगढ़ शासन के गौ सेवा आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष राजेश्री डॉक्टर महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज पीठाधीश्वर श्री दूधाधारी मठ रायपुर के दरबार में दिन भर भेंट मुलाकात करने वालों का तांता लग गया, लोग सुबह से लेकर पूरे दिन भर एक के बाद एक, निरंतर मिलते रहे लोग दूर-दूर के गांव से समूह में आ-आ करके अपने साथियों के साथ महाराज जी को शुभकामना एवं बधाई देते नजर आ रहे हैं।

न्यूज गैलरी

पुलिस ने तेज की बिना मास्क की कार्रवाई

बिलासपुर । जिले में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमित मरीजों को देखते हुए पुलिस ने अब कड़ाई बरतना शुरू कर दिया है. बिना मास्क बाहर निकलने वाले और सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों को तोड़ने वालों पर कार्रवाई तेज कर दी गई है. शुक्रवार को जिलेभर में 495 ऐसे लोगों पर जुर्माना लगाया गया जो बिना मास्क पहने बाहर घूम रहे थे. इन्हें कड़ी चेतावनी भी दी गई.

जिले में बढ़ रहे कोरोना संक्रमित मरीजों को देखते हुए एसपी प्रशांत कुमार अग्रवाल ने सभी थानेदारों को कड़ाई बरतने के निर्देश दिए हैं. इसी कड़ी में शुक्रवार से कड़ाई बरतते हुए थानेदारों ने बिना मास्क पहने बाहर निकल रहे लोगों पर कार्रवाई तेज कर दी है. पूरे जिले में 495 लोगों पर कार्रवाई भी गई. इस दौरान मस्तूरी पुलिस ने 53, कोटा ने 21, बेलगहना ने 82, सीपत ने 85, सिविल लाइन ने 20, तारबाहर ने 42, तोरवा ने 60, सरकंडा ने 21, सकरी ने 7, सिरगिट्टी ने 7, हिर्री ने 15, तखतपुर ने 20, पचपेड़ी ने 12, रतनपुर ने 18 और सिटी कोतवाली ने 32 के खिलाफ चालानी कार्रवाई की

एएसपी ओपी शर्मा ने बताया कि सभी थानेदारों को निर्देश भी दिए गए हैं कि लोगों को जागरूक करने के लिए पैदल पेट्रोलिंग भी करें और लोगों को मास्क पहनने व सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करें. साथ ही उन्हें चेतावनी भी दी जाए कि अगर नियमों का पालन नहीं किया गया तो उन पर कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी

कंटेंटमेंट जोन को लेकर साफ झलक रही लापरवाही, चंद्रा पार्क के आसपास सभी गतिविधियां धड़ल्ले से जारी

बिलासपुर । प्रदेश के साथ बिलासपुर में भी कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं लेकिन उसी तेजी से बढ़ रही है स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन की लापरवाही। कंटेंटमेंट जोन को लेकर पहले जैसी सतर्कता अब कहीं नहीं दिखाई पड़ती। बिलासपुर के चंद्रा पार्क में एक अकेले सोसाइटी में ही करीब 19 लोग संक्रमित हो चुके हैं लेकिन कंटेंटमेंट जोन घोषित होने के बाद भी यहां हर तरफ लापरवाही साफ नजर आ रही है। आसपास की दुकानें और बाजार पूरी तरह खुली हुई है। लोगों की भीड़ यहां हर तरफ नजर आ रही है, जबकि नियमानुसार यहां 1 से 3 किलोमीटर के दायरे में हर तरह की गतिविधि रुकी होनी चाहिए, लेकिन यहां ऐसा बिल्कुल भी नहीं किया जा रहा । दिखावे के लिए बेरिकेट कर छोड़ दी गई है । लोग आराम से आवाजाही कर रहे हैं। आशीर्वाद वैली में भी इसी तरह की लापरवाही नजर आ रही है। यहां कहने के तो कंटेंटमेंट जोन घोषित कर इलाके को सील कर दिया गया है लेकिन घरेलू नौकर यहां आराम से आ जा रहे हैं और इनके ही द्वारा दूसरे घरों में भी काम किया जा रहा है। सोसायटी में रहने वाले कुछ लोग भी नियम का पालन नहीं कर रहे और वे सोसायटी के अन्य लोगों की सुन भी नहीं रहे। जिस कारण संक्रमण फैलने का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन जिम्मेदारी की गेंद एक दूसरे के पाले में डालकर जवाबदेही से बचने की कोशिश कर रहे है।

हाईकोर्ट का फैसला जोगी परिवार को राहत नहीं देता, उनका जाति प्रमाण पत्र रद्द हो चुका है : नेताम

- अमित पर एफआईआर दर्ज हो, मरवाही चुनाव लड़ने से रोका जाये'

बिलासपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी व उनके बेटे अमित जोगी की जाति को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ रहे संतकुमार नेताम ने कहा है कि सन् 2013 की रिपोर्ट को लेकर हाईकोर्ट के आदेश से यह निष्कर्ष नहीं निकलता कि जोगी के आदिवासी होने को मान्यता दी गई है। सन् 2019 की दूसरी संशोधित रिपोर्ट में उनका जाति प्रमाण पत्र निरस्त किया जा चुका है। स्व. जोगी का जाति प्रमाण पत्र निरस्त होने के बाद अमित जोगी का भी प्रमाण पत्र निरस्त किया जाना चाहिये और उन्हें मरवाही चुनाव लड़ने का मौका नहीं दिया जाना चाहिये।

हाईकोर्ट ने पिछले दिनों याचिकाकर्ता संतकुमार नेता और राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति आयोग की उस याचिका को खारिज कर दिया था जिसमें उन्होंने सन् 2013 में जाति छानबीन समिति की रिपोर्ट को वापस लेने के तत्कालीन सरकार के फैसले पर आपत्ति जताई थी। इसके खारिज होने के बाद अमित जोगी ने ट्वीट कर कहा था कि सत्य की जीत होती है, मरवाही के गौरव व जोगी के आदिवासी होने के हक़ को कोई नहीं छीन सकता।

अमित जोगी के इस बयान पर नेताम ने कहा है कि सन् 2013 की रिपोर्ट को तब की सरकार ने प्रक्रियाओं का पालन नहीं होने के कारण वापस लिया था पर जाति छानबीन समिति ने सन् 2019 में दूसरी संशोधित व स्पष्ट रिपोर्ट सौंप दी है। इस रिपोर्ट को किसी अदालत ने खारिज नहीं किया गया है, जिसमें जोगी के कंवर जाति प्रमाण पत्र को निरस्त करने का आदेश है। पिता के आधार पर ही बेटे की जाति तय होती है इसलिये स्व. अजीत जोगी की तरह ही उनके पुत्र अमित जोगी का प्रमाण पत्र निरस्त किया जाना चाहिये, साथ ही उनके ऊपर भी एफआईआर दर्ज किया जाना चाहिये। जाति प्रमाण पत्र के लिये अमित जोगी ने गलत जन्मस्थान और जन्मतिथि दर्ज कराई और इसी प्रमाण-पत्र के आधार पर मरवाही अनुसूचित जनजाति आरक्षित सीट से चुनाव लड़ा। पिता का प्रमाण पत्र निरस्त होने के बाद अब उन्हें इस प्रमाण पत्र के आधार पर मरवाही से नामांकन दाखिले का अवसर नहीं मिलना चाहिये। सन् 2013 की रिपोर्ट वापस लेने को लेकर हाईकोर्ट के फैसले के बावजूद उनकी लड़ाई अभी समाप्त नहीं हुई है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेड़िया ने किया मरवाही, पेंड्रा, गौरेला क्षेत्र का दौरा

- विभागीय बैठक ले योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली ,दिव्यांगों को बांटे ट्रायसिकल

बिलासपुर । महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेड़िया ने नवगठित जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही का दौरा कर शासन की व विभागीय योजनाओं की जानकारी ली । जिला प्रशासन के अधिकारियो की मीटिंग लेकर योजनाओं की उन्होंने समीक्षा की तथा मरवाही ब्लाक में उन्होंने दिव्यांगों को ट्रायसिकल बांटे ।

मंत्री श्रीमती भेड़िया का पेंड्रा गौरेला मरवाही पहुंचने पर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणों व कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने उनका आत्मीय स्वागत किया ।

श्रीमती भेड़िया के साथ पंडरिया विधायक ममता चंद्राकर ,जिला पंचायत अध्यक्ष अरुण चौहान् ,कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता अभय नारायण राय ,महिला कांग्रेस की प्रदेश सचिव श्रीमती पूजा खनूजा ,सिरगिट्टी नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष सतनाम सिंह खनूजा ,मरवाही ब्लाक अध्यक्ष अमोल पाठक ,ज्ञानेंद्र उपाध्याय ,गुलाब राज ,सादिक भाई ,इकबाल सिंह समेत अनेक कांग्रेसी थे।

श्रीमती भेड़िया ने पेंड्रा गौरेला के विश्राम गृह में अधिकारयियो की बैठक लेकर शासन की योजनाओं की समीक्षा की उसके बाद मरवाही क्षेत्र के ग्राम चोरगा में चाय चौपाल कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणो को राज्य शासन की कल्याणकारी कार्यक्रमों व योजनाओं की जानकारी दी तथा हरेली त्योहार से शुरू होने जा रहे शासन की महती योजना गौधन योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी ।

थाना सिटी कोतवाली मुंगेली क्षेत्र के ग्राम कोटवारों की कंट्रोल रूम में ली गई मीटिंग

मुंगेली। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार आज दिनांक 17.07.2020 को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश्वर चंदेल, एसडीओपी तेजराम पटेल एवं थाना प्रभारी सिटी कोतवाली मुंगेली निरीक्षक कविता धुर्वे के द्वारा कंट्रोल रूम में थाना सिटी कोतवाली मुंगेली क्षेत्र के ग्राम कोटवारों की बैठक ली गई। कोटवारों को गांव में होने वाली छोटी-बड़ी घटनाओं की जानकारी होती है जिस संबंध में मिटींग लेकर ग्राम कोटवारों को आधुनिक समय में होने वाले सायबर अपराध जैसे मोबाईल से धोखाधडी,आनलाईन ठगी, के संबंध में जानकारी देकर गांव में होने वाले अपराध जुआ, सट्टा, अवैध शराब आदि अपराधों एवं गांव में होने वाली घटनाओं की जानकारी पुलिस कंट्रोल रूम एवं थाना प्रभारी को देने एवं ग्रामों की अद्यतन जानकारी प्रस्तुत करने दिशा निर्देश दिया गया।

10 वीं बोर्ड में 91 प्रतिशत अंक अर्जित करने वाली छात्रा स्मृति चन्द्राकर का सम्मान

मुंगेली। सेंट जेवियर्स स्कूल मुंगेली द्वारा सी.बी.एस.ई. 10 वीं बोर्ड में छात्रा स्मृति चन्द्राकर ने 91 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय का रोशन की। इस अवसर पर विद्यालय द्वारा छात्रा स्मृति चन्द्राकर का सम्मान उनके माता पिता के साथ किया गया व उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। स्मृति चन्द्राकर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अशोक चन्द्राकर की सुपुत्री है।

जिले के गौठानों तथा आवर्ती चराई समितियों में हरेली के अवसर पर होगा गोधन न्याय योजना का शुभारंभ

- पशुपालकों और ग्रामीणों से क्रय किया जायेगा गोबर।

बीजापुर। राज्य शासन के मंशानुरूप गौठानों की गतिविधियों का विस्तार करते हुए गौठानों में गोबर क्रय करने सहित गोबर से वर्मी कम्पोस्ट एवं अन्य उत्पाद तैयार करने हेतु महत्वाकांक्षी गोधन न्याय योजना का शुभारंभ 20 जुलाई को हरेली पर्व के अवसर पर किया जायेगा। जिसके तहत् 20 जुलाई को बीजापुर ब्लॉक के नुकनपाल, मिड़ते, चिन्नाकोड़ेपाल, धनोरा, मूसालूर, नैमेड़, दुगोली, पेदाकोडेपाल एवं कुएनार में गोधन न्याय योजना का शुभारंभ किया जायेगा। वहीं भोपालपटनम ब्लॉक के रूद्रारम, बामनपुर, करकावाया, पोषणपल्ली, कोत्तापल्ली, कोत्तूर, अन्नारम, तिमेड़, पामगल एवं सेण्ड्रपल्ली में गोधन न्याय योजना का शुभारंभ किया जायेगा। इसी तरह भैरमगढ़ ब्लॉक के बरदेला, करकेली, एरामंगी, कोतरापाल, केतुलनार, मंगापेठा, पुशनार, मंगलनार और माटवाड़ा में गोधन न्याय योजना का शुभारंभ किया जायेगा। वहीं उसूर ब्लॉक के एंगपल्ली, ईलमिड़ी, आवर्ती चराई समिति एवं ईलमिड़ी गौठान, मोदकपाल, मुरदण्डा, संकनपल्ली, सेमलडोडी, पेरमपल्ली एवं उसूर आवर्ती चराई समिति में गोधन न्याय योजना का शुभारंभ किया जायेगा। 21 जुलाई को बीजापुर ब्लाक के पापनपाल, ईटपाल, बोरजे, मोरमेड़, कोयाईटपाल, रेड्डी, संतोषपुर, चेरपाल एवं तोयनार में गोधन न्याय योजना का शुभारंभ किया जायेगा। वहीं भोपालपटनम ब्लॉक के भद्राकाली आवर्ती चराई समिति एवं भद्राकाली गौठान, मेटलाचेरू, संगमपल्ली गिलगिचा, दम्पाया, एंचोड़ा, वरदली, वाडला, गोठाईगुड़ा, गोल्लागुड़ा एवं गुल्लापेंटा में गोधन न्याय योजना का शुभारंभ किया जायेगा। इसी तरह भैरमगढ़ ब्लाक के पातरपारा, पोन्दूम, पोटेनार, डारापाल, फुलगट्टा, जांगला, तालनार, जैवारम एवं नेलसनार में गोधन न्याय योजना का शुभारंभ किया जायेगा। वहीं उसूर ब्लॉक के उसूर, चेरकडोडी आवर्ती चराई समिति एवं चेरकडोडी गौठान, दुगईगुड़ा, चाटलापल्ली, हीरापुर, पामेड़, पुसगुड़ी आवर्ती चराई समिति एवं पुसगुड़ी गौठान में गोधन न्याय योजना का शुभारंभ किया जायेगा। 22 जुलाई को बीजापुर ब्लॉक के तुमनार, गंगालूर, सावनार, कोटेर, भोसागुड़ा, पोंजेर एवं पदेड़ा में गोधन न्याय योजना का शुभारंभ किया जायेगा।

कलमकार की खोज का वृहद आयोजन

मुंगेली। प्रदेश की प्रमुख सामाजिक व साहित्यिक संस्था श्री साईनाथ फाउंडेशन ने प्रदेश स्तरीय कलमकार की खोज का वृहद आयोजन किया ।कनिष्ठ व वरिष्ठ वर्ग के लिए छत्तीसगढ़ के साहित्यकारों से अपनी रचना का काव्य पाठ करते हुए वीडियो मंगाया गया था ।जिसमें लगभग 200 वीडियो में वरिष्ठ वर्ग हेतु 22 तथा कनिष्ठ वर्ग में 30 लोगों का चयन फाइनल के लिए किया गया है ।कोरोना महामारी के नियंत्रण पश्चात शासन के दिशा निर्देशों का पूर्ण रुप से पालन करते हुए फाइनल कार्यक्रम का आयोजन होना है।जहां चयनित सभी कलमकारों को पुनः प्रस्तुति के आधार पर चयन कर विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा । मुंगेली से कविता चैराहे परश् के संस्थापक, संयोजक राकेश गुप्ता निर्मल तथा श्रीमती सुधा रानी शर्मा का फाइनल राउंड हेतु चयन होने पर मुंगेली साहित्य परिवार गौरवान्वित है। इस उपलब्धि पर डॉक्टर प्रेम कुमार वर्मा ,कृष्ण कुमार भट्ट, डॉक्टर चन्द्रशेखर सिंह ,जगदीश देवान्गान, देवेन्द्र सिंह परिहार तथा खेमेश्वर पुरी गोस्वामी आदि साहित्यकारों ने नगर का सम्मान बढ़ाने पर दोनों कलमकारों को

सीएम बघेल ने विडियो कान्फ्रेंसिंग से ली कलेक्टरों की कान्फ्रेंस

- 20 जुलाई को हरेली पर्व पर शुरू होगी राज्य सरकार की महत्वांकाक्षी गोधन न्याय योजना

नवप्रदेश संवाददाता

बीजापुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज अपने निवास कार्यालय रायपुर से विडियो कान्फ्रेसिंग के जरिये कलेक्टर्स कान्फ्रेस को सम्बोधित करते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में 20 जुलाई को हरेली पर्व के अवसर पर राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी गोधन न्याय योजना की शुरूआत की जायेगी। उन्होने इस योजना के कारगर क्रियान्वयन हेतु सभी तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश

अधिकारियों को दिये। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कलेक्टर्स कान्फ्रेस में फसलों की गिरदावरी, किसान न्याय योजना और किसान पंजीयन, वृक्षारोपण अभियान की प्रगति, श्रमिकों के कौशल उन्नयन और उन्हे रोजगार की उपलब्धता, क्वारन टाईन सेंटर्स में रूके हुए श्रमिकों, अंग्रेजी माध्यम स्कूलों से सम्बन्धित विषयों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान बीजापुर जिला कार्यालय के एनआईसी विडियो कान्फ्रेसिंग कक्ष में कलेक्टर रितेश अग्रवाल, डीएफओ अशोक पटेल, सीईओ जिला पंचायत पोषणलाल चन्द्राकर सहित कृषि, पशुपालन, श्रम, स्कूल शिक्षा, ईत्यादि विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

बस्तर की कांग्रेस राजनीति में धूमकेतु की तरह उभरे रेखचंद जैन, मिथलेश स्वर्णकार

■ कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने किया ऐतेहासिक स्वागत

नवप्रदेश संवाददाता

जगदलपुर। बस्तर संभाग में कांग्रेस की जीत का परचम फहराने के साथ ही प्रदेश की कांग्रेस राजनीति में चक्रवात की तरह उभरने वाले जगदलपुर शहर के विधायक रेखचंद जैन ,संगठन अध्यक्ष राजीव शर्मा के साथ पूरे संभाग स्तर पर कांग्रेस की राजनीति को चाणक्यनीति से क्रियान्वित करने वाले मिथलेश स्वर्णकार को अब महत्वपूर्ण पद से नवाजकर बस्तर की जनता का सेवा करने का अवसर दिया है ।

जगदलपुर विधायक रेखचंद जैन संसदीय सचिव बनकर मंत्री शिव डहरिया का साथ निभाएंगे और नगरीय निकाय एवं श्रम विभाग से जुड़े समस्त विकास कार्यो में बस्तर के अलावा पूरे प्रदेश में अपनी सहभागिता निभाएंगे।

वही मिथलेश स्वर्णकार को उर्जा विकास निगम का चेयरमेन बनाकर प्रदेश की अक्षय उर्जा का किस प्रकार उपयोग किया जाये इसका दायित्व सौंपा गया है । मिथलेश स्वर्णकार ने बस्तर के कांग्रेस राजनीतिक का उस समय प्रतिनिधित्व किया था जब कांग्रेस हार चुकी थी लेकिन पिछले 15 वर्षो में हताश और निराशा भरे वातावरण से कार्यकर्ताओं को उबारकर उन्होंने उनमें नई उर्जा का संचार किया है जिसके फ्लस्वरूप आज कांग्रेस की ऐसी स्थिति बन पाई । प्रदेश के मुख्यमंत्री ने शायद मिथलेश को उर्जा निगम का अध्यक्ष बनाकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संदेश दिया है कि आप कार्य करते रहे पार्टी आपके कार्यो का मूल्यांकन समय आने पर करेगी ।

संसदीय सचिव एवं उर्जा विकास निगम के अध्यक्ष पद पर सुशोभित होकर आज कांग्रेस भवन पहुंचने पर विधायक एवं संसदीय सचिव रेखचंद जैन एवं उर्जा विकास निगम के अध्यक्ष मिथलेश स्वर्णकार को कार्यकर्ताओं द्वारा पूरे सोशल डिस्टेसिंग के साथ स्वागत किया गया । फूल माला और रंग गुलाल लगाकर उपस्थित सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के साथ शहर के बुद्धिजीवीओ ने भी नेता का हार्दिक अभिनंदन किया ।

अपने स्वागत एवं अभिनंदन से नेतागण काफी अभिभूत दिखे आज विशेष रूप से कांग्रेस भवन को सजाया गया था ।सादगी से सजाये गये कांग्रेस भवन में फुलमाला के साथ - साथ तिरंगे रंग के गुब्बारे भी लगाये गये थे जो आकर्षण का केन्द्र बने रहे । कांग्रेस भवन पहुंचते ही नेता गण का स्वागत निगम की अध्यक्ष सफीरा साहू , शहर अध्यक्ष राजीव शर्मा , निगम सभापति कविता साहू के अलावा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजकुमार झा , अब्दुल सईद , संजीव जैन , नरेन्द्र तिवारी , आईटी सेल के प्रदेश प्रभारी योगेश पाणिग्राही , सुनील बवेजा , सुनील गिरधर , संजीव शर्मा , गौरनाथ नाग , सुरेन्द्र झा के साथ निगम के पार्षदों द्वारा किया गया । आज के स्वागत कार्यक्रम की विशेषता यह रही की संसदीय सचिव रेखचंद जैन एवं उर्जा विकास निगम के अध्यक्ष मिथलेश स्वर्णकार का स्वागत करने स्थानीय नागरिक , व्यापारी बंधु भी काफी संख्या में उपस्थित रहे।

सरकार की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ायेंगे: रेखचंद जैन

संसदीय सचिव रेखचंद जैन ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हमारी पहली प्राथमिकता वही होगी जो सरकार की प्राथमिकता है,बस्तर के विकास के साथ पूरे प्रदेश को सरकार की योजनाओं का लाभ पहुँचाया जाएगा ।अपनी पदोन्नति का श्रेय मुख्यमंत्री भुपेश बघेल,प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम के साथ कांग्रेस के ग्रामीण -शहरी कार्यकर्ता व मीडिया प्रतिनिधियों को दिया।

बहुत बढ़ी जिम्मेदारी, सभी लोगों के आर्शिवाद के बदौलत: क्रेडा अध्यक्ष

राज्य अक्षय ऊर्जा विकास निगम के चेयरमेन मिथिलेश स्वर्णकार ने पत्रकारों से चर्चा में कहा कि आप सभी के आशीर्वाद के बदौलत ही इतनी बड़ी जिम्मेदारी मिली है,इसके लिए सभी को साधुवाद। श्री स्वर्णकार ने आगे कहा है कि बड़ी जिम्मेदारी देकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी ने जो भरोसा जताया है, उस पर पूरी तरह से खरे उतरने की जिम्मेदारी अब मेरी है। शासन की हर प्राथमिकता को जनमानस तक पहुंचाएंगे।

सरकार व संगठन ने बढ़ाया मान- शर्मा

शहर अध्यक्ष राजीव शर्मा ने कहा है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सरकार व प्रदेश संगठन ने बस्तर को जिस तरह तवज्जो दिया जिस तरह बस्तर के एक-एक कार्यकर्ता का मान बढ़ाया है ।यह नियुक्ति उन हजारों - लाखों कार्यकर्ताओं के मेहनत का परिणाम है कि उन्होंने बस्तर में बेहतर चुनाव परिणाम दिए।

न शौचालय न प्रतीक्षालय, ये है तहसील कार्यालय

■ शेड के अभाव में पेड़ का सहारा

नव प्रदेश संवाददाता

> तहसील कार्यालय का काम पूरा नहीं हुआ है। ठेकदार की ओर से काम पूरा करने में असहमति जताते हुए छोड़ दिया गया। नए सिरे निविदा जारी कर काम पूरा किया जाएगा।
>
> **एआर पैगवार, एसडीओ**

कोरबा। जिला मुख्यलय में स्थित तहसील कार्यालय में न तो पक्षकारों के लिये शौचालय है और न ही बैठने के लिए प्रतीक्षालय । जबकि उप तहसील भैसमा व करतला में पक्षकारो के सुविधा का ध्यान रखते हुए प्रतिक्षालय व शौचालय का निर्माण कराया जा चुका है। मुख्यलय होने के बाद भी कोरबा तहसील में पक्षकारो के लिए कोई सुविधा न हो होना अधिकारियों की उदासीनता को दर्शाता है।

कार्यालयीन काम से आने वाले ग्रामीणों को पेंड़ के नीचे बैठकर ही काम पूरा होने का इंतजार करना पड़ता। बारिश के दौरान तहसील कक्ष में पनाह लेते हैं। यहां भी प?र्श गीली होने के कारण उन्हें बारिश थमने का इंतजार करना पड़ता है। पक्षकार गर्मी में धूप और बरसात में पानी की असुविधा से जूझते हैं।परिसर में शौचालय की सुविधा नहीं है। खासकर महिला पक्षकारों खासी असुविधा होती है। कार्यालय में निर्मित शौचालयों में अधिकारी-कर्मचारियों का ही एकाधिकार है। ऐसे में बाहर से आने वाले पक्षकारों को मुश्किल होती है। परिसर में प्याऊ का निर्माण तो किया गया है, लेकिन कीचड़ होने के कारण वहां तक लोग नहीं जाते।

उल्लेखनीय है कि तहसील परिसर के जीर्णोद्धार के लिए 52 लाख रु की स्वीकृति मिली थी। राशि जारी होने के बाद भी तहसील भवन का मरम्मत अधूरा है। लोक निर्माण विभाग का नियंत्रण नहीं होने से ठेकेदार ने काम पूरा किए बगैर ही हाथ खड़ा कर दिया है। जर्जर भवन में बारिश के दौरान छत सिपेज होने से फर्श पानी फैल जाता है, जिससे कार्यालयीन कामकाज प्रभावित रहता है।

खनिज न्यास मद से राशि जारी होने के बाद निर्माण से जुड़े कार्यो की दशा किस तरह बदहाल है, इसका नजारा जिला तहसील कार्यालय में जाकर देखा जा सकता है। भवन मरम्मत के लिए न्यास से मद से 52 लाख रुपये स्वीकृत की गई थी। सुधार के लिए एजेंसी लोक निमाण विभाग को बनाया गया था। ठेकेदार ने न्यूनतम लागत में निविदा तो भर दी, लेकिन काम पूरा नहीं किया। विभागीय अधिकारी और ठेकेदार के कारण न केवल प्रशासनिक छवि धूमिल हो रही, बल्कि डीएमएफराशि का भी दुरुपयोग हो रहा है। अब तक मरम्मत के नाम पर दो चार जगहों में सीमेंट प्लास्टर कर दी गई है। बारिश जारी रहने के दौरान छत में पानी भरने से दीवारें गीली हो जाती है। रिसाव का पानी दीवार के सहारे प?र्श में उतरता है जिससे भवन की जमीन गीली हो जाती है। कार्यालय कामकाज बाधित हो जाता है। दूरदराज ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले पक्षकारों का काम समय पर नहीं हो पाता।

वाले ग्रामीणों को पेंड़ के नीचे बैठकर ही काम पूरा होने का इंतजार करना पड़ता। बारिश के दौरान तहसील कक्ष में पनाह लेते हैं। यहां भी प?र्श गीली होने के कारण उन्हें बारिश थमने का इंतजार करना पड़ता है। पक्षकार गर्मी में धूप और बरसात में पानी की असुविधा से जूझते हैं।

यह कैसा रोका-छेका, सड़क पर मवेशी गोठान सूनसान

नव प्रदेश संवाददाता

कोरबा । कांग्रेस सरकार की महत्वकांक्षी नरवा, गरूवा, घुरूवा, बाड़ी योजना अधिकारी-कर्मचारियों की लापरवाही की भेंट चढ़ने लगी है। यहां विभागीय उदासीनता के चलते लाखों रूपये खर्च करने के बाद भी योजना का सही ढंग से क्रियान्वयन नहीं हो रहा है। जिसके चलते अब भी बेसहारा मवेशियों का जमावड़ा सड़कों पर लग रहा है, जबकि अधिकांश गोठानों में सन्नाटा पसरा हुआ है। बेसहारा मवेशियों के चलते राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार करने व उन्हें रोजगार से जोड़ने के लिए राज्य शासन द्वारा महत्वाकांक्षी योजना नरवा, गरूवा, घुरवा एवं बाड़ी योजना का शुभारंभ किया गया है। योजना से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने का मार्ग प्रशस्त होगा। गरूवा योजना के तहत सभी पंचायतों की शासकीय भूमि पर गोठान का निर्माण कराया जाना है ताकि यहां गायों को चारा, पानी की सुविधा मिल सके। साथ ही प्रदेश में खुली चराई को रोकने और फसलों की सुरक्षा के लिए गोठान की व्यवस्था को सशक्त बनाने, उनके रखरखाव और संचालन में भी इस राशि का उपयोग किया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर परंपरागत रोका-छेका प्रथा को प्रभावी ढंग से लागू करने गोठानों के माध्यम से किसानों और पशुपालकों की मदद के लिए गांवों को यह राशि उपलब्ध कराई जा रही है, मगर विभागीय उदासीनता व गोठान समिति संचालकों की मनमानी के चलते बेसहारा मवेशियों का जमावड़ा सड़कों पर लग रहा है। नगरी क्षेत्र में सड़क व गलियों में यह नजारा आम है। यहां पूरे दिन बेसहारा मवेशी बारिश में सूखे जगह की तलाश में सड़कों पर बैठे रहते हैं। जिसके चलते सड़कों से होकर गुजरने वाले राहगीरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यहां आए दिन राहगीरों व मवेशियों के बीच हुई भिड़ंत के चलते दोनों घायल हो रहे हैं, बाजवूद इसके गोठान समिति बेसहारा मवेशियों को गोठान में रखने के मामले में गंभीर नहीं हैं। यहां अधिकांश गोठान मवेशियों के अभाव में सूने हैं।

इस वर्ष गणेशोत्सव में घरों मे ही होगा गणेश पूजन

■ अगले सप्ताह भी दो दिन व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रखने प्रतिनिधियों ने दी स्व स्फूर्त सहमति

■ प्रशासन, व्यापारिक प्रतिष्ठान के प्रतिनिधि एवं प्रबुद्ध नागरिको बैठक सम्पन्न

अम्बिकापुर। वैश्विक माहमारी कोविड 19 के शहर में बढ़ते संक्रमण के रोकथाम के उपाय को लेकर आज माता राजमोहनी देवी भवन में जिला प्रशासन, व्यापारिक प्रतिष्ठान के प्रतिनिधियों एवं प्रबुद्ध नागरिकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी गणेश पूजा में सार्वजनिक रूप से गणेशोत्सव नहीं मनाने तथा घरों में ही सोशल डिस्टेंश का पालन करते हुए गणेश पूजा करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही गणेश विर्सजन के दौरान भी रैली, जुलूस एवं शोभायात्रा नहीं निकालने तथा मास्क का प्रयोग करने कहा गया। व्यापारिक प्रतिष्ठान के प्रतिनिधियों ने कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु पिछले सप्ताह दो दिन के व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रखने के निर्णय को सफल बताया तथा इसे आगामी सप्ताह में भी जारी रखने पर सहमति व्यक्त करते हुए पुनः आदेश जारी करने का आग्रह किया। मास्क पहनने तथा सोशल डिस्टेंस का कड़ाई से पालन कराने के लिए राशन दुकान के साथ ही फल दुकान तथा सब्जी दुकान में भी निगरानी रखने, कन्टेनमेंट जोन से बाहर निकलने वालों पर कड़ी नजर रखने के सुझाव दिए गए। कन्टेनमेंट जोन में जरूरत की सामग्री का उपलब्ध कराने के लिए मोबाई नम्बर जारी करने कहा गया है। व्यापारिक प्रतिष्ठान के प्रतिनिधियों के द्वारा सभी दुकानो को शाम 7 बजे तक अनिवार्य रूप से बंद करने पर सहमति व्यक्त किया गया।

मास्क पहनने तथा सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन की कड़ाई से निगरानी नगर निगम अम्बिकापुर के मध्य क्षेत्र के अलावा गांधीनगर, फुन्दुरडिहारी एवं गोधनपुर जैसे क्षेत्रों मे भी निगरानी बढ़ाने कहा गया है। महापौर डॉ. अजय तिर्की ने कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए प्रशासन द्वारा हर संभव सहायता करने बात कही वहीं प्रबुद्ध नागरिकों के द्वारा कोरोना संक्रमितों के प्रायमरी एवं सेकेण्डरी सम्पर्क में आए लोगों के ट्रेसिंग कड़ाई से करने तथा पता चलने पर तत्काल अस्पताल ले जाने कहा।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के तहत् ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित

बलरामपुर। शिक्षित बेरोजगार युवक एवं युवतियां जो स्वयं का रोजगार स्थापित करना चाहते हैं, उनके लिये प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के अंतर्गत जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र बलरामपुर द्वारा ऑनलाईन आवेदन 31 जुलाई 2020 तक आमंत्रित किया जा रहा है। इस योजना के तहत उद्योग स्थापना हेतु 25 लाख और सेवा व्यवसाय के लिए 10 लाख तक ऋण ऑनलाईन तैयार कर बैंकों के माध्यम से प्रदान किया जाता है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम अन्तर्गत हितग्राही को न्यूनतम 18 वर्ष तथा जिले का निवासी होना चाहिए। उद्योग क्षेत्र में 10 लाख एवं सेवा क्षेत्र में 05 लाख से अधिक निवेश होने पर हितग्राही को 08 वीं पास होना अनिवार्य है। संभावित उद्योगों की बात करें तो नमकीन मिक्चर निर्माण, बेकरी निर्माण, जूता-चप्पल निर्माण, लेथ मशीन वर्क, क्रेशर गिट्टी, आदि शामिल हैं।

कलेक्टर ने बरसते पानी में गोधन न्याय योजना की तैयारियों का लिया जायजा

नारायणपुर। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने आज बरसते पानी में नारायणपुर विकासखंड के ग्राम बेलगांव, कोचवाही और केरलापाल में संचालित गौठानों में पहुंचे। कलेक्टर ने गौठानों में गोधन न्याय योजना के तहत् गोबर खरीदी की व्यवस्था, तैयार किये जाने वाले वर्मी कम्पोस्ट टांका एवं शेड, गौठानों का क्षेत्रफल, गौठानों में आने वाले मवेशियों की संख्या, मवेशियों के लिए उपलब्ध चारागाह, चारा-पानी की व्यवस्था का अवलोकन किया। श्री सिंह ने कहा कि गांव के सभी गायों को गौठान में ही रखा जाए। बारिश को ध्यान में रखते हुए मवेशियों के लिए सुरक्षित (सूखा) स्थल भी बनाया जाये। जिससे उन्हें बारिश में कोई परेशानी न हो। कलेक्टर श्री सिंह ने वर्मी बेड के ऊपर शेड निर्माण को जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए।

पेट्रोलियम की बढ़ी कीमत ने अब बढ़ाई खेती की लागत

कोरबा। परंपरागत और तकनीकी खेती में कृषि यंत्र और दिहाड़ी मजदूरी बढ़ने से किसान अधिक लागत से चिंतित नजर आ रहे हैं। बैल हल से जुताई जहां 400 रुपये में होती थी, वह अब 500 रुपये ली जा रही है। हाल ही में डीजल की कीमत पेट्रोल के करीब बढ़ने से ट्रैक्टर जुताई 200 रुपये महंगी हो गई है। जुताई दर पिछले साल ली गई 1000 की अपेक्षा 1200 रुपये प्रति घंटे किराया ली जा रही है। खेत में दिहाड़ी मजदूरी के लिए मजदूर 300 से 400 रुपये ले रहे हैं। खाद व बीज की कीमत पहले से ही प्रति बोरी 100 से 150 रुपये दर बढ़ी हुई है। ऐसे मे किसानों के लिए नकद खेती समस्या का सबब बना हुआ है। बारिश का साथ होने से रोपाई में प्रगति आने लगी है।

मानसून आगमन से अब तक 2,299 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। बारिश साथ मिलने से खेती कार्य में प्रगति आने लगी है। थरहा तैयार होने से रोपाई में भी प्रगति आने लगी है। इसके अलावा जिन लोगों ने सूखा बुआई की थी, उन्हें भी बियासी के लिए हल बैल की जरूरत पड़ेगी। अब तक हुई वर्षा पर गौर किया जाए तो सबसे अधिक बारिश 575.0 मिलीमीटर वर्षा कोरबा विकासखंड में हुई है। सबसे कम 315.8 मिलीमीटर पाली में दर्ज की गई है। बेहतर वर्षा से खेतों में कृषि कार्य प्रगति में है। लॉकडाउन के बाद दीगर राज्य व शहर से लौटे मजदूर अधिया बुआई की बजाय अब खुद खेती कर रहे हैं। सिंचाई सुविधा का विस्तार नहीं होने से आज भी जिले के अधिकांश किसान परंपरागत खेती पर निर्भर हैं। रिस्दी के किसान बोधराम का कहना है कि बियासी केवल हल बैल से ही किया जा सकता है। ऐसे में वे किसान जो बियासी खेती कर रहे हैं, उनके लिए लागत में वृद्धि समस्या होगी है। थरहा रोपाई के एवज में 8 घंटे की मजदूरी के लिए 300 से 400 रुपये ली जाएगी। प्रति एकड़ 5,000 तक में रोपाई होने वाले खेतों में अब 8,000 रुपये लग रहा है। कुल मिलाकर जुताई, रोपाई से लेकर बियासी की मजदूरी लागत बढ़ने से किसान चिंतित नजर आ रहे हैं।

खंड वर्षा बनी है समस्या

खंड वर्षा किसानों के लिए समस्या का सबब साबित हो रहा है। जिन खेतों में पानी की कमी है, वहां के किसानो को अब भी इंतजार में है। जारी बारिश से थरहा तैयार हो चुका है लेकिन खेत में पानी नहीं रुकने से रोपाई काम बाधित है। पाली क्षेत्र में अन्य ब्लॉक से बारिश कम है। लिहाजा, खेती पिछड़ने की संभावना है। जल सरंक्षण के लिए किसानों को प्रशिक्षित किया जाना था। कृषि विभाग से इसकी जानकारी किसानों को नहीं दिए जाने के कारण प?सल का अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा है।

सब्जी की खेती प्रगति पर

सब्जी की खेती के लिए जिला कृषि विभाग ने इस वर्ष 11,500 हेक्टेयर में क्षेत्राच्छादन का लक्ष्य रखा है। लक्ष्य के विपरीत 3313 हेक्टेयर में बुआई हो चुकी है। प्रारंभिक तौर पर तैयार होने वाली सब्जी फसल बरबट्टी, तरोई, कद्दू, में प्रगति है। टमाटर, बैगन, सेम, मूली आदि की बुआई के लिए भी मांद तैयार की जा रही है। लोकल सब्जियों के तैयार होने में समय लगेगा। इस आशय से वर्तमान में आयातित सब्जियों का दाम आसमान छू रहा है।

न्यूज गैलरी

पुलिस लाइन बीजापुर में किया गया वृक्षारोपण

बीजापुर - नवप्रदेश। जिला में चलाये जा रहे वृक्षारोपण अभियान के तहत् 17 जुलाई को प्रातः जनरल परेड के उपरान्त रक्षित केन्द्र परिसर नया लाईन में पुलिस अधीक्षक कमलोचन कश्यप के नेतृत्व में औषधि, फलदार, एवं छायादार पौधे रोपित किये गये। परेड़ में शामिल समस्त अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा पौधे रोपित किये एवं उनसे पौधे के संरक्षण एवं पालन की शपथ ली गई। कुल 450 फलदार एवं छायादार पौधे लगाये गये। वृक्षारोपण कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बीजापुर मिर्जा जियारत बेग, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय, सुधीर कुजूर, उप पुलिस अधीक्षक आशिष कुंजाम, उप पुलिस अधीक्षक, भावेश समरथ,, रक्षित निरीक्षक सतीश ध्रुर्वे, नगर निरीक्षक शशिकांत भारद्वाज एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे ।

इंटक ने अपने सदस्यो को दिया वार्षिक उपहार

बचेली। मेटल माइंस वर्कर्स यूनियन (इंटक) शाखा बचेली में सदस्यों को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी वार्षिक उपहार प्रदान किया गया। इस वर्ष उपहार स्वरूप के वीआईपी कंपनी की स्ट्रोली व वीआईपी कंपनी के 6 लेयर के तीन मास्क का सेट प्रदान किया गया। इस अवसर पर उपहार प्राप्त करने आए सदस्य बहुत ही प्रसन्न व उत्साहित थे साथ ही सभी ने सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया तथा बनाए गए घेरों में रहते हुए उपहार प्राप्त किया। सदस्यों ने मौजूदा परिस्थितियों में मास्क वितरण की सराहना करते हुए उच्च क्वालिटी की लगेज स्ट्रोली मिलने पर हर्ष व्यक्त है । साथ ही इस आकर्षक उपहार हेतु सभी ने इंटक यूनियन के पदाधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

विद्या मितान ने जिला पंचायत अध्यक्ष तूलिका कर्मा,दीपक कर्मा से नियमित करने लगाई गुहार

बचेली / दंतेवाड़ा। जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री तूलिका कर्मा एवं कांग्रेस नेता दीपक कर्मा ने राज्यपाल के सचिव महोदय द्वारा (विद्या मितान) के हितों पर लिए गए फैसले पर भरपूर समर्थन जाहिर करते हुए विद्या मितान के शिक्षकों को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। आपको बता दें कि विद्या मितान के लिए राज्यपाल महोदया द्वारा नियमित करने हेतु मुख्य सचिव महोदय को पत्र लिखकर कहा गया कि छत्तीसगढ़ राज्य के अति संवेदनशील,दुर्गम क्षेत्रों में कार्यरत छत्तीसगढ़ के मूलनिवासी विद्या मितान को शिक्षक संवर्ग में नियमित किया जाए। यह चर्चा श्रीमती किरण ठाकुर दंतेवाड़ा अध्यक्ष (अतिथि शिक्षक विद्या मितान) एवं उनके साथी कुमारी शिल्पा प्रसाद,पूर्णिमा जितेंद्र ,रमाकांत द्वारा प्रत्यक्ष मुलाकात कर अवगत कराया गया श्री दीपक कर्मा जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री तूलिका कर्मा जी के द्वारा कहा गया कि हम राज्यपाल महोदया के द्वारा जारी पत्र को लेकर विद्या मितान शिक्षकों के नियमितीकरण के लिए राज्य सरकार को पत्र प्रेषित करेंगे और यह भी कहा कि आप लोगों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। आश्वासन मिलने के पश्चात विद्या मितान के शिक्षकों में हर्ष का माहौल व्याप्त है।

बचेली की कु.प्रिया पांडे ने रचा कीर्तिमान रायपुर सीबीएसई 10 वीं बोर्ड में रही अव्वल

बचेली। सीबीएसई 10 वीं बोर्ड की परीक्षा में केन्द्रीय विद्यालय बचेली की छात्रा कु प्रिया पाण्डे ने पूरे रायपुर क्षेत्र में लौहनगरी का

डंका बजवा दिया। कुमारी प्रिया ने 67 विद्यार्थियों से आगे निकलकर 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर ये कारनामा किया है। आपको बता दे कि प्रिया के पिता डॉ अरविंद पाण्डे अपोलो अस्पताल में संयुक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। प्रिया की इस कामयाबी पर एनएमडीसी अधिकारी संघ एवं केन्द्रीय विद्यालय के प्राचार्य एम रेडेपप्पा ने उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी है। ज्ञात हो कि कल सुबह 11:30 बजे से 12:30 बजे के बीच माननीय आयुक्त केन्द्रीय विद्यालय नई दिल्ली कक्षा शिक्षक, माता-पिता और प्रिया के साथ बातचीत करेगें। इस कामयाबी को देखते हुए कुमारी प्रिया पांडे के परिजनों के यहां बधाइयों का तांता लगा हुआ है।

आत्मा योजनान्तर्गत उन्नत कृषक पुरस्कार हेतु 31 अगस्त तक आवेदन पत्र आमंत्रित

बीजापुर - नवप्रदेश। एक्सटेंशन रिफार्म (आत्मा) योजनान्तर्गत वर्ष 2020-21 के लिए उन्नत कृषक पुरस्कार प्रदान करने हेतु प्रगतिशील कृषकों से 31 अगस्त 2020 तक आवेदन पत्र प्रोजेक्ट डायरेक्ट (आत्मा) एवं उप संचालक कृषि जिला बीजापुर के पते पर आमंत्रित किया गया है। उक्त पुरस्कार राज्य, जिला एवं विकास खंड स्तर पर प्रदान किये जायेंगे। यह पुरस्कार कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मत्स्यपालन क्षेत्र में प्रदान किये जायेंगे तथा चयनित कृषकों को पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जायेगा। क्षेत्रवार निर्धारित पुरस्कार के तहत् कृषि में धान एवं दलहन-तिलहन हेतु दो-दो, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मस्त्यपालन क्षेत्र में दो-दो कृषकों को राज्य तथा जिला स्तर पर पुरस्कृत किया जायेगा। जिसके तहत् राज्य स्तर पर कुल 10 तथा हरेक जिला स्तर पर 10 कृषकों को पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। वहीं विकास खंड स्तर पर कृषि में धान तथा दलहन-तिलहन, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मत्स्यपालन प्रत्येक सेक्टर में एक-एक किसानों को पुरस्कृत किया जायेगा।

जनप्रतिनिधियों ने की फर्जी हस्ताक्षर करने वालों पर सक्त कार्यवाही करने की मांग

■ सरपंचों को पता ही नही और जाली हस्ताक्षर से दूसरे ने कर दिया झूठी शिकायत

नवप्रदेश संवाददाता

कोण्डागांव। जनपद पंचायत कोण्डागांव के अंतर्गत कुछ पंचायत प्रतिनिधियों ने अपने ही पंचायतो का काम देखने वाले आरईएस के एसडीओ व सबइंजीनियर पर मूल्यांकन कम करने के साथ ही अवैध वसूली का आरोप लगाया है। हांलांकि आरोप लगने के बाद जांच की कार्यवाही जारी है। इसी बीच कुछ सरपंचों ने यह भी लिखकर दिया है कि, शिकायत पत्र में जो हस्ताक्षर है वह उनके नहीं है। बल्कि उनकी जगह किसी और ने हस्ताक्षर किया है। वही इस शिकायत पत्र में ऐसे पंचायत के नवनियुक्त जनप्रतिनिधि भी शामिल है जिन पंचायतों में अभी तक कोई काम ही स्वीकृत नहीं हुआ है और न ही वहॉ का कोई मूल्यांकन कार्य शेष है। जिला पंचायत अध्यक्ष देवचंद मतलाम ने बताया कि, मुझे कुछ पंचायत सरपंचों ने ओवदन दिया है कि, उनके गांव व नाम का दुरूपयोग किया है। वही शिकायत पत्र में जो सील लगाया गया है वह भी उनके पंचायत का नहीं है। अब इन जनप्रतिनिधियों ने फर्जी हस्ताक्षर करने वालों पर जॉच करते हुए सक्त कार्यवाही करने की मांग की है।

अपने शील व हस्ताक्षहर के जालसाजी कर दुरुपयोग करने का आरोप लगाते शिकायत करने के बाद अब देखने वाली बात है कि फर्जी हस्ताक्षर कर झूठी शिकायत करने वाले पर शासन प्रशासन किस प्रकार की कार्यवाही करती है।

नजूल पट्टाधारियों को भूमि स्वामी हक में परिवर्तन करने हेतु देनी होगी बाजार मूल्य की 2 प्रतिशत राशि

बीजापुर। नगरीय क्षेत्रों में प्रदाय किये गये नजूल पट्टाधारियों को भूमि स्वामी हक प्रदान करने के संबंध में राज्य शासन द्वारा जारी गाईडलाईन के अनुसार रियायती दर पर प्रदाय किये गये पट्टेदार को भूमि स्वामी हक प्राप्त करने हेतु बाजार मूल्य वर्ष 2019-2020 के हिसाब से 102 प्रतिशत की राशि तथा गैर रियायती दर पर प्रदाय किये गये पट्टेदार को भूमि स्वामी हक प्राप्त करने हेतु बाजार मूल्य वर्ष 2019-2020 के हिसाब से 2 प्रतिशत की राशि जमा करनी होगी।

बिना मास्क पहने घूमने और सार्वजनिक स्थानों पर थूकने पर 89084 रू. जुर्माना वसूला

बैकुंठपुर। कलेक्टर एस एन राठौर के निर्देश अनुसार जिले में सार्वजनिक स्थानों पर बिना मास्क पहने घूमने और थूकने वालों पर लगातार जनपद पंचायतों एवं नगरीय निकायों में मुख्य नगर पालिका अधिकारियों एवं राजस्व की टीम द्वारा कोविड-19 के संक्रमण से बचाव हेतु बिना मास्क पहने घूमने और सार्वजनिक स्थानों पर थूकने वालों पर जुर्माना लगाकर ऐसा नहीं करने की समझाईश दी जा रही है। इसके साथ ही जागरूकता के लिए उन्हें मास्क का भी वितरण किया जा रहा है।

इसी कडी में आज तक कुल 3729 लोगों को बिना मास्क पहने घूमने और 115 लोगों को सार्वजनिक स्थानों पर थूकने पर 89084 रू. जुर्माना लेकर समझाईश देते हुए छोड़ा गया है। जिसमें जनपद पंचायत सोनहत, मनेन्द्रगढ़ एवं बैकुण्ठपुर में बिना मास्क पहने घूमने पर 2719 लोगों से 14204 रू. तथा समस्त नगरीय निकायों में बिना मास्क पहने घूमने पर 1010 लोगों से 70990 रू. जुर्माने के रूप में लिया गया है। इसी तरह नगर पालिका परिशद बैकुण्ठपुर एवं मनेन्द्रगढ़, नगर पंचायत खोंगापानी एवं नई लेदरी तथा नगर पालिक निगम चिरमिरी में सार्वजनिक स्थानों पर थूकने पर 115 लोगों से 3890 रू. जुर्माने के रूप में लिया गया है।

बोधघाट थाना की छापामार कार्यवाही में महुआ शराब जप्त,1 गिरफ्तार

जगदलपुर । बोधघाट पुलिस थाना क्षेत्र में अवैध शराब पर की जा रही कार्यवाहियों ने शराब कोचियों की कमर तोड़ दी है लगातार कार्यवाही से अब बोधघाट क्षेत्र में शराब तस्करों के पैर उखड़ने लगे हैं । बोधघाट टीआई राजेश मरई अपने क्षेत्र से मादक पदार्थ की तस्करी के कार्य का समूल समाप्त करने पर आमादा है जगदलपुर शहर के प्रत्येक वार्ड में बिट प्रभारी नियुक्त कर वार्ड की निगरानी रखने जिम्मेदारी दी गई है । अवैध शराब , जुआ सट्टा के तहत चलाये जा रहे अभियान के दौरान अम्बेडकर वार्ड नयामुण्डा जगदलपुर में लगातार अवैध शराब के संबंध में सूचना प्राप्त हो रही थी । थाना प्रभारी बोधघाट राजेश मरई ने बताया की बीट प्रभारी के माध्यम से लगातार अवैध शराब की सूचना मिल रही थी जिसके बाद संदेही घर के सामने पर रेड कार्यवाही की गई जहाँ कुल 10 लीटर हाथ भट्ठी का बना देशी महुआ शराब बरामद की गई मौके पर आरोपी चमरा बिधानी पिता संतोराम बिधानी उम्र 50 वर्ष लगभग अंबेडकर वार्ड नयामुण्डा जगदलपुर के विरूद्ध आबकारी एक्ट की धारा 34 (2) के तहत कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार कर आज न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

लक्ष्यवेध कार्यक्रम के जरीए शिक्षकों का प्रोत्साहन

दन्तेवाड़ा। जिले में चल रहे ऑनालाईन लक्ष्यवेध प्रशिक्षण कार्यक्रम के जरीए शिक्षकों को प्रोत्साहित किए जाने का प्रयास निरंतर जारी है। जिले में लक्ष्यवेध कार्यक्रम के चौथे चरण की शुरूआत 16 जुलाई से की गई है। इस हेतु जिले के समस्त विद्यालय से 100 शिक्षकों का लक्ष्य रखा गया है। ऑनलाईन प्रशिक्षण गूगल मीट एप के माध्यम से किया जाता है जिसमें सभी शिक्षकों को जोड़कर उसमें बच्चों को सरलतम रूप से कठिनतम सवालों को हल करने हेतु नए प्रयासों पर चर्चा की जाती है। इस दौरान शिक्षकों को असाइनमेंट दिया जाता है। जिसे शिक्षकों को हल करना होता है। ऑनलाईन प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को प्रोत्साहन के अतिरिक्त सभी शिक्षकों को बच्चों से जुडे रहने के निर्देश दिए गए हैं। परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा दन्तेवाड़ा से मिली जानकारी के अनुसार प्रशिक्षण के दौरान बच्चों की पढ़ाई की निरंतरता बनाए रखे जाने हेतु निर्देश दिए गए हैं। इस मीटिंग में जांजगीर-चांपा के कुमारी छायाचन्द्रा, खुशबु व सुनीता भी शामिल हुये। इस मौके पर जिली शिक्षा अधिकारी श्री राजेश कर्मा, सहायक परियोजना समन्वयक श्री डलेश आर्य, राज्य स्तर से श्री सुनील मिश्रा सहित मास्टर ट्रेनर तथा जिले के अन्य शिक्षक मौजूद थे।

किसानों को कृषि उपकरण प्रदाय किए गए

दन्तेवाड़ा। कलेक्टर श्री दीपक सोनी के निर्देशानुसार जिले में कृषि यंत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष खदान प्रभावित ग्रामों के कृषक हितग्राहियों को डीएमएफमद अंतर्गत निःशुल्क कृषि उपकरण प्रदाय किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज दूरस्थ क्षेत्र चिकपाल के 10 किसानों को जिला पंचायत सदस्य सुश्री सुलोचना कर्मा की उपस्थिति में कृषि यंत्र वितरित किए गए। जिले के विकासखण्ड कटेकल्याण के चिकपाल निवाासी श्रीमती सुकड़ी को स्प्रिंकलर सेट, श्री राजू विनोईग फेन एक नग, श्री ममता, श्री मुक्का, श्री जितेन्द्र को पम्प सेट वितरित किया गया। उल्लेखनीय है कि जिले के चयनित 201 ग्रामों के अंतर्गत लाभांवतों को जिला खनिज न्यास निधी अन्तर्गत स्वीकृत राशि से ऐसे उपकरण प्रदाय किए जा रहे हैं। इसी तरह एनएमडीसी परिक्षेत्र विकास निधी अन्तर्गत विकासखण्ड दन्तेवाड़ा के अधीन चयनित ग्राम पाढ़ापुर, पीनाबचेली, बेनपाल, नेरली, बेहनार, बड़ेकमेली, छोटेकमेली, भांसी, पोरोकमेली, धुरली, गमावाड़ा, दुगेली, बचेली एवं विकासखण्ड गीदम के अधीन ग्राम मासोड़ी के चयनित कृषकों को वर्ष 2019-20 में स्वीकृत कार्य पावर टिलर 10 नग, स्प्रिंकलर सेट 43 नग, उड़ावनी (विद्युत पंखा) 141 नग, कुल 194 नग। जिसकी कुल राशि 51 लाख 35 हजार 687 रू., कृषक अंश राशि 5 लाख 13 हजार 530 रू., एनएमडीसी मद से देय अनुदान राशि 46 लाख 22 हजार 157 रू. प्रदाय किया गया।

वन विभाग कर रहा लोगों को पौधरोपण के लिए प्रोत्साहित , जिससे हरा भरा रहे कोरिया

बैकुंठपुर। प्रदेश की हरियाली को कायम रखने एवं पर्यावरण के संरक्षण के उद्देश्य से वन विभाग द्वारा प्रदेशव्यापी अभियान चलाकर लोगों को पौधरोपण हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रत्येक वर्ष की भांति वन विभाग द्वारा विगत 11 जुलाई को वन विहीन क्षेत्रों में एक खास किस्म की तकनीक सीडवाल तकनीक से फलदार बीज रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यही नहीं इस दौरान वन विभाग द्वारा ग्रामीणों की आर्थिक उन्नति के लिए उन्हें सब्जी बीज किट एवं फलदार पौधों का वितरण भी किया गया। इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय लोगों ने वन विभाग के साथ बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कोरिया जिले की जानकारी देते हुए वनमंडलाधिकारी बैकुण्ठपुर व मनेन्द्रगढ़ विवेकानंद झा ने बताया कि छत्तीसगढ़ सहित कोरिया जिले में पौधरोपण का कार्य किया जा रहा । पौधों के साथ-साथ सीड बाल की रोपाई भी की गई हैं ग्रामीणों की आर्थिक उन्नति के लिए उन्हें फलदार पौधे का वितरण किया गया। साथ ही खेती-किसानी के लिए प्रेरित करने के लिए सब्जी बीज का भी वितरण किया गया, ताकि वे स्वयं ताजे सब्जियों का उपयोग करें और अत्यधिक मात्रा में सब्जी होने से स्थानीय हाट बाजारों में बेचकर आर्थिक लाभ भी अर्जित कर सकते हैं। कोरिया वनमंडल बैकुंठपुर व मनेन्द्रगढ़ को राज्य शासन द्वारा प्राप्त लक्ष्य के विरूध्द शत प्रतिशत फलदार, सब्जी बीज एवं सीड बॉल का बुआई एवं छिड़काव पूर्ण कर लिया गया है। जिसमें 1500 किलोग्राम फलदार बीज, 200 किलोग्राम सब्जी बीज एवं 100000 नग सीड बॉल शामिल है। मनेन्द्रगढ परिक्षेत्र में 250 किलोग्राम फलदार बीज, 33 किलोग्राम सब्जी बीज एवं 16666 नग सीड बॉल, बिहारपुर परिक्षेत्र में 250 किलोग्राम फलदार बीज, 33 किलोग्राम सब्जी बीज एवं 16668 नग सीड बॉल, केल्हारी परिक्षेत्र में 250 किलोग्राम फलदार बीज, 33 किलोग्राम सब्जी बीज एवं 16666 नग सीड बॉल, बहरासी परिक्षेत्र में 250 किलोग्राम फलदार बीज, 33 किलोग्राम सब्जी बीज एवं 16666 नग सीड बॉल, जनकपुर परिक्षेत्र में 250 किलोग्राम फलदार बीज, 34 किलोग्राम सब्जी बीज एवं 16666 नग सीड बॉल तथा कुंवारपुर परिक्षेत्र में 250 किलोग्राम फलदार बीज, 34 किलोग्राम सब्जी बीज एवं 16668 नग सीड बॉल का बुआई एवं छिड़काव पूर्ण कर लिया गया है।

महिला से छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न करने के अपराध में वन विभाग रेंजर पर दर्ज हुआ मामला

■ आरोपी की अबतक नही हुई गिरफ्तारी।

बचेली। जिला कांकेर के वन विभाग में पदस्त रेंजर डी. के. कलिहारी द्वारा वनपाल महिला कर्मचारी के साथ छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न करने के सम्बंध में अजाक पुलिस थाना में दिनांक 11/07/2020 को धारा 354 और स्त्र/स्ट एक्ट के तहत कार्यवाही कर अपराध पंजीबद्ध किया गया। विदित हो कि महिला वनपाल को बिना किसी कारण बताओ नोटिस के जिला वन अधिकारी द्वारा रेंजर की झूठी शिकायत, और अपनी बात न मानने के कारण महिला वनपाल को सस्पेंड कर दिया गया था। क्योंकि महिला वनपाल द्वारा रेंजर ड़ी. के. कलिहारी द्वारा किये जा रहे यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ को बर्दाश्त नही किया जा रहा था। जिसके बाद महिला वनपाल द्वारा अपने हक अधिकार के लिए दिनांक 08/06/2020 को अजाक पुलिस थाना कांकेर में वन विभाग कांकेर के रेंजर डी. के. कलिहारी के नाम से छेड़छाड़ और यौन उत्पीड़न के सम्बंध में शिकायत दर्ज की गई थी। तथा हेल्पिंग ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन से मदद की अपील की गई थी। जिसके बाद हेल्पिंग ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन द्वारा केस में मदद करते हुए मुख्य वन संरक्षक से बात की गई, वन विभाग द्वारा एक जांच कमेटी बनाई गई थी। हेल्पिंग ह्यूमन राइट्स फाउंडेशन द्वारा पुलिस अधीक्षक कांकेर और बस्तर रेंज आई.जी. सुंदरराज पी.से बाद कि गयी थी। जिसके बाद अजाक थाना द्वारा अपने स्तर पर जांच की गई, वन विभाग के समस्त कर्मचारियों से पूछताछ और गवाहों के बयान के बाद रेंजर डी. के. कलिहारी पर दिनांक 11/07/2020 को धारा 354 और ST/SC एक्ट अपराध पंजीबद्ध कर लिया गया है।परन्तु देखने मे आया है कि अजाक थाना द्वारा अभी रेंजर डी. के. कलिहारी की गिरफ्तारी नही की गई है। अजाक थाना प्रभारी रविन्द्र मंडावी का कहना है कि कागजी कार्यवाही पूर्ण होने के बाद जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।

डीएसपी स्तर के अधिकारी द्वारा चालान काटने की बात की अनसुनी कर आरक्षक पूरी कर रहा है चालानी कार्रवाई

ग्रहमंत्री के दिए निर्देशों की यातायात विभाग कर रहा अवहेलना

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में सड़कों पर पुलिस द्वारा अवैध वसूली की शिकायतों पर राज्य सरकार ने तत्काल संज्ञान लिया था. सरकार ने वाहन चेकिंग और चालान काटने के नियमों में बदलाव किया था. सरकार के लिए निर्णय के अनुसार सड़क पर केवल डीएसपी स्तर के अधिकारी ही वाहनों की चेकिंग कर चालान काटेंगे. इसके साथ ही सड़क पर पैसों का लेनदेन भी अब नहीं होगा.

छत्तीसगढ़ राज्य के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने चर्चा में बताया था कि सड़कों पर वाहन चेकिंग और चालान के सिस्टम में परिवर्तन करने का निर्णय लिया गया है. अब सड़कों पर केवल डीएसपी लेवल के अधिकारी ही वाहनों की जांच करेंगे. साथ ही मंत्री साहू ने यह भी कहा था कि सड़कों पर अब किसी तरह से भी रुपयों का लेनदेन नहीं होगा. चेकिंग के दौरान सिर्फ चालान दिया जाएगा, जिसे एसपी ऑफिस या थानों में जमा करने की व्यवस्था बनाई जा रही है.

लेकिन अब बस्तर में गृहमंत्री के आदेशो के उलट देखने को मिल रहा है मामला जगदलपुर मुख्यालय का है जहाँ यातायात विभाग की टीम अपने दलबल के साथ गीदम रोड के बीआर कोल्डस्टोर के सामने पहुँची जहाँ चलानी कार्यवाही चल रही थी जिसे देखने नवप्रदेश के संवाददाता मुकेश सोलंकी भी मौके पर पहुँच गए

और जब हमारे संवादाता ने चलानी कार्यवाही करते देखी जो देखा वो काफी सन्न करने वाला था क्योंकि वहां चालान काटने की कार्यवाही एक आरक्षक कर रहा था यह शायद छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू के आदेश की अवहेलना करने जैसा था इसी प्रकार की कार्रवाई लगातार बस्तर में देखने को मिल रही है जिसकी जानकारी शायद जिले के कप्तान तक नहीं पहुंच पा रही है और इनकी होने वाली मॉनिटरिंग भी संदेह के घेरे में दिख रही है

यहाँ सोचने वाली बात यह है कि यातायात विभाग में प्रभारी के अलावा छ्स्क स्तर के अधिकारी मौजूद रहने के बावजूद चालान काटने का अधिकार एक अदने से आरक्षक को कैसे सौप दिया गया है यातायात विभाग को गृह विभाग द्वारा स्पष्ट उल्लेखित किया गया है कि डीएसपी स्तर के अधिकारी ही चालान काटने की प्रक्रिया को पूरी करेंगे एवं नगद राशि किसी भी स्थान पर नहीं ली जावेगी तो बस्तर जिले में यातायात के प्रभारी एवं डीएसपी इस आदेश की अवहेलना आखिरकार वे किस आधार पर कर रहे हैं।

कांकेर में बदलापुर की राजनीति की गूंज पहुंची गवर्नर के पास

- गवर्नर से मिलकर नेता प्रतिपक्ष काँकेर सांसद ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर प्रताड़ना की शिकायत
- चारामा मंडल अध्यक्ष पर झूठे प्रकरण दर्ज कर जिलाबदर की कार्यवाही अनुचित
- पखांजुर नगर पंचायत अध्यक्ष के घर भी चलाया गया बुलडोजर

नवप्रदेश संवाददाता

कांकेर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने शुक्रवार को लोकसभा सांसद मोहन मण्डावी व जिले के भाजपा प्रतिनिधिमंडल के साथ प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती अनुसूइया उईके से राजभवन में मुलाक़ात की और उन्हें प्रदेश भर में भाजपा कार्यकर्ताओं को राजनीतिक प्रतिशोधवश दी जा रही प्रताड़ना से अवगत कराया।

नेता प्रतिपक्ष श्री कौशिक ने मुलाक़ात के दौरान राज्यपाल श्रीमती उईके के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ की जा रही दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई के संबध में चर्चा की और पूरे मामले की उचित जांच की मांग की है। श्री कौशिक ने पखांजूर में भाजपा कार्यकर्ता के घर में हुई तोड़फोड़ के साथ ही प्रदेश में कार्यकर्ताओं पर हो रही एकतरफा प्रशासनिक कार्रवाइयों को लेकर भी चर्चा की तथा इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करने की अपील की है।

नेता प्रतिपक्ष श्री कौशिक ने कहा कि पूरे प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ दुर्भावनापूर्ण व बदले की कार्रवाई की जा रही है। भाजपा इस तरह की कार्रवाइयों का विरोध करती है। श्री कौशिक ने कहा कि भाजपा के प्रत्येक

कार्यकर्ता के साथ पार्टी संगठन और हम सब खड़े हैं। हर परिस्थितियों में हमें जनहित में सक्रिय रहना होगा। निश्चित ही हमारी जीत होगी। प्रशासन किसी भी तरह से गलत कार्रवाई में सहभागी न बने।

राज्यपाल अनुसुईया उइके को सौंपे ज्ञापन में बताया गया छग मे कांग्रेस की सरकार बनने के बाद कांग्रेस द्वारा विगत 18 माह से पूरे प्रदेश सहित कांकेर जिले में असंवैधानिक कृत्य किया जा रहा है । पूरे प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार से त्रस्त हो चुकी है । कांग्रेस नेताओं द्वारा सत्ता का दुरूपयोग करते हुए शासन प्रशासन के माध्यम से अनुचित तौर तरीके अपनाते हुए भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित किया जा रहा है ।

ज्ञापन में कुछ उदाहरण देते हुए बताया गया कि चारामा मण्डल अध्यक्ष प्रकाश जोतवानी पर झुठा मुकदमा दर्ज कर जिला बदर की कार्यवाही करने की कोशिश की गई । भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री अशोक वलेचा पर शासकीय कार्य में बाधा पहूंचाने का झुठा मुकदमा दर्ज किया गया ।

पखांजूर के पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष असीम राय के पक्के मकान को भरे बारीश के मौसम में मात्र 24 घंटे के नोटिस पर कांग्रेस नेताओं के दबाव में पखांजूर तहसीलदार द्वारा बुलडोजर से तोड़ दिया गया जबकि असीम राय द्वारा प्रशासन को मकान के पटटा बनाने हेतु आवेदन दिया गया है । इस प्रकार से भाजपा कार्यकर्ताओं को कांग्रेस नेताओं द्वारा प्रशासन के माध्यम से मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है ।

नदी व तालाब किनारे किसी भी प्रकार के काम्पलेक्स या स्थायी निर्माण न करने संबंधी उच्च न्यायालय के आदेश को धता बताते हुए जिला व नगर पालिका प्रशासन द्वारा छोटे-मोटे दुकानों के माध्यम से वर्षो से अपनी आजीविका चला रहे शहर के पुराने बस स्टेण्ड के व्यवसाईयों के दुकानों को तोड़ कर काम्पलेक्स बनाने की तैयारी की जा चुकी है ।

अंतागढ़ में चंदाबाई दर्जी के द्वारा 7 एकड़ वनभूमि पर कब्जा कर फर्जी तरीके से पटटा बनवा लिया गया था जिसे शिकायत पश्चात प्रशासन ने पटटा तो निरस्त कर दिया परंतु कब्जा हटाने हेतु कोई कार्यवाही प्रशासन द्वारा नही की जा रही है वही भाजपा कार्यकर्ताओं को प्रशासन द्वारा कांग्रेस नेताओं के दबाव में दुर्भावनापूर्वक प्रताड़ित किया जा रहा है ।

ज्ञापन में आगे शिकायत किया गया है कि पूरे प्रदेश में कांग्रेस नेताओं के दबाव के आगे प्रशासन आत्मसमर्पण कर चुका है व उनके दिशा निर्देशों पर शासकीय भवनों को भी मनमर्जी से बिना किसी शासकीय प्रक्रिया या बिना किसी समिति के अनुमोदन के तोड़ दिया जा रहा है । पूरे प्रदेश में तानाशाही की सरकार चल रही है जिससे भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ-साथ आम लोगों में भय व्याप्त हो गया है।

ज्ञापन के अंत में राज्यपाल अनुसुईया उइके से प्रार्थना करते हुए कांकेर जिले के अवैध रेत खनन बंद करने, भूमाफिओं पर लगाम लगाने व प्रशासनिक आतंकवाद के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित करने व उनके मकान तथा दुकानों को बारिश के समय तोड़ने की कार्यवाही को बंद करने, झुठे मुकदमें दर्ज कर कार्यवाही को बंद करने व बिना शासकीय प्रक्रिया के सरकारी भवनों के तोड़ फोड पर लगाम लगाने की मांग की गई है ताकि प्रदेश व जिले में अमन चैन व शांति बनी रहे ।राज्यपाल से मिलने के लिए भाजपा जिलाध्यक्ष के साथ पूर्व विधायक सुमित्रा मारकोले, रवि तिवारी, सालिक राम साहू, राजकुमार फब्यानी, अशोक वलेचा, असीम राय, प्रीतपाल सिंह, मोनिका साहा, राजा देवनानी , दीपांकर राय सहित पार्टी के कांकेर जिला से आये कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद थे।

सीआईएसएफ इकाई बीआईओएम के तत्वाधान में ग्रामीणों को फलदार पौधे वितरित

किरंदुल । केंद्रीय औधोगिक सुरक्षा बल इकाई बीआईओएम किरंदुल के ओसीबी कैंप में वृहद् वृक्षा रोपण कार्यक्रम के तहत किरंदुल के आसपास की ग्रामीणों को फलदार पौधे वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय औधोगिक सुरक्षा बल के कमांडेंट अरविन्द कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट ऋषभ देवांगन , सहायक कमांडेंट एल गणेसन , निरीक्षक रोशन कुमार वर्मा, निरीक्षक प्रशांत लौटे , निरीक्षक पराग कुमार जैन एवं सीआईएसएफ के जवानों की अगुवाई में संपन्न किया गया।

बच्चे ऑफ़लाईन क्लास में खूब मन लगाकर पढाई कर रहे हैं - राजेश कर्मा

किरंदुल । इन दिनों कोविड 19 की महामारी को ध्यान में रखते हुये शासन और जिला प्रशासन की दिशा निर्देश में शिक्षकों के द्वारा इन दिनों ग्राम पंचायतों और नगर के मोहल्लों में सोशल व फिजिकल डिस्टेंसिंग और साथ में शिक्षक स्वयं मास्क पहनकर बच्चो को भी मास्क पहनाकर उनकी पढाई इस महामारी में व्यर्थ न जाये इस संकल्प को पूरा करते हुये ऑफलाइन पढाई करवाई जा रही है । जिला शिक्षा अधिकारी दंतेवाड़ा राजेश कर्मा और उनकी टीम निरीक्षण के दौरान कोड़ेनार में शिक्षिका लक्ष्मी राव, कविता वर्मा और किरंदुल के चटाई पारा क्षेत्र में शिक्षिका मगरीता टोप्पो तथा नगर के पटवारी पारा में शिक्षक शंकर चौधरी,खेमलता ठाकुर,लक्ष्मी कुंजाम द्वारा बच्चों को ऑफलाइन पढ़ाया जा रहा है।

हरेली पर्व पर कांकेर जिले के 197 गौठानों में होगी गोधन न्याय योजना की शुरूवात

कांकेर। हरेली तिहार के दिन 20 जुलाई को जिले के 197 गौठानो में ''गोधन न्याय योजना'' प्रारम्भ किया जायेगा। जिसके तहत् गौठान में गोबर क्रय करते हुए संग्रहित गोबर से वर्मी कम्पोस्ट एवं अन्य उत्पाद तैयार किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन की महत्वाकांक्षी सुराजी गांव योजना के अंतर्गत कांकेर जिले में प्रथम एंव द्वितीय चरण में कुल 197 गौठान का निर्माण किया गया है। जिले के कलेक्टर के.एल.चौहान ने सभी जनपद सीईओ को 20 जुलाई हरेली त्यौहार के दिन गौठानो में ''गोधन न्याय योजना'' शुरू करने के निर्देश दिये हैं। इसके लिए सभी गौठानो में गोबर क्रय करने हेतु वेंविंग मशीन, पशुपालको के लिए पशुपालक पंजी और गोबर क्रय पंजी का संधारण करने निर्देशित किया गया है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे ने बताया कि 20 जुलाई को जिले के 197 गौठानो में गोबर क्रय किया जायेगा, जिसका भुगतान पशुपालको को प्रत्येक 15 दिवस के भीतर किया जायेगा। किसानो व चरवाहे से 02 रूपये प्रति किलो से गोबर की खरीदी होगी, इसे 08 रूपये में स्व-सहायता समूह की महिलाओ के द्वारा वर्मी कम्पोस्ट खाद बनाकर बेचा जायेगा। वर्मी कम्पोस्ट बनाने के लिये गौठानो में प्रति वर्मी टांका 20 हजार के मान से 05-05 वर्मी टांका बनाया जायेगा ताकि खरीदे गये गोबर को उसमें डालकर वर्मी कम्पोस्ट खाद बनाया जा सके। गौठानो में उत्पादित वर्मी कम्पोस्ट खाद की गुणवत्ता का परीक्षण एवं पैकेजिंग इत्यादि निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप कृषि विभाग के देख-रेख में स्व-सहायता समूह की महिलायें करेगी। गोधन न्याय योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं निगरानी करने हेतु जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति गठित की गई है, उक्त समिति में जिला पंचायत सीईओ, वनमण्डलाधिकारी, उपसंचालक कृषि, उप पंजीयक सहकारिता आदि सदस्य होगे।

जिला पंचायत के सीईओं डॉ. कन्नौजे ने सभी जनपद सीईओ को निर्देशित किया कि गोबर की गुणवत्ता हाथ से उठाये जाने लायक अर्द्धठोस प्रकृति की होगी, गोबर में कांच, मिट्टी, प्लास्टिक इत्यादि नहीं होना चाहिए। खरीदे गये गोबर को गौठान के सीपीटी में 15-20 दिन रखने के बाद वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने उपयोग में लाया जा सकेगा। सीईओ डॉ संजय कन्नौजे ने बताया कि कलेक्टर कांकेर श्री के.एल. चौहान के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में गौठानो में कृषि विभाग व कृषि अनुसन्धान केन्द्र के माध्यम से ग्राम गौठान समिति व स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को वर्मी कम्पोस्ट खाद बनाने के लिए प्रशिक्षण दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि हरेली तिहार के दिन 20 जुलाई को 197 गौठानो में ''गोधन न्याय योजना'' की शुरूवात की जा रही है, आने वाले समय में जिले के सभी 454 ग्राम पंचायत में इसका विस्तार किया जायेगा। डॉ. कन्नौजे ने कहा कि गोधन न्याय योजना के तहत् गोबर खरीदने से पशुपालको की आय में वृद्धि होगी।

जनकपुर वार्ड के प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षक-शिक्षिकाओ की वर्चुअल क्लास एवं प्रशिक्षण संपन्न

काँकेर। कोरोना संक्रमण वायरस के चलते स्कूली बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह से बाधित चल रही ही।लेकिन शिक्षक शिक्षिकाओ द्वारा किसी भी तरह बच्चों तक शिक्षा मिले इसको लेकर कांकेर पूर्व माध्यमिक विद्यालय अन्नपूर्णा पारा जनकपुर संकुल केंद्र के सभी प्राथमिक एवम माध्यमिक विद्यालयों का वर्चुअल क्लास सह प्रशिक्षण का आयोजन सुबह 10,30 से 1,30 तक रखा गया जिसमें संकुल समन्वयक राघवेंद्र कंचन कमलेश्वर साहू ने वेबेक्स एप्प के बारे में जानकारी दी और सभी के मोबाइल में एप्प डाउन लोड कर ऑपरेट करने का तरीका बताया तथा सभी बच्चों के पालको से संपर्क कर उनके मोबाइल में भी वेबेक्स एप्प डाऊनलोड करने कहा इस प्रशिक्षण में मा, शा, एम,जी,वार्ड से प्रधान अध्यापक मोहन सेनापति मिनी

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
किराये पर फोटोकॉपी सेवा हेतु निविदा
ई-निविदा सूचना संख्या: सी. डी.एम.एम./बीएसपी/ओपेन-45, दिनांक: 15.07.2020.
कार्य: खुली निविदा के आधार पर तीन साल की अवधि के लिए, बिलासपुर डिवीजन में डीआरएम ऑफिस काम्पलेक्स, कंट्रोल ऑफिस काम्पलेक्स और तितली चौक में वरिष्ठ मण्डल अभियंता/समन्वय/बिलासपुर के कार्यालय में (तीन जगह पर) तीन फोटोकॉपी मशीन द्वारा, फोटोकॉपी सेवा किराए पर लेने के लिए। निविदा मूल्य: ₹ 98,44,148/- (₹ अट्ठानबे लाख चवालिस हजार एक सौ अड़तालीस मात्र) (समस्त खर्चों एवं जीएसटी सहित)। बयाना राशि: ₹ 1,96,900/- (₹ एक लाख छियानबे हजार नौ सौ मात्र)।
निविदा जमा करने की तिथि: 07.08.2020 को 12:00 बजे तक। निविदा खुलने की तिथि: 07.08.2020 को 12:00 बजे।
उपरोक्त ई-निविदा की विस्तृत जानकारी रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त ई-निविदा के अलावा अन्य निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी।
वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक
सीपीआर/10/166 /बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

प्रथम पृष्ठ का शेष...

21 जुलाई बाद...

और मौका मिले। चौबे ने रायपुर में सर्वाधिक प्रभावित बिरगांव इलाके में 100 फीसदी टेस्टिंग कराए जाने की बात कही है।

इधर ढुलाई पर पहले ही...

जुर्माना लगाया जाएगा।

वाहनों से यात्रा करने वाले हर शख्स के लिए मास्क अनिवार्य : दोपहिया, चारपहिया वाहन के द्वारा यात्रा करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को मास्क पहनना अनिवार्य होगा। उपरोक्त हेतु डिस्पोजेबल मास्क तथा कपड़े के मास्क का प्रयोग किया जा सकता है। फेस कवर मास्क उपलब्ध ना होने की स्थिति में गमछा, रुमाल, दुपट्टा इत्यादि कभी फेस कवर के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। बशर्ते मुंह एवं नाक पूरी तरह से ढंका हो।

उद्योग-व्यापार संघों का...

एक घंटा पहले बंद करने का सुझाव दिया तो किसी ने दो घंटे पहले बंद करने का। व्यापारी संघों का जोर इस बात पर रहा कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए नियमों का कड़ाई से पालन होना चाहिए साथ ही जीवन के लिए उद्योग व्यापार भी जरूरी है। कुछ पदाधिकारियों का कहना था कि अभी जो 9 बजे तक दुकानें खुली रखी जा रही है। उससे लोग 10-10:30 बजे तक सड़कों पर घूम रहे हैं। यदि दुकानें बंद करने का समय जल्दी कर दिया जाए तो लोग ऐसे नहीं घूम पाएंगे। वहीं बरलोटा ने कहा कि इस महामारी से बचाने का उपाय नियमों का सख्ती से पालन ही है, क्योंकि अब जान भी देखना है और जहान भी।

हर जिले में...

इन अधिकारियों को जारी हुए निर्देश

छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण एवं राज्य परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज सोसायटी के उप मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा जिलों में प्रवासी श्रमिकों के लिए रोजगार कैम्पों के आयोजन और प्रक्रिया के संबंध में सभी जिलों के कौशल विकास नोडल अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

कोरोना बचाव की गाइडलाइन का होगा पूरा पालन

जारी निर्देशों में कहा गया है कि रोजगार कैम्प आयोजन के दौरान कोविड महामारी के संक्रमण के रोकथाम के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी की गई गाइडलाइन का अनिवार्यतः पालन किया जाए। जिलों के नोडल अधिकारियों को आयोजित किए जाने वाले रोजगार कैम्प के लिए स्थान का चयन और कैम्प में शामिल होने वाले प्रवासी श्रमिकों की संख्या का निर्धारण करने के निर्देश दिए गए हैं। कैम्प के दौरान सभी लोगों द्वारा फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन सुनिश्चित कराने और एक समय में कैम्प में अधिकतम 20 व्यक्तियों की उपस्थिति रखने के निर्देश दिए गए हैं।

सैनिटाइजर, स्कैनर, मास्क आदि होंगे उपलब्ध

रोजगार कैम्प स्थल पर कोविड महामारी संक्रमण की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक वस्तुओं जैसे मास्क, सैनिटाइजर, थर्मल स्कैनर आदि की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए गए हैं। जिला स्तर पर प्रवासी मजदूरों की जानकारी नियोक्ताओं को सीधे उपलब्ध कराने को कहा गया है। जिससे नियोक्ता प्रवासी श्रमिकों से सीधे सम्पर्क स्थापित कर सकें।

ये व्यवस्था भी की जा सकती है

नियोक्ताओं को दूरभाष या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, वेबीनार जैसे माध्यमों के द्वारा भी प्रवासी श्रमिकों से सम्पर्क करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। निर्देशों में यह भी कहा गया है कि यदि कोई प्रवासी श्रमिक स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर हेतु चिन्हांकित नियोक्ताओं एवं रोजगार की प्रकृति जानने का इच्छुक हो तो उसे नियोक्ताओं की जानकारी उपलब्ध करायी जाए।

अभी एकत्रिक की जा रही...

किए जाएंगे। इससे श्रमिकों के कौशल के अनुसार उन्हें रोजगार उपलब्ध कराया जा सकेगा।

शोपियां में मुठभेड़...

विशेष अभियान समूह ने अशमिपोरा गांव में संयुक्त अभियान शुरू किया। सुरक्षा बल के जवान एक लक्षित इलाके की ओर बढ़ रहे थे , तभी वहां छुपे आतंकवादियों ने स्वाचालित हथियारों से गोलीबारी की। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने भी गोलियां चलायी। मुठभेड़ में चार आतंकवादियों मारे गये। मृतक आतंकवादियों की अभी पहचान नहीं की जा सकी है। अभी गोलीबारी बंद है , लेकिन समीप के बागों में अभियान जारी है। इस बीच सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ स्थल के पास प्रदर्शन कर रहे लोगों को खदेड़ने के लिए लाठीचार्ज किया औरआंसूगैस के गोले छोड़े। कानून एवं व्यवस्था बनाये रखने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है।

31 साल पुराने कानून...

मध्यस्थता, उत्पादों के लिए तय जिम्मेदारी और मिलावटी/खतरनाक उत्पाद बनाने और बेचने पर सख्त कार्रवाई का प्रावधान, उपभोक्ताओं को अधिक सुरक्षा और अधिकार प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण बहुत जल्द काम शुरू कर देगा। यह अनुचित व्यापारिक गतिविधियों पर रोक लगाने हेतु सामूहिक कार्रवाई और नियमों को लागू कर उपभोक्ताओं के हितों को सुरक्षा देगा। रामविलास पासवान सोमवार को प्रेस को भी संबोधित करेंगे।

उपभोक्ता मंचों की रिक्तियां भरने में आएगी तेजी

जिला, राज्य और केंद्रीय उपभोक्ता मंचों, जिसे अब 'आयोग' कहा जाएगा, में लंबित मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि वह सभी राज्यों को इन मंचों में रिक्तियों को भरने के साथ साथ अच्छा बुनियादी ढांचा और अच्छी तनख्वाह भी प्रदान करने के बारे में पत्र लिखेंगे। भ्रामक विज्ञापनों पर जेल की सजा और जुर्माने का प्रावधान है। मशहूर हस्तियों के लिए जेल का कोई प्रावधान नहीं है, लेकिन अगर वे भ्रामक विज्ञापन करते पाए जाते हैं तो उन्हें उन उत्पादों का समर्थन करने पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

130 किमी की रफ्तार...

कहा कि साल 2023 तक पूर्वोत्तर के सभी राज्यों की राजधानियां रेल नेटवर्क से जुड़ जाएंगी। यादव ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से पत्रकार वार्ता मे कहा कि 2025 तक रेलवे की यात्री व माल ढोने की क्षमता दोगुनी होगी और वह यात्री ट्रेन व माल गाड़ियों को मांग के अनुसार चला सकेगा। इसके साथ 2024 तक निजी क्षेत्र की ट्रेन भी होंगी। इससे वेटिंग लिस्ट खत्म हो सकेंगे और सफर आसान होगा।

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी (सा.) मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़ (छ.ग.)

नीलाम विज्ञापन

सामान्य सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल के काष्ठागार मनेन्द्रगढ़ में दिनांक 30.07.2020 को ईमारती काष्ठ का अधोलिखित विवरण के अनुसार प्रातः 11.00 बजे से नीलाम किया जाना प्रस्तावित है। इच्छुक व्यक्तियों से अनुरोध है कि वे नीलाम में भाग लेवें। नीलाम शर्त एवं जानकारी कार्यालय से अथवा नीलाम स्थान से प्राप्त किया जा सकता है।

क्रेताओं को सलाह दी जाती है कि बोली लगाने के पूर्व प्रत्येक लाट का भलीभांति निरीक्षण कर लेवें तथा संतुष्टि उपरांत ही बोली लगाएं। नीलाम के समय घोषित मात्रा सही व अंमित रूप से मान्य होगी।

क्र.	प्रजाति	नए काष्ठ		पुराने अविक्रित काष्ठ		योग	
		लट्ठा घ.मी.	बल्ली नग	लट्ठा घ.मी.	बल्ली नग	लट्ठा घ.मी.	बल्ली नग
1	2	3	4	5	6	7	8
1	साल	349.785	-	264.736	-	614.521	-
2	बांस	3.052	-	1.097	-	4.149	-
3	सतकठा	10.256	-	10.637	-	20.893	-
4	धावड़ा	10.231	-	8.901	-	19.132	-
6	साजा	18.230	-	59.780	-	7.801	-
7	हल्दु	3.250	-	1.868	-	07 5.118	07
8	बीजा	0	-	1.543	01	1.543 01	-
9	तिंसा	2.151	-	-	-	2.151	-
	योग :-	396.955	0	348.562	08	745.517	08

जलाऊ - 2020 चट्टा (मिश्रित नया जलाऊ चट्टा)

क्र.	गाड़ी का नाम	गाड़ी नम्बर	वाहन जहां खड़ी है	वाहन जब से खड़ी है।
1	बजाज पल्सर	(150)MP65-M-2510	काष्ठागार मनेन्द्रगढ़	05.08.2017
2	टाटा मैजिक	CG-12-T-0247	काष्ठागार मनेन्द्रगढ़	14.09.2018
3	ट्रैक्टर ट्राली सहित	CG-16-A-0277,278	परिक्षेत्र कार्यालय केल्हारी (केम्पस)	30.04.2016

टीप :-1. ईमारती काष्ठ की नीलाम पहले 10.00 बजे प्रातः में की जावेगी तत्पश्चात जलाऊ चट्टों की नीलामी की जावेगी। जिसके उपरांत गाड़ियों की नीलामी की जावेगी।
2. छत्तीसगढ़ राज्य के किसी भी वनमंडल का पंजीकृत ठेकेदार ही नीलाम में भाल ले सकेंगे।
3. समस्त क्रेता को आयकर पेन कार्ड, वाणिज्य कर का जी.एस.टी. रजिस्ट्रेशन एवं छ.ग. राज्य के किसी वनमण्डल का वर्ष 2020 के व्यापारी का रजिस्ट्रेशन की प्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
4. कृपया क्रेता ईमारती एवं जलाऊ का ई.एम.डी. राशि का अलग-अलग चेक देवें।

वनमण्डलाधिकारी
मनेन्द्रगढ़ वनमण्डल, मनेन्द्रगढ़

जी-82428/4

कार्यालय वन मण्डलाधिकारी कटघोरा वनमण्डल कटघोरा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

फोन/फैक्स नं. 07815-250157, Email : dfokatghora@gov.in

नीलाम सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कटघोरा वनमण्डल के अंतर्गत कसनिया काष्ठागार में रखी गई निम्नानुसार ईमारती काष्ठ/जलाऊ चट्टा/व्यापारिक बांस/औद्योगिक बांस का नीलाम, दिनांक 25.07.2020 को प्रातः 9.00 बजे से कसनिया काष्ठागार में अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा किया जाएगा -

विवरण

क्र.	प्रजाति	पिछला नीलाम का शेष वनोपज		नया वनोपज		योग	
		लट्ठा घ.मी.	बल्ली/डेंगरी नग	लट्ठा घ.मी.	बल्ली/डेंगरी	लट्ठा घ.मी.	बल्ली/डेंगरी नग
1	सागौन	31.992	880	0.000	0	31.992	880
2	साल	1195.435	217	104.246	0	1299.681	217
3	बीजा	57.119	166	5.000	0	62.119	166
4	तिंसा	6.868	147	2.000	0	8.868	147
5	खम्हार	0.789	0	0.000	0	0.789	0
6	हल्दू	1.324	6	0.000	0	1.324	6
7	साजा	177.222	1030	65.898	0	243.120	1030
8	धावड़ा	244.069	1410	50.207	0	294.276	1410
9	सलिहा	0.000	81	0.000	0	0.000	81
10	नीलगिरी	23.776	219	0.000	0	23.776	219
11	अन्य	168.669	496	18.566	0	187.235	496
	योग (काष्ठ):-	1907.263	4652	245.917	0	2153.180	4652
	कसनिया काष्ठागार में रखे गए जलाऊ काष्ठ						
12	सागौन जलाऊ	2	चट्टा	0	चट्टा	2	चट्टा
13	सतकठा जलाऊ	0	चट्टा	0	चट्टा	0	
14	सलिहा जलाऊ	0	चट्टा	0	चट्टा	0	चट्टा
	योग (जलाऊ) :-	2	चट्टा	0	चट्टा	2	चट्टा
	कसनिया काष्ठागार में रखे गए बांस						
15	व्यापारिक बांस	5825	नग	0	नग	5825	नग
		9.449	नो.टन	0.000	नो. टन	9.449	नो. टन
16	औद्योगिक बांस (बण्डल)	4322	बण्डल	0	बण्डल	4322	बण्डल
		36.015	नो.टन	0.000	नो.टन	36.015	नो.टन
	योग (बांस) :-	45.464	नो.टन	0.000	नो.टन	45.464	नो.टन

जांजगीर चांपा वनमण्डल के विभिन्न डिपो में रखे गए वनोपज के नीलाम हेतु प्रस्तावित मात्रा की जानकारी

क्र.	प्रजाति	पिछला नीलाम का शेष वनोपज		नया वनोपज		योग	
		लट्ठा	बल्ली/डेंगरी नग	लट्ठा घ.मी.	बल्ली/डेंगरी	लट्ठा घ.मी.	बल्ली/डेंगरी नग
1	निस्तार डिपो बलौदा	4.860	0	0.000	0	4.860	0
2	निस्तार डिपो पतोरा	3.781	0	0.000	0	3.781	0
3	केंद्रीय डिपो सक्ती (मालिक मकबुजा)	5.337	45	0.000	0	5.337	45
4	निस्तार/उपभोक्ता डिपो कुरदा	38.016	16	0.000	0	38.016	16
	योग (काष्ठ) :-	51.994	61	0.000	0	51.994	61

अनुपयोगी भण्डार सामग्री जो अपलेखित हो चुका है कि नीलाम हेतु जानकारी कोरबा वनमण्डल

क्र.	परिक्षेत्र	सामग्री संख्या नग में
1	कोरबा परिक्षेत्र (कोसाबाड़ा डिपो)	1774

अपलेखित भण्डार सामग्री भी नीलाम में प्रस्तावित है। सामग्री कोरबा वनमण्डल के कोरबा परिक्षेत्र कोसाबाड़ी डिपो में रखा गया है। सूची नीलाम दिनांक के पूर्व किसी भी दिन कार्यालयीन समय पर काष्ठागार कसनिया से प्राप्त किया जा सकता है।

अपलेखित भण्डार सामग्री का नीलाम दिनांक 25.07.2020 को किया जाना प्रस्तावित है। अधिक जानकारी के लिए वन विभाग के वेबसाईट www.cgforest.com में अवलोकन किया जा सकता है।

अतः इच्छुक व्यापारियों से अनुरोध है कि वे नीलाम में भाग लेवें। नीलाम की शर्तें व अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस में वनमण्डल कार्यालय व काष्ठागार से प्राप्त की जा सकती है। बोली लगाने के पूर्व लाटों का भलीभांति निरीक्षण कर लेवें बाद में मात्राओं आदि के ब्यौरे गलत पाए जाने पर मुआवजे या किसी अन्य राहत के लिए कोई दावा मान्य नहीं होगा।

टीप :- 1. क्रेता को ई.एम.डी. के साथ पेन नंबर एवं रजिस्ट्रेशन वर्ष 2020 एवं जी.एस.टी. नंबर की छायाप्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
2. सभी राष्ट्रीयकृत बैंक या मल्टीसिटी चेक अथवा ड्राफ्ट ही स्वीकार किए जाएंगे। अन्य बैंकों के मल्टीसिटी चेक स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

वन मण्डलाधिकारी
कटघोरा वनमण्डल कटघोरा

जी-82431/6

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर कुबेर प्लाजा शॉप नं. 226 सेकंड फ्लोर लिंक रोड बिलासपुर से प्रकाशित, संपादक- रविशंकर शुक्ला*
RNI NO.CHHHIN/2015/62431, डाक पंजीयन क्रमांक जी.2-112/सी.जी./बी.एल.पी./108/2020-2022, email: navpradesh@gmail.com, फोन व फैक्स : 07752-400878

प्रियंका ने बॉलीवुड को अंतराष्ट्रीय पहचान दिलाई

38 की हुई प्रियंका

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड की देशी गर्ल प्रियंका चोपड़ा उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में शुमार की जाती है जिन्होंने अभिनेत्रियों के महज शोपीस के तौर पर इस्तेमाल किये जाने की परंपरागत सोच को न सिर्फ बदला बल्कि बॉलीवुड को अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी विशेष पहचान दिलाई।

18 जुलाई 1982 को झारखंड के जमशेदपुर में जन्मी प्रियंका चोपड़ा ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा बरेली से पूरी की। बाद में उन्होंने लखनऊ और मुंबई से आगे की पढ़ाई पूरी की। इस बीच उनका रूझान मॉडलिंग की ओर हो गया और वह मॉडल के रूप में काम करने लगीं। वर्ष 2000 में प्रियंका चोपड़ा ने मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और दूसरे स्थान पर रहने से उन्हें मिस इंडिया वर्ल्ड के खिताब से नवाजा गया। मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में प्रियंका ने भारतीय सुंदरता का परचम पूरी दुनिया में लहराते हुये खिताब जीता।

प्रियंका चोपड़ा ने अपने सिने कैरियर की शुरूआत वर्ष 2002 में तमिल फिल्म 'थमिझन' से की। इस फिल्म को व्यावसायिक सफलता तो नहीं मिली लेकिन अपने दमदार अभिनय से उन्होंने समीक्षकों का दिल जीत लिया। वर्ष 2003 में उन्होंने बॉलीवुड में भी कदम रखा और सन्नी देओल और प्रीति जिंटा के साथ ..द हीरो लव स्टोरी ऑफद स्पाई ..में काम किया। यह फिल्म टिकट खिड़की पर सफल साबित हुयी और उनके अभिनय को दर्शको के साथ ही समीक्षकों ने भी काफी पसंद किया। वर्ष 2003 में ही राज कंवर फिल्म 'अंदाज' प्रियंका चोपड़ा के सिने कैरियर की महत्वपूर्ण फिल्म साबित हुयी। फिल्म में उनके नायक की भूमिका अक्षय कुमार थे। बेहतरीन गीत-संगीत, अभिनय और दमदार पटकथा से फिल्म टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुयी । इस फिल्म में अपने दमदार अभिनय के लिये प्रियंका चोपड़ा सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार के लिये नामांकित की गयी। इसके साथ ही उन्हें नवोदित अभिनेत्री का फिल्म फेयर पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। वर्ष 2004 में प्रियंका चोपड़ा की एक और सुपरहिट फिल्म ..मुझसे शादी करोगी ..प्रदर्शित हुयी ।डेविड धवन निर्देशित इस फिल्म में सलमान खान और अक्षय कुमार जैसे मंझे हुये सितारे की मौजूदगी में भी उन्होंने फिल्म में युवा फैशन डिजायनर के रूप में अपने किरदार को रूपहले पर्दे पर जीवंत करके फिल्म को सुपरहिट बना दिया ।

ममता कुलकर्णी के जीवन पर बनेगी फिल्म!

मुंबई (वार्ता)। नब्बे के दशक में बॉलीवुड की बोल्ड गर्ल रही ममता कुलकर्णी के जीवन पर फिल्म बनायी जा सकती है।

बॉलीवुड में चर्चा है कि ममता के विवादास्पद जीवन पर आधारित फिल्म बनने वाली है। यह फिल्म उनके जीवन पर आधारित बिलाल सिद्दीकी की पुस्तक, 'द स्टारडस्ट अफेयर' पर आधारित होगी। बताया जा रहा है कि निर्माता निखिल द्विवेदी ने इस किताब के अधिकार ले लिए हैं। यह किताब ममता कुलकर्णी के उतार-चढ़ाव भरे और घटनापूर्ण जीवन पर आधारित है। बॉलीवुड स्टार से लेकर कथित अंडरवर्ल्ड लिंक के कारण ममता कुलकर्णी हमेशा सुर्खियों में रही हैं।

ममता कुलकर्णी ने अपने सिने करियर के दौरान करण-अर्जुन, बाजी, चाइना गेट, तिरंगा, क्रांतिवीर और सबसे बड़ा खिलाड़ी समेत कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया है।बताया जा रहा है कि फिल्म की पटकथा पर काम जल्द ही शुरू होगा। फिल्म की टीम इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए जल्द ही लीडिंग लेडी ढूंढ लेगी।

अच्छी कहानियां सरहदों के पार भी पसंद की जाती है: अनुष्का

मुंबई (वार्ता)। अभिनेत्री- फिल्मकार अनुष्का शर्मा का कहना है कि अच्छी कहानियां भाषाओं की सीमा तोड़कर सरहदों के पार भी पसंद की जाती है। अनुष्का ने ग्लोबल स्ट्रीमिंग के बड़े प्लेटफॉर्म के जरिए अपने प्रोजेक्ट्स 'पाताल लोक' और 'बुलबुल' को लोगों के सामने प्रस्तुत किया और बैक-टू बैक सक्सेस हासिल की। अनुष्का 'पाताल लोक' और 'बुलबुल' के ग्लोबल एक्सेप्टेंस से बेहद खुश है। अनुष्का ने कहा ,फ्जब आप इस तरह की सोच के साथ कोई फिल्म बनाते हैं या कंटेंट तैयार करते हैं, तो फिर इसे देखने वाले ऑडियंस की कोई सीमा नहीं रहती है क्योंकि बड़े-बड़े ग्लोबल प्लेयर्स आपको दुनिया भर में ऑडियंस तक पहुंचने के लिए प्लेटफ़ॉर्म उपलब्ध कराते हैं। वे आपको शानदार मौका देते हैं और इस मौके का फायदा उठाकर आप पूरी दुनिया में मौजूद ऑडियंस तक पहुंच सकते हैं। फिल्मकार ने कहा ,फ्मेरा मानना है कि ह्यूमन स्टोरीज देश की सरहदों को पार कर जाती हैं। लैंग्वेज के बैरियर को तोड़ देती हैं। इसमें दुनिया भर के सभी लोगों तक पहुंचने की ताकत है। अच्छी स्टोरीज को कभी सीमाओं में बांधकर नहीं रखा जा सकता है और यह लोगों तक पहुंच ही जाती है।

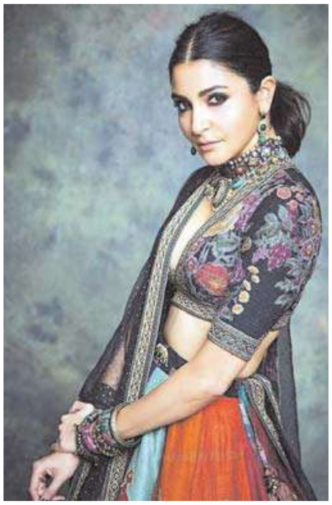

डेक्कन चार्जर्स को हटाने पर बीसीसीआई पर 4800 करोड़ का जुर्माना

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की शुरूआती आठ टीमों में से एक डेक्कन चार्जर्स को आईपीएल से बाहर करना भारी पड़ गया जिससे अब उस पर 4800 करोड़ रुपये का भारी-भरकम जुर्माना लग गया है।

हैदराबाद (वार्ता)। इस मामले में कोर्ट द्वारा नियुक्त आर्बिट्रेटर ने बीसीसीआई के खिलाफ फैसला देते हुए 4800 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। यह मामला 2012 का है। डेक्कन चार्जर्स ने 2009 में आईपीएल का खिताब जीता था और उस समय टीम के कप्तान ऑस्ट्रेलिया के एडम गिलक्रिस्ट थे।

उल्लेखनीय है कि 2008 में डेक्कन चार्जर्स शुरुआती सीजन की आठ में से एक टीम थी जो 2012 तक आईपीएल में बनी रही। डेक्कन चार्जर्स का मालिकाना हक पहले डेक्कन क्रोनिकल्स होल्डिंग्स के पास था। हैदराबाद की इस टीम को 15 सितंबर 2012 में आईपीएल से बाहर कर दिया गया था। उसके बाद सन टीवी नेटवर्क ने हैदराबाद फ्रेंचाइजी की बोली जीती और फिर सनराइजर्स हैदराबाद टीम आईपीएल में आई।

डेक्कन क्रोनिकल्स होल्डिंग्स ने इस फैसले के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट में अपील की। हाई कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के रिटायर न्यायाधीश सी के ठक्कर को आठ साल पहले आर्बिट्रेटर नियुक्त किया था। शुक्रवार को आर्बिट्रेटर ने अपना फैसला डेक्कन क्रोनिकल्स होल्डिंग्स के पक्ष में दिया।

आर्बिट्रेटर ने बीसीसीआई पर 4800 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके साथ बोर्ड को 2012 में मामला शुरू होने के बाद से हर साल के लिए 10 फीसदी ब्याज और 50 लाख रुपये की फीस भी देनी होगी।

इस बीच बीसीसीआई के अंतरिम सीईओ हेमांग अमीन ने इस फैसले पर कहा कि उन्हें फैसले की कॉपी नहीं मिली है और इसे पढ़ने के बाद ही बीसीसीआई आगे की कार्रवाई तय करेगा।

खेल यूनिवर्सिटी में दाख़िले के लिए पंजीकरण 20 जुलाई से

अमृतसर (वार्ता)। पंजाब के पटियाला में उत्तरी भारत की पहली खेल यूनिवर्सिटी महाराजा भुपिन्दर सिंह पंजाब स्पोर्टस यूनिवर्सिटी में विशेष अंडर ग्रैजुएट तीन वर्षीय कोर्सो में दाख़िले के लिए पंजीकरण 20 जुलाई से शुरू होंगे। यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर लेफ्टिनेंट जनरल (सेवामुक्त) जे.एस. चीमा ने बताया कि पंजाब में खेल संस्कृति को पुनर्जीवित करने और नौजवानों को खेल विज्ञान और खेल ख़ुराक जैसे विषयों में परिपक्व करने सम्बन्धी खेल मंत्री राणा गुरमीत सिंह सोढी की हिदायतों के अनुसार साल 2020-21 के लिए जिन तीन अंडर- ग्रैजुएट कोर्सों के लिए पंजीकरण शुरू किए जा रहे है जिसमें बैचलर ऑफफिजिक़ल एजुकेशन एंड स्पोर्टस (बी.पी.ई.एस.) में दाख़िले के लिए योग्यता जनरल वर्ग के लिए 12वीं कम-से-कम 50 प्रतिशत अंकों और एस.सी. / एस.टी. / ओ.बी.सी. वर्गों और अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर खेल मुकाबलों में भाग ले चुके उम्मीदवारों के लिए 45 प्रतिशत रखी गई है। इसके अलावा उम्मीदवार के पास पंजाब खेल विभाग या अन्य राज्यों द्वारा जारी ग्रेडिड खेल सर्टीफिक्रेट होना जरुरी है।

लखनऊ में अंतराष्ट्रीय स्तर की क्रिकेट अकादमी जल्द

लखनऊ (वार्ता)। देश का प्रतिष्ठित सहारा इंडिया परिवार लखनऊवासियों को जल्द ही नेशनल और इंटरनेशनल क्रिकेटिंग सुविधाओं से लैस एक अन्य क्रिकेट कादमी की सौगात देगा। सहारा इंडिया द्वारा संचालित सीएसडी सहारा क्रिकेट अकादमी की दूसरी शाखा विपुल खंड गोमतीनगर में खुलने को तैयार है। अकादमी प्रबंधन को फिलहाल कोरोना संकट के गुजरने का इंतजार है जिससे खेल गतिविधियों को दोबारा शुरू करने की इजाजत मिले। अकादमी से जुड़े सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि वर्तमान में सीएसडी सहारा क्रिकेट अकादमी का संचालन नबीकोट नंदना बक्शी का तालाब में हो रहा है। अकादमी में महिला क्रिकेट, प्रैक्टिस मैच एवं स्टेट के साथ इण्डिया लेवल क्रिकेट टूर्नामेण्ट, फिजिकल फिटनेस, मेंटल अवेयरनेस व बेसिक तकनीक, अनुभवी स्टेट लेवल खिलाड़ियो के अलावा लेवल-1, लेवल-2 प्रशिक्षकों द्वारा समय-समय कोचिंग व गाइडेंस दिया जाता है।

आर्चर का प्रोटोकॉल तोड़ना घातक हो सकता था: जाइल्स

मैनचेस्टर (वार्ता)। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के निदेशक एश्ले जाइल्स ने कहा है कि टीम के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर का जैविक सुरक्षा प्रोटोकॉल को तोड़ना घातक हो सकता था और इससे बोर्ड को करोड़ों पौंड का नुकसान होता।

आर्चर ने कोरोना वायरस के कारण बनाए गए जैविक सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया था जिसके बाद उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से बाहर कर दिया गया था। आर्चर ने हालांकि इसके लिए माफी मांगी थी। उन्हें इस कृत्य के बाद अब पांच दिनों के लिए अलग-थलग रहना होगा और इस दौरान दो बार कोरोना टेस्ट कराना होगा।

जाइल्स ने कहा, किसी भी कार्रवाई की प्रक्रिया होती और अनुशासन का पालन करना होता है। आर्चर ने जो किया वो घातक हो सकता था।

आर्चर को विंडीज टीम से माफी मांगनी चाहिए: वॉन

लंदन (वार्ता)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा है कि टीम के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को जैविक प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने पर वेस्टइंडीज टीम से माफी मांगनी चाहिए क्योंकि विंडीज की टीम ने इंग्लैंड के साथ सीरीज खेलने के लिए बहुत बड़ा खतरा मोल लिया है।

आर्चर ने जैविक सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया था जिसके बाद उन्हें दूसरे मैच से बाहर कर दिया गया था।

सिब्ली और स्टोक्स के जोरदार शतकों से इंग्लैंड मजबूत

मैनचेस्टर (वार्ता)। ओपनर डॉम सिबली (120) और दुनिया के नंबर दो आलराउंडर बेन स्टोक्स (176) के शानदार शतकों तथा उनके बीच चौथे विकेट के लिए 260 रन की जबरदस्त साझेदारी की बदौलत इंग्लैंड ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट में दूसरे दिन शुक्रवार को अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 469 रन का विशाल स्कोर बनाकर घोषित कर दी।

वेस्ट इंडीज ने इसके जवाब में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक एक विकेट खोकर 32 रन बना लिए हैं और वह इंग्लैंड के स्कोर से 437 रन पीछे है। जान केम्पबेल 12 रन बनाकर सैम करेन की गेंद पर पगबाधा हुए। स्टंप्स के समय क्रैग ब्रेथवेट छह और नाईट वाचमैन अलजारी जोसफ 14 रन बनाकर क्रीज पर थे।

इंग्लैंड ने सुबह तीन विकेट पर 207 रन से आगे खेलते हुए लंच तक तीन विकेट पर 264 रन और चायकाल तक पांच विकेट पर 378 रन बनाये। कप्तान जो रुट ने अंतिम सत्र में पहली पारी नौ विकेट पर 469 रन पर घोषित कर दी।

सिब्ली ने 86 और स्टोक्स ने 59 रन से आगे खेलना शुरू किया। सिब्ली ने अपना दूसरा और स्टोक्स ने 10वां शतक बनाया। सिब्ली ने 372 गेंदों पर 120 रन की संघर्षपूर्ण पारी में पांच चौके लगाए जबकि स्टोक्स ने 356 गेंदों पर 176 रन में 17 चौके और दो छक्के लगाए। विंडीज की तरफ से ऑफ स्पिनर रोस्टन चेज ने 44 ओवर की मैराथन गेंदबाजी में 172 रन देकर पांच विकेट लिए। वेस्ट इंडीज के गेंदबाजों को लगातार दूसरे दिन संघर्ष करना पड़ा। कप्तान जैसन होल्डर ने सुबह के सत्र में दूसरी नयी गेंद ली लेकिन इसका सिब्ली और स्टोक्स पर ज्यादा असर नहीं पड़ा। दोनों लंच तक टीम के स्कोर को 264 रन तक ले गए। लंच के समय सिब्ली 101 और स्टोक्स 99 रन पर नाबाद थे। दोनों बल्लेबाजों के बीच 200 रन की साझेदारी 498 गेंदों में पूरी हुई। विंडीज को दिन की पहली सफलता 341 के स्कोर पर मिली जब ऑफस्पिनर रोस्टन चेज ने सिब्ली को केमार रोच के हाथों कैच करा दिया। चेज ने कुछ देर बाद ओली पोप को पगबाधा कर दिया। पोप सात रन ही बना सके। चेज का पारी का यह चौथा विकेट था। स्टोक्स चायकाल के बाद तेज गेंदबाज केमार रोच का शिकार बने। रोच को पहले टेस्ट में कोई विकेट नहीं मिला और दूसरे टेस्ट में दूसरे दिन चायकाल के बाद उन्हें पहली सफलता मिली। स्टोक्स का कैच विकेटकीओर शेन डावरिच ने लपका। स्टोक्स का विकेट 395 के स्कोर पर गिरा। रोच ने अगली ही गेंद पर क्रिस वोक्स का विकेट भी ले लिया।

जोस बटलर 79 गेंदों में चार चौकों की मदद से 40 रन बनाने के बाद होल्डर की गेंद पर आउट हुए। बटलर का विकेट 426 के स्कोर पर और सैम करेन का विकेट 427 के स्कोर पर गिरा। करेन ने 39 गेंदों में एक चौके और एक छक्के की मदद से 17 रन बनाये। करेन को चेज ने आउट कर अपने पांच विकेट पूरे किये।

आयरलैंड टीम की जर्सी प्रायोजक बना मोबाइल प्रीमियर लीग

नई दिल्ली (वार्ता)। भारत की प्रसिद्ध मोबाइल गेमिंग कंपनी मोबाइल प्रीमियर लीग (एमबीएल) आयरलैंड क्रिकेट टीम की जर्सी प्रायोजक बना है। यह करार आयरलैंड के इंग्लैंड के साथ सीरीज के लिए हुआ है। कोरोना वायरस के कारण क्रिकेट गतिविधियां ठप्प होने के बाद क्रिकेट की दर्शकों के बिना वापसी हो रही है और आयरलैंड तथा इंग्लैंड के बीच 30 जुलाई से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज होनी है। यह सीरीज इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच चल रही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के बाद आयोजित होगी। एमपीएल के सह संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी साई श्रीनिवास ने कहा, ÷वनडे क्रिकेट की वापसी के बाद हमें आयरलैंड की पुरुष टीम के साथ साझेदार बन कर खुशी हो रही है जिसे इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेलनी है। एमपीएल हमेशा प्रतिभाशाली लोगों के साथ खड़ा रहा है और आयरलैंड टीम में प्रतिभा है। हम तीन मैचों की सीरीज के लिए उत्साहित हैं।

न्यूज गैलरी

नाले में मिला युवक का शव

महासमुंद। थाना क्षेत्र के ग्राम धनसुली में एक युवक का नाले में शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर मर्ग कायम कर जांच में लिया है। बताया जा रहा है कि युवक घर से घूमने के लिए निकला था, जो वापस रात में घर नहीं पहुंचा। थाना से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम धनसुली निवासी नेमीचंद धीवर पिता खोलबहरा धीवर (32) अपने परिजनों को नाला की ओर घूमने जा रहा हूं कहकर गुरुवार दोपहर निकला था। शाम को जब वह नहीं लौटा उसके परिजनों ने आसपास पतासाजी की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। सुबह परिजनों को सूचना मिली कि नाला के पास नेमीचंद का शव मिला। इसके बाद परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

युवक की डूबने से मौत

महासमुंद। बागबाहरा के सुनसुनिया तालाब में एक युवक की डूबने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सुनसुनिया निवासी प्रमोद कुमार ठाकुर पिता साधुराम ठाकुर (24) गेड़ी चढने़ तालाब गया था। उसी दौरान वह तालाब में गिर गया। गहरे पानी में चले जाने के कारण डूबने से उसकी मौत हो गई। जब ग्रामीणों ने डूबते हुए देखा तो उसे बाहर निकाला, लेकिन उसकी मौत हो गई थी।

बिना मास्क अब नहीं मिलेगा सामान

महासमुंद। अब बिना मास्क लगाए दुकान जाने वालों को सामग्री नहीं दी जाएगी। व्यापारियों से एसडीएम की मौजूदगी में संकल्प पत्र भरवाया गया। शुक्रवार को नगर पालिका में चेंबर ऑफ कामर्स, सब्जी, होटल और बिजली व्यापारियों की बैठक आयोजित की गई। इसमें नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर और एसडीएम सुनील कुमार चंद्रवंशी मौजूद थे। व्यापारियों ने दोनों के समक्ष संकल्प पत्र भरा कि अब से वे बगैर मास्क पहने दुकान आने वालों को सामग्री नहीं देंगे। दरअसल, पिछले कई दिनों से बगैर मास्क पहने बाहर निकलने वालों के खिलाफपालिका और प्रशासन की टीम कार्रवाई कर रही है। लगातार कार्रवाई के बाद भी लोग खुद और दूसरों के जीवन से खिलवाड़ करते हुए बगैर मास्क के सड़कों पर घूम रहे हैं। इसी को देखते हुए शुक्रवार को नगर पालिका में बैठक आयोजित की गई। बैठक में चेम्बर ऑफ कामर्स, सब्जी विक्रेता संघ, होटल व्यवसायी, इलेक्ट्रॉनिकल संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में एसडीएम सुनील चंद्रवंशी ने सभी व्यवसायियों से कहा महासमुंद के सभी व्यापारी रायपुर से अधिक व्यवसायिक संबंध रखते हैं। ऐसे में जो भी व्यापारी रायपुर जाता है, वे सतर्क ओर सावधान रहे। एसडीएम ने बताया कि डब्ल्यूएचओ के अनुसार संक्रमण का फैलाव हवा में भी होता है और बिना मास्क के इससे नहीं बचा जा सकता। ऐसे में दुकानों में आने वाले आमजनों के लिए मास्क अनिवार्य करें।

56 लोगों से अर्थदंड वसूली

महासमुंद। शहर के भीतर बिना मास्क के घूमने वालों पर लगातार की जा रही चालानी कार्रवाई के बाद भी लोगों में मास्क के प्रति जागरूकता बिलकुल भी देखने को नहीं मिल रही है। इसकी वजह से प्रशासनिक अफसरों को सरकारी काम छोड़कर सड़क पर कार्रवाई के लिए उतरना पड़ रहा है। शुक्रवार को प्रशासन ने एक बार फिर शहर के अंदर चालानी करवाई की और 56 लोगों से अर्थदंड वसूल किया। सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक शहर के नेहरू चौक और बरोंडा चौक पर बिना मास्क के बाइक,कार, साइकिल और पैदल चल रहे लोगों को रोककर मास्क नहीं पहनने की वजह पूछी और नाम पता पूछते हुए चालान कांटा और थमा दिया।

अश्लील मैसेज, जुर्म दर्ज

महासमुंद। एक अज्ञात व्यक्ति ने एक महिला को उसके मोबाइल पर अश्लील मैसेज भेजा है। इसकी शिकायत महिला ने थाने में की है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि मोबाइल नंबर 7773896696 के धारक ने उन्हे मोबाइल पर अश्लील मैसेज भेजा है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ509 ख के तहत कार्रवाई की है।

तीन पर छेड़छाड़ का आरोप

महासमुंद। सरायपाली थाना क्षेत्र में तीन लोगों के द्वारा महिला के साथ छेड़छाड़ किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। शिकायत पर पुलिस ने दामोदर पिता सुदर्शन भारती, जयमंगल पिता मोहित और मोहित पिता धनीराम के खिलाफ354, 323, 34 के तहत जुर्म दर्ज किया है।

धारा 144 का उल्लंघन, जुआ खेलते 10 सपड़ाए

महासमुंद। सरायपाली पुलिस ने गुरुवार शाम धारा 144 का उल्लंघन कर जुआ खेलने वाले 10 लोगों पर कार्रवाई की है। ये सभी सरायपाली वार्ड 15 मेन रोड स्थित सहारा मारूति शोरूम के अंदर जुआ खेल रहे थे, जिन्हें पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा। आरोपियों से नगद 1,24,470 रूपए के अलावा 01 कार, 03 मोटर साइकिल एवं 13 नग मोबाइल भी जब्त की है। पुलिस ने बताया कि आरोपी धारा 144 जाफौ के तहत निषेधाज्ञा लाकडाउन की जानकारी रखते हुए अपने निवास से निकलकर एक झुंड में एक शोरूम में बैठकर गुल नामक जुआ खेलते पाये गए।

चिंगरापगार में दो गुटो में झड़प के बाद पुलिसकर्मियों और वनकर्मियों की तैनाती

■ **बाहरी जिलो से आने वालो पर रोक**

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। जिला मुख्यालय से 15 किमी दूर ग्राम बारूका के समीप स्थित चिंगरापगार में दो गुटो में झड़प के बाद शुक्रवार से पुलिस प्रशासन और वन विभाग ने यहां सुरक्षा के दृष्टि के पुलिसकर्मियो और वनकर्मियो की तैनाती कर दी है। मुख्यमार्ग से कुछ मीटर की दूरी पर पुलिस व वन विभाग के ये जवान आवाजाही करने वालो लोगो की पहचान और वाहनो की जांच कर रहे है। यहां शराब और अन्य नशीले वस्तुए लेकर जाने पर पूरी तरह रोक लगा दी है। यहां बाहरी जिले से आने वालो पर रोक लगा दी है ताकि किसी प्रकार की विवाद की स्थिति ना बने। ज्ञात हो कि कि बिते कल चिंगरापगार में महासमुंद से आए 18 मजदुरो और ग्राम बारूका के तीन लोगो के झड़प हो गई थी। जिसका मुख्य कारण शराब सेवन और यहां अस्थीय रूप से संचालित चखना सेंटर था जहां महासमुंद से आए मजुदरो और चखना दुकान के तीन लोगो के बीच किसी बात को लेकर झड़प हो गई थी बाद में इसमें ग्राम बारूका के अन्य लोग भी शामिल हो गए थे। पुलिस के बीचबचाव के बाद मामला शांत हुआ था। इस स्थिति को देखते हुए अब गरियाबंद सीटी कोतवाली थाना प्रभारी विकास बघेल ने शुक्रवार को जलप्रपात क्षेत्र का निरीक्षण किया और यहां सुरक्षा के दृष्टि से पुलिस के जवानो की तैनाती कर दी।

संघोड़ा कन्टेनमेंट जोन मुक्त

महासमुंद। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कार्तिकेया गोयल ने एक कन्टेंनमेंट जोन को मुक्त कर दिया है। इस आशय के आदेश जारी कर दिए गए हैं। तहसील सरायपाली अंतर्गत ग्राम सिंघोड़ा को कन्टेनमेंट जोन से मुक्त कर दिया गया है। तहसील सरायपाली के ग्राम सिंघोड़ा को पिछले महीने की 16 तारीख को कोविड-19 के पॉजिटिव रिपोर्ट आने पर कन्टेनमेंट जोन घोषित किया गया था। किन्तु पिछले 28 दिनों से ग्राम सिंघोड़ा कन्टेनमेंट क्षेत्र में कोई भी कोविड-19 का पॉजिटिव केस की पुष्टि नहीं होने और पॉजिटीव मरीजों के सम्पर्क में आने वाले 20 लोगों की रिपोर्ट निगेटिव आने के कारण कलेक्टर एवं दण्डाधिकारी कार्तिकेया गोयल ने ग्राम सिंघोड़ा कन्टेनमेंट क्षेत्र को कन्टेनमेंट जोन से मुक्त करने के आदेश जारी कर दिए हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सरायपाली में तंबाकू नियंत्रण के लिए दी गई दबिश

■ **तंबाकू नियंत्रण पर जोर देते हुए आवश्यक कार्रवाई तेज**

महासमुंद। जिले के समस्त चिकित्सालयों को तंबाकू मुक्त परिसर बनाने के लिए हाल ही में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.पी. वारे ने तंबाकू नियंत्रण पर जोर देते हुए आवश्यक कार्रवाई तेज करने के निर्देश जारी किए हैं। इसके परिपालन में गुरुवार को जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप ताम्रकार सहित जिला तंबाकू नशा मुक्ति केंद्र के कर्मचारी औचक निरीक्षण के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सरायपाली पहुंचे। यहां खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आहूत की गई। इसके उपरांत जांच-पड़ताल शुरू कर मरीज एवं उनके परिजनों सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ड्यूटीरत अधिकारी-कर्मचारियों की जमा-तलाशी ले कर जागरूकता लाने का अभ्यास दोहराया गया। इस दौरान विकासखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती शीतल सिंह एवं खण्ड विस्तार प्रशिक्षण अधिकारी टी.आर. धृतलहरे ने भर्ती मरीज के एक परिजन को जेब में तंबाकू गुटखा रखे हुए पकड़ा। जिन्होंने औचक निरीक्षण का स्वागत करते हुए स्वस्फूर्त हो कर अपने पास रखे तंबाकू उत्पाद, चिकित्सालय भवन में स्थापित की गई तंबाकू निषेध पेटी में जमा किए। इस दौरान राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम, के सामाजिक कार्यकर्ता श्री असीम श्रीवास्तव उपस्थित रहे। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरायपाली के नर्सिंग स्टाफ वार्ड ब्वॉय एवं लिपिकीय कर्मचारियों का सहयोग सराहनीय रहा।

इंद्राणी को नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर ने उज्जवला गैस सिलेंडर और चुल्हा दिया

महासमुंद। इंद्राणी चंद्राकर अपनी नेत्रहीन बेटी के जीवन सवारने दूसरे के घरों में काम कर के अपना और बेटी का गरीबी में जीवन यापन कर रही है. वार्ड क्रमांक 17 निवासी इंद्राणी को नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महत्वाकांक्षी योजना के तहत उज्जवला गैस सिलेंडर और चुल्हा दिया गया।

इंद्राणी चंद्राकर पति के गुजर जाने के बाद से अपनी 21 वर्षीय नेत्रहीन बेटी पुष्पा के साथ गरीबी में दूसरों के घरों में काम कर के अपना और बेटी का भरणपोषण कर रही है. इंद्राणी घरों से काम कर के लौटने के बाद थकहार कर चुल्हे में दोनों के लिए भोजन पकाती है. इस समस्या के लिए इंद्राणी ने कई लोगों से मदद के लिए गुहार लगा चुकी है. लेकिन किसी ने भी मदद नहीं की. इंद्राणी ने एक सप्ताह पहले नगर पालिका पहुंच कर अध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर से मिलकर अपनी व्यथा बताई. पालिका अध्यक्ष ने गरीब महिला की समस्या का निदान का भरोसा दिलाया, और शुक्रवार को इंद्राणी को पालिका बुलाया गया. पालिका अध्यक्ष श्री चंद्राकर ने उन्हें उज्जवला योजना के तहत गैस सिलेंडर और चूल्हा सौंपा. गैस सिलेंडर पा कर इंद्राणी की खुशी का ठिकाना न रहा, और उनकी आंखें नम हो गई. इसके लिए इंद्राणी और नेत्रहीन बेटी ने पालिका अध्यक्ष का आभार जताया. इस अवसर पर पार्षद राहुल चंद्राकर, राजेश नेताम, खेल एवं युवा आयोग के पूर्व सदस्य प्रशांत श्रीवास्तव, गोलू मदनकार सहित पालिका कर्मचारीगण उपस्थित थे।

सरपंच संघ चुनाव में वीरेंद्र चन्द्राकर की एकतरफा जीत

■ **त्रिकोणीय मुकाबले में 71 वोट पाकर हासिल की जीत**

महासमुंद। परसदा के युवा सरपंच वीरेंद्र चंद्राकर शुक्रवार को हुए चुनाव में ब्लॉक सरपंच संघ के अध्यक्ष चुने गए। वीरेंद्र को जहां 71 वोट मिले। जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी भामिनी पोखन चन्द्राकर को 19 वोट तथा अन्नू चन्द्राकर को 13 वोट मिले।

सरपंच संघ चुनाव को लेकर तीन चार दिनों से सरगर्मी बनी हुई थी। परसदा सरपंच वीरेंद्र चन्द्राकर, कौंदकेरा सरपंच अन्नू चन्द्राकर व बेलसोंडा सरपंच भामिनी पोखन चन्द्राकर ने नामांकन दाखिल किया था। जनपद पंचायत में सुबह 11 बजे से मतदान शुरू हुआ। 2 बजे तक 105 सरपंचों में से 103 सरपंचों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। निर्वाचन अधिकारी बसंत सिन्हा व राजेन्द्र चन्द्राकर ने वोटों की गिनती कराई। वोटों की गिनती में वीरेंद्र चन्द्राकर ने सर्वाधिक 71 वोट प्राप्त किये। जबकि अन्नू चन्द्राकर को 13 व भामिनी को 19 वोट मिले। इस तरह वीरेंद्र चंद्राकर को विजयी घोषित किया गया। शानदार जीत के बाद संसदीय सचिव विनोद सेवनलाल चन्द्राकर, जपं अध्यक्ष भागीरथी चन्द्राकर, कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ रश्मि चंद्राकर, लक्ष्मण पटेल, त्रिलोकी राधेश्याम ध्रुव, खिलावन साहू, राजेन्द्र चन्द्राकर, दिग्विजय साहू, रमाकांत ध्रुव, राजू ध्रुव, घाँसु दीवान, अजय मंगल ध्रुव, नीता तुलाराम साहू, कुणाल चन्द्राकर, तुलसी साहू, हुमन दीवान, देवेंद्र चन्द्राकर, रंजीता जांगड़े, कमलेश ध्रुव, राजेश चन्द्राकर, अमर चंद्राकर, संतोष साहू, देवा नायक, हेमन्त डड़सेना, देवदत्त चन्द्राकर, बृजेनहीरा बंजारे, सचिन गायकवाड़, टिकेश्वर सिन्हा, यदुनाथ पांडेय, गिरजाशंकर चन्द्राकर, विनोद चन्द्राकर, द्रोण चन्द्राकर, टीकाराम पटेल, कमलनारायण साहू, भेखू थनवार यादव आदि ने बधाई दी है।

सांकरा एवं नांदगांव कन्टेंनमेंट जोन घोषित

महासमुंद। वैश्विक स्तर पर फैले कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कार्तिकेया गोयल ने बताया कि जिले के मरीजों का सैम्पल जॉच के लिए भेजा गया है। जिसमें पिथौरा विकासखण्ड के ग्राम सांकरा एवं महासमुंद विकासखण्ड के ग्राम नांदगांव के मरीज की जॉच रिपोर्ट पॉजिटीव पाए जाने के कारण कोरोना वायरस के संक्रमण के फैलाव को दृष्टिगत रखते हुए ग्राम ग्राम सांकरा एवं ग्राम नांदगांव के नीचे वर्णित चौहद्दी को कन्टेंनमेंट जोन घोषित किया गया है। इसमें ग्राम सांकरा के उत्तर दिशा में जगतराम का मकान, दक्षिण दिशा में गली जलिंधर का मकान, पूर्व दिशा में विष्णु मनोहर का खेत एवं पश्चिम दिशा में गली मस्जिद शामिल हैं। इसी प्रकार ग्राम नांदगांव के उत्तर दिशा में मानिक का मकान, दक्षिण दिशा में गली एवं अश्वनी धीवर की बाड़ी, पूर्व दिशा में बलराम चन्द्राकर का मकान एवं पश्चिम दिशा में मनीष चन्द्राकर का मकान शामिल है। इसके अलावा उक्त कंटन्टमेंट जोन के अलावा 03 किलोमीटर की परिधि को बफर जोन घोषित किया गया है। कन्टेन्टमेंट जोन में प्रावधान के अंतर्गत होगी कार्रवाई कटेंनमेंट जोन के चिन्हित क्षेत्र अंतर्गत सभी दुकानें एवं अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठान आगामी आदेश पर्यन्त बंद रहेंगे।

दो आरक्षक समेत चार प्रधान आरक्षक पदोन्नत, एसपी ने स्टार लगाकर दी बधाई

गरियाबंद - जिले में पुलिस विभाग में कार्यरत दो आरक्षको व चार प्रधान आरक्षको की पदोन्नति हुई है। इसमें दो आरक्षक योगेश चंद्राकर व ललित साहू आरक्षक से प्रधान आरक्षक के पद पर पदोन्नत हुए है वही चार प्रधान आरक्षक टीकाराम ध्रुव, थनवार ध्रुव, रामाधर मरकाम तथा यदुराज ठाकुर प्रधान आरक्षक से सहायक उप निरीक्षक के पद पदन्नोत हुए है। एसपी भोजराम पटेल ने आरक्षको को फित्ती लगाकर एवं पदोन्नत प्र आरक्षको को एक स्टार लगाकार नए जिम्मेदारी के लिए शुभकामनायें दी। इस अवसर पर डीएसपी टीकाराम कंवर और रक्षिक निरीक्षक उमेश राय भी मौजुद थे। ज्ञात हो कि हाल में उक्त पुलिसकर्मियो ने विभागीय परीक्षा की उत्तीर्ण कर पदोन्नति हासिल की है।

विकास बने ओसीबी महासभा युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव

गरियाबंद। राजिम के युवा नेता विकास साहू को ओबीसी महासभा ने छत्तीसगढ़ प्रदेश का युवा महासचिव नियुक्त किया है। विकास की नियुक्ति महासभा के संस्थापक अध्यक्ष विजय कुमार द्वारा की गई है। उन्होंने विकास से उम्मीद जताई है कि वे ओबीसी वर्ग के हितों की रक्षा के लिए बेहतर कार्य करते हुए महासभा की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। वही विकास ने भी अपनी नियुक्ति पर संस्थापक विजय कुमार का आभार जताते हुए आश्वस्त किया है कि वे अपनी नई भूमिका के साथ पूरा न्याय करेंगे। ओबीसी वर्ग के हितों के लिए वे हरसंभव लड़ाई लड़ने तैयार रहेंगे और उनका पूरा जोर इस वर्ग को नई सामाजिक और राजनीतिक शक्ति बनाने पर रहेगा, जिससे ओबीसी वर्ग को अपने हक के लिए किसी के आगे झोली फैलाने की जरूरत न पड़े। उन्होने कहा कि ओबीसी वर्ग की एकजुटता से प्रदेश में किसी भी योग्य पार्टी की सरकार बनेगी और यह वर्ग प्रदेश में सबसे बड़ी शक्ति के रूप में उभरेगा। नवनियुक्त प्रदेश महासचिव विकास साहू ने अपनी नियुक्ति पर अपने मित्रों, शुभचिंतकों और परिचितों का भी हृदय से आभार व्यक्त करते हुए उनको मिली नई भूमिका में उनका आत्मबल बनने का आव्हान किया है।

हरियर छत्तीसगढ अभियान के तहत सरखोर और डोंगरा में रोपे गए पौधे

लवन। हरियर छत्तीसगढ़ अभियान के अन्तर्गत जनपद पंचायत बलौदा बाजार क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सरखोर के प्राथमिक शाला मनीपुर व ग्राम डोंगरा गौठान चारागाह में पंच, सरपंच, रोजगार सहायक, जनप्रतिनधि व ग्रामीणों के द्वारा फलदार एवं छायादार पौधे लगाकर उसकी सुरक्षा का संकल्प लिया गया। जिसमें ग्राम सरखोर में 360 पौधे का रोपण किया गया। इसी तरह डोंगरा में भी 200 पोधे का रोपण किया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने हरियर छत्तीसगढ़ अभियान के तहत गांव को हरा भरा रखने का संकल्प लेकर पेड़ों की सुरक्षा का फैसला लिया। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि वृक्षों का उपयोग जीवन भर विभिन्न कार्यो के लिए करते हैं, यदि वृक्ष नहीं लगाये और वृक्ष काटते गये तो प्रदूषण बढ़ जायेगा और प्रकृति का संतुलन बिगड़ने से विनाश की शुरूआत होगी। वृक्ष से आक्सीजन एवं फल-फूल लकड़िया मिलती है। बीमारी के ईलाज में औधषि का उपयोग होता है। अपने जीवन में पौधा लगाकर प्रकृति को सुंदर बनाये और पर्यावरण संतुलन में योगदान दें। जनप्रतिनिधियों ने बताया कि गांव में पौधारोपण कर उसकों जीवित रखेन व देखभाल करने का संलल्प लिया गया। इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि गीताराम कुर्रे, उपसरंच कौशल साहू, सचिव मनोज कुमार घृतलहरे, रोजगार सहायक उपेन्द्र घृतलहरे, पंचगण मलेच्छराम यादव, विजय साहू, देवनारायण पटेल, बुधराम कैवर्त्य व ग्राम डोंगरा से सरपंच धनकुमार औधेलिया, उपसरपंच शिव वर्मा, सचिव देवनारायण वर्मा, रोजगार सहायक किशन चेलक, पंचगण भुपेन्द्र, रामरतन, मयाराम, धन्नू, तोरण, हितेश, भारती भाई, बसंती बाई, अनुप बाई, गगाबाई सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं परामर्शदात्री समिति की बैठक

गरियाबंद। बैंकों के कामकाज से संबंधित जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं परामर्शदात्री समिति की 25वीं बैठक कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। कलेक्टर छतर सिंह डेहरे की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में बैंकर्स से कहा गया है कि वे शासकीय योजनाओं के तहत बैंकों में भेजे गये प्रकरणों को प्राथमिकता से स्वीकृत करें। उन्होंने पिछले वित्तीय वर्ष सहित इस वर्ष के लंबित प्रकरणों को 31 जुलाई तक स्वीकृत करने के निर्देश दिये। साथ ही कहा कि विशेष परिस्थिति में 10 अगस्त तक स्वीकृत किया जाये। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार लंगेह, अपर कलेक्टर श्री जे.आर. चैरसिया, लीड बैंक अधिकारी श्री राजीव रंजन सहित जिले के विभिन्न बैंकों के अधिकारी और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने सभी बैंकर्स को भी स्वयं पहल कर प्रकरण स्वीकृत करने कहा। बैठक में शासकीय योजनाओं का बैंकों को प्रेषित प्रकरणों का बैंकवार अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। जिले में बैंकिंग एव आधारभूत आंकड़ो की समीक्षा की गई।

काजू, बादाम, किशमिश, लहसून, धान और चावल से बनी राखियां इस बार सजेगी भाईयों के कलाई

■ **बिहान की राखी ग्राम संगठन देवरी की दीदियों द्वारा बनाई जा रही है आकर्षक राखियां**

गरियाबंद । रक्षाबंधन का पवित्र त्यौहार अगले महीने 3 अगस्त को मनाया जायेगा। यह त्यौहार सावन मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। भाई-बहन के प्यार को समर्पित यह त्यौहार उनके बीच अटूट रिश्ते को दर्शता है। यह त्यौहार तब खास हो जाता है, जब बहनें खुद अपने हाथों से राखी तैयार कर भाईयों के कलाईयों में बांधती है। लॉकडाउन और कोरोना के बीच महिला समूहों की बहनें इस बार राशि के त्यौहार को विशेष रूप से मनायेगी। वे खुद अपने हाथों से अपने भाईयों के लिए राखी का निर्माण बड़े पैमाने पर कर रही है। छुरा विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम कनसिंघी के बिहान से जुड़ी महिला समूहों ने इसे नया रूप दिया है। प्लास्टिक और फैंसी राखियों के स्थान पर घर में प्रयुक्त होने वाली खाद्य सामग्रियों को मिलाकर राखी का निर्माण खुबसूरती के साथ किया जा रहा है। इस बार राखी में काजू, बादाम, किशमिश, लहसुन, धान, चावल आदि खाद्य सामग्री के साथ साथ विभिन्न प्रकार की आकर्षक एवं सस्ती राखी का निर्माण देवरी के राखी ग्राम संगठन में किया जा रहा है।

स्थानीय मांग और लागत को ध्यान में रखते हुए राखियां कम मूल्य की तैयार की जा रही है। इन राखियों का मूल्य 5 रुपये से लेकर अधिकतम 25 रुपये के कीमत तक है। राखियों को क्लस्टर के माध्यम से और छोटे-छोटे स्टॉल लगाकर विक्रय किया जायेगा। इससे मिलने वाले लाभ से समूह की आय बढ़ेगी। समूह की दीदियों ने बताया कि यह गतिविधि हमारे कनसिंघी कलस्टर में प्रथम बार हो रही है। इसे आदर्श संकुल संगठन कनसिंघी इस नये आजीविका गतिविधि को प्रोत्साहित कर रही है। संगठन के पदाधिकारी सदस्यों ने सभी ग्राम संगठन के दीदियों को ग्राम देवरी से राखी खरीदने के लिए बैठक कर लिया है। राखी निर्माण में जुटी गौरी ठाकुर, सरस्वती बाई, अमरौतिन, लोम्बाई, खेमा बाई, काशीबाई, भोज बाई ने बताया कि राखी बनाने के लिए जनपद पंचायत छुरा के सीईओ सुश्री रुचि शर्मा ने हमे प्रोत्साहित किया। उनके मार्गदर्शन में वाय.पी संजू, ब्लॉक समन्वयक सुभाष, बीरेंद्र, एडीओ हेमकंवर, क्षेत्रीय समन्वयक लितेश ध्रुव एवं आदर्श संकुल कनसिंघी के पदाधिकारी दीदियों एवं राखी ग्राम संगठन देवरी के 12 समूह के दीदियों का भरपुर सहयोग मिला।

■ न्यूज गैलरी

विमानन क्षेत्र में निवेश की जल्द मंजूरी के लिए बना विशेष प्रकोष्ठ

नई दिल्ली (वार्ता)। नागर विमानन क्षेत्र में निवेश की जल्द मंजूरी देने के लिए एक विशेष प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने आज बताया कि मंत्रालय में संयुक्त सचिव अम्बर दुबे को निवेश मंजूरी प्रकोष्ठ (आईसीसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस प्रकोष्ठ के गठन का उद्देश्य विमानन क्षेत्र में निवेश के लिए आने वाले प्रस्तावों को जल्द मंजूरी प्रदान करना है। इसमें श्री दुबे के अलावा आठ और सदस्य हैं। प्रकोष्ठ के अध्यक्ष जरूरत के मुताबिक एक अन्य सदस्य की भी नियुक्ति कर सकते हैं। मंत्रालय ने बताया कि यह प्रकोष्ठ निवेश की मंजूरी के लिए सिंगल विंडो की तरह काम करेगा। सेक्टर में निवेश में बाधा बन रही नीतियों और नियामक मुद्दों की पहचान भी प्रकोष्ठ की जिम्मेदारी होगी।

डीजल लगातार दूसरे दिन महंगा

नई दिल्ली (वार्ता)। देश में डीजल के दाम लगातार दूसरे दिन बढ़े जबकि पेट्रोल की कीमत लगातार 19वें दिन स्थिर रही। देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, दिल्ली में आज डीजल 17 पैसे महंगा होकर 81.52 रुपये प्रति लीटर के नये रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया। मुंबई में 15 पैसे की बढ़त के साथ इसकी कीमत 79.71 रुपये प्रति लीटर रही जो अब तक का उच्चतम भाव है। कोलकाता और चेन्नई में भी डीजल की कीमत ऐतिहासिक उच्चतम स्तर के करीब पहुंच गई है। कोलकाता में डीजल 18 पैसे बढ़कर 76.67 रुपये और चेन्नई में 13 पैसे महंगा होकर 78.50 रुपये प्रति लीटर के भाव बिका।

दिल्ली में पेट्रोल का मूल्य 80.43 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रहा जो 27 अक्टूबर 2018 के बाद का उच्चतम स्तर है। कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में भी पेट्रोल की कीमत क्रमशः 82.10 रुपये, 87.19 रुपये और 83.63 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रही।

आत्मनिर्भर ऐप इनोवेशन चैलेंज की अंतिम तिथि बढ़ी

नई दिल्ली (वार्ता)। आत्मनिर्भर ऐप भारत इनोवेशन चैलेंज की उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया को देखते हुए सरकार ने प्रतियोगिता के लिए प्रविष्टियां जमा करने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 26 जुलाई करने का निर्णय लिया है। इस प्रतियोगिता को माईगॉव के इनोवेट पोर्टल पर होस्ट किया गया है और इसमें भाग लेने के लिए पोर्टल पर लॉग इन किया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 4 जुलाई को आत्मनिर्भर ऐप भारत इनोवेशन प्रतियोगिता को लॉन्च किया था। इसमें देश भर के टेक उद्यमियों और स्टार्टअप की बहुत उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली थी। 8 श्रेणियों में अब तक 2353 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई हैं।

छः-सिलिंडर डीजल इंजन में आई नयी रेंज रोवर स्पोर्ट

नए स्पेशल एडिशन मॉडल्स में हैं पहले से ज्यादा विकल्प

नई दिल्ली। लैंड रोवर के अभी तक के सबसे डायनैमिक मॉडल, रेंज रोवर स्पोर्ट में अत्यधिक आरामदेह परफॉर्मेंस वाली एसयूवी के रूप में आकर्षण बढ़ाने के लिए अनेक अपग्रेड्स शामिल किये गए हैं। ये नए स्पेशल एडिशन मॉडल्स एचएसई सिल्वर, एचएसई डायनैमिक ब्लैक और एसवीआर कार्बन एडिशन की मौजूदा कतार में शामिल हो रहे हैं। इससे अब खरीदारों के सामने पहले से ज्यादा विकल्प उपलब्ध होंगे। मौजूदा एचएसटी में एक नयी डी350 डीजल के साथ एक और दमदार इंजन विकल्प प्राप्त हो गया है।

डी350 सामान्य रूप से लैंड रोवर की नयी छः-सिलिंडर इन्जेनियम डीजल इंजनों के नवीनतम उत्पाद में से एक है। इनके रूप में रेंज रोवर स्पोर्ट में पहली बार 48वी माइल्ड-हाइब्रिड इलेक्ट्रिक व्हीकल (एमएचईवी) डीजल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल हुआ है और ये आरडीई2-प्रमाणित हैं। आतंरिक स्तर पर निर्मित नयी इन-लाइन (पंक्तिबद्ध) इंजन डी250,

डी300 और डी350 वैरिएंट में उपलब्ध है। इसकी पॉवर आउटपुट 249 पीएस (183 किलोवाट) से लेकर 350 पीएस (258 किलोवाट) तक है। इन इंजनों ने वी6 और वी8 डीजल की जगह ली है। एसवी प्रीमियम पैलेट पेंट कलर रेंज में, जो सभी रेंज रोवर स्पोर्ट के ग्राहकों के लिए इसे शानदार रंगों और चिकनी फिनिश में पेश करता है, टूर्मलीन ब्राउन, ऐमिथिस्ट ग्रे-पर्पल और पेट्रोलिक्स ब्लू सहित आठ नए रंगों के द्वारा ताजगी भरी गयी है.

भीतर में, केबिन की उद्देश्यपूर्ण डिजाईन और मनमोहक बारीकियां इसे निर्विवाद रूप से स्पोर्टिंग लक्ज़री का अहसास प्रदान करती है, जबकि बिना जोड़ वाली समेकित टच प्रो डुओ इंफोटेनमेंट फीचर्स कनेक्टिविटी को बेहतर बनाती हैं। लैंड रोवर के चीफ क्रिएटिव ऑफिसर, प्रोफेसर गैरी मैकगोवेर्न ओबीई ने कहा कि : ÷रेंज रोवर स्पोर्ट अपनी प्रभावशाली और दमदार डिजाईन के कारण परफॉर्मेंस एक शानदार उदाहरण है। इसकी परिष्कृत छवि में रेंज रोवर परिवार की आधुनिकता झलकती है, जबकि विशिष्ट कलात्मक टचेज की श्रृंखला इसकी स्पोर्टिंग प्रकृति को उजाकर करती है। यह एक ऐसी एसयूवी है, जिसकी ओर आप आकर्षित हुए बिना नहीं रह सकते। रेंज रोवर स्पोर्ट के आकर्षण का प्रमुख तत्व इसकी परिष्कृत डिजाईन, बहुमुखी क्षमता और भव्य इंटीरियर है। एचएसई सिल्वर एडिशन को एचएसई के प्रचुर विनिर्देशों के आधार पर बनाया गया है, जिसमें परिष्कृत शैडो एटलस बाह्य सुडौल फिनिश है। बाहरी सतह नयी लेंटो ब्रोंज और हकुबा सिल्वर सहित पर सात रंगों और अंदरूनी भाग में दो रंगों के विकल्प में उपलब्ध, एचएसई सिल्वर में स्थायी विशाल रूफ प्राइवेसी ग्लास, फ्रंट सेंटर कंसोल कूलर कम्पार्टमेंट और मेरीडियन सराउंड साउंड सिस्टम का भी फ़ायदा उठाया जा सकता है।

अलायंस फॉर एग्री इनोवेशन ने कहा जीएम फसलों को अपनाने की जरूरत

पहली बायोटेक फसल 1996 में कमर्शियलाईज़ की गई

नई दिल्ली (वार्ता)। फेडरेशन ऑफ़ सीड इंडस्ट्री ऑफ़ इंडिया (एफएसआईआई) का स्पेशल इंटरेस्ट ग्रुप, अलायंस फॉर एग्री इनोवेशन (एएआई) ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न हुई चुनौतियों एवं कोरोना महामारी के चलते किसानों की वित्तीय समस्याओं को देखते हुये जीएम फसलों को अपनाया जाना जरूरी हो गया है, क्योंकि इससे किसान ज्यादा पैदावार एवं गुणवक्तायुक्त फसल का उत्पादन कर ज्यादा लाभ अर्जित कर सकेंगे।

दुनिया में बायोटेक फसलें उगाने के 25 साल होने जा रहा है। पहली बायोटेक फसल 1996 में कमर्शियलाईज़ की गई और शुरूआती बुआई केवल 17 लाख हेक्टेयर में की गई थी जो 2018 में बढ़कर 19 करोड़ 17 लाख हेक्टेयर हो गया जो 113 गुना अधिक है। पीजी इकॉनॉमिक्स की रिपोर्ट के अनुसार फार्म स्तर का

कुल लाभ 2018 में 19 अरब डॉलर के भीतर था। 1996 से 2018 तक कुल वैश्विक फार्म आय लाभ 225 अरब डॉलर (1.7 लाख करोड़ रुपये) था, जो आय में औसत 96.7 डॉलर प्रति हेक्टेयर (7267 रुपये प्रति हेक्टेयर) वृद्धि के बराबर था।

एफएसआईआई के महानिदेशक राम कौंडिन्य ने कहा कि जीएम फसलों ने अनेक देशों को ज्यादा पैदावार, पौष्टिकता, एवं एसडीजी प्राप्त करने में मदद की। किसानों द्वारा प्राप्त किए गए इस टेक्नॉलॉजी के फायदों को सबने देखा है। भारतीय किसान और विभिन्न तरह की जीएम फसलों के कमर्शियल रिलीज़ की मांग कर रहे हैं, लेकिन बीटी कपास के बाद उन्हें कोई सफलता नहीं मिल पाई। दुनिया के किसानों ने जीएम फसलों द्वारा मिले लाभ के साथ अपनी सामाजिक और आर्थिक समृद्धि हासिल की है। भारत के किसानों ने इस टेक्नॉलॉजी को अपनाने के प्रति अपनी इच्छा प्रदर्शित की है। अगले 2 सालों में भारत में बीटी कॉटन की शुरूआत को दो दशक पूरे हो जाएंगे। किसानों के सामने मौजूद पर्यावरण की एवं वित्तीय समस्याओं के साथ यदि और ज्यादा टेक्नॉलॉजी को नहीं अपनाएंगे, तो भारतीय किसान के साथ यह सही नहीं होगा।

एएआई के कार्यकारी निदेशक डॉ शिवेंद्र बजाज ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण इस क्षेत्र में उत्पन्न हुई चुनौतियों एवं महामारी के चलते किसानों की बड़ी वित्तीय समस्याओं को देखते हुये जीएम फसलों को अपनाया जाना जरूरी हो गया है, क्योंकि इससे किसान ज्यादा पैदावार एवं गुणवक्तायुक्त फसल का उत्पादन कर ज्यादा लाभ अर्जित कर सकेंगे। इससे किसान खेती की ज्यादा सतत विधियों, जैसे कम जुताई का उपयोग कर जीवाश्म ईंधन के उपयोग में कमी ला सकेंगे और ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन में कमी होकर कार्बन मिट्टी में बना रहेगा। जल उपयोग की प्रभावशीलता एवं खाद के उपयोग की प्रभावशीलता ऐसे गुण हैं, जो कृषि क्षेत्र में प्राकृतिक संपदा के प्रबंधन में अपार फायदे प्रदान कर सकते हैं।

> *एएआई के अध्यक्ष डॉक्टर परेश वर्मा ने कहा कि अगली पीढ़ी के पोषण की दृष्टि से बेहतर जीएम फसलें जल्द ही उगाई जाएंगी और कुपोषण एवं बीमारी को दूर करने में मदद करेंगी। कीटनाशक के कम उपयोग से खेती के काम में सेहत व सुरक्षा में सुधार हुआ है तथा जीवश्म ईंधन के उपयोग में कमी आई है। इसी प्रकार जीएम टेक्नॉलॉजी ने बेहतर कार्बन स्टोरेज द्वारा मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार के लिए बिना जुताई की खेती संभव बनाई है।*

ओरिएंट इलेक्ट्रिक ने लांच किया यूवी सैनिटेक

नई दिल्ली (वार्ता)। ओरिएंट इलेक्ट्रिक लिमिटेड ने सैनिटाइजेशन चैम्बर यूवी सैनिटेक के लॉन्च के साथ हेल्थ एप्लायंसेज सेगमेंट में कदम रखने की घोषणा की है।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में यह घोषणा करते हुये कहा कि यह चैम्बर अल्ट्रावॉइलेट (यूवी-सी) लाइट का उपयोग करके केवल 4 मिनट में दैनिक उपयोग की वस्तुओं और किराने के सामान की सतहों पर, कोरोना वायरस सहित बाकी वायरस, बैक्टीरिया और फंगस को भी मारता है। कंपनी अपने फरीदाबाद स्थित विनिर्माण सयंत्र में इस सैनिटाइजेशन बॉक्स का इन-हाउस उत्पादन कर रही है और निकट भविष्य में इस श्रेणी में और भी उत्पाद लाने की योजना है।

कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ राकेश खन्ना ने कहा कि कोविड-19 संकट के कारण भारत में उपभोक्ताओं की मांग और प्राथमिकताओं में बड़ा बदलाव हुआ है। हेल्थ व हाइजीन उत्पादों की मांग बढ़ी है। यह ट्रेंड भविष्य में भी जारी रहने की संभावना है, क्योंकि कोविड-19 के चलते साफ-सफाई के उच्चतम मानक बनाये रखना 'न्यू नॉर्मल' का हिस्सा बन गया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के प्रकोप के बीच लोग वस्तुओं और दैनिक उपयोग की चीजों, जैसे मोबाइल, वॉलट, इलेक्ट्रानिक गैजेट्स, खाने-पीने के सामान और आदि के जरिए अपने घरों और कार्यालयों में कोरोना वायरस के आने से डर रहे हैं। ओरिएंट यूवी सैनिटेक अल्ट्रावॉइलेट जर्मिसाइडल इरैडियेशन (यूवीजीआई) विधि का उपयोग कर 99.99 प्रतिशत वायरस और बैक्टीरिया को मारता है। यह एक सुरक्षित और अत्यंत प्रभावी समाधान है। हमारे लिए यह केवल समय के माँग के आधार पर कोई उत्पाद लॉन्च करना नहीं है, बल्कि यह हमारे ग्राहकों और उनके परिवारों को सुरक्षित रखने और हाइजीन बनाये रखने में उनकी मदद करने का एक ठोस प्रयास है।

मंथन | राजकोषीय महत्व को देखते हुए आयोग ने कुशल संपत्ति प्रशासन में सहायता के लिए कर रहा प्रयास

वित्त आयोग ने यूएलबी द्वारा संपत्ति कर निर्धारण पर की बैठक

पंद्रहवें वित्त आयोग ने शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) द्वारा लगाए जाने वाले संपत्ति कर सहित कई मुद्दों को लेकर केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचयूपीए) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की है।

नई दिल्ली (वार्ता)। आयोग ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह 2020-21 के लिए आयोग की सिफारिशों के संदर्भ में था, जिसमें राज्यों को संपत्ति कर की ऊपरी दरें अधिसूचित करने का आदेश दिया गया था और उसके बाद राज्य की अपनी जीएसडीपी वृद्धि दर की तर्ज पर संपत्ति कर संग्रह में सुधार दिखाई दिया था। इस मसले के और विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के वर्तमान संदर्भ में राजकोषीय महत्व को

देखते हुए आयोग ने कुशल संपत्ति प्रशासन में सहायता के लिए राज्यों और यूएलबी से विचार विमर्श किया था। साथ ही कम मूल्यांकन, जानकारियों की कमी, अधूरे संपत्ति रजिस्टर, नीतिगत खामियों, अप्रभावी प्रशासन जैसी समस्याओं को दूर करने पर भी चर्चा की गई। इसके अलावा सभी के लिए प्रगतिशील, प्रभावशाली और न्यायसंगत उद्देश्यपूर्ण कर निर्धारण प्रणाली के साथ ही भू-कर व्यवस्था में सुधार पर भी बात हुई।

बैठक में हुआ विचार-विमर्श सरकार के स्तर पर विभिन्न वर्षों में दोहराव, ओवरलैपिंग खत्म करने या कार्यों के विभाजन के माध्यम से संपत्ति कर प्रशासन के संबंध में यूएलबी के लिए 'सहयोगी वातावरण' तैयार करने पर केन्द्रित रहा। इसमें उपयुक्त डाटा के संग्रहण, मूल्यांकन या आकलन, कर की दरों के निर्धारण, कर संग्रह और इन सभी पहलुओं की निगरानी के लिए यूएलबी को जवाबदेह बनाने पर जोर रहा था। एमओएचयूए सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने 15वें वित्त आयोग को विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया और 15वें वित्त आयोग की 2020-21 से 2025-26 तक की रिपोर्ट के उद्देश्य के आयोग के पास एमओएचयूए का संशोधित ज्ञापन जमा किया गया। मंत्रालय ने कई सिफारिशें कीं, जिनमें कुछ गैर वित्तीय के साथ ही वित्तीय सिफारिशें भी शामिल थीं।

> बैठक में हुआ विचार-विमर्श सरकार के स्तर पर विभिन्न वर्षों में दोहराव, ओवरलैपिंग खत्म करने या कार्यों के विभाजन के माध्यम से संपत्ति कर प्रशासन के संबंध में यूएलबी के लिए 'सहयोगी वातावरण' तैयार करने पर केन्द्रित रहा। इसमें उपयुक्त डाटा के संग्रहण, मूल्यांकन या आकलन, कर की दरों के निर्धारण, कर संग्रह और इन सभी पहलुओं की निगरानी के लिए यूएलबी को जवाबदेह बनाने पर जोर रहा था। एमओएचयूए सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने 15वें वित्त आयोग को विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया और 15वें वित्त आयोग की 2020-21 से 2025-26 तक की रिपोर्ट के उद्देश्य के आयोग के पास एमओएचयूए का संशोधित ज्ञापन जमा किया गया। मंत्रालय ने कई सिफारिशें कीं, जिनमें कुछ गैर वित्तीय के साथ ही वित्तीय सिफारिशें भी शामिल थीं।

एनपीएस से निजी क्षेत्र के 1.03 लाख सदस्य जुड़े

नई दिल्ली (वार्ता)। सरकार की एक प्रमुख निश्चित अंशदान पेंशन योजना 'राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस)' ने वित?त वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में निजी क्षेत्र के 1.03 लाख लोग जुड़े हैं। वित्त मंत्रालय ने आज यहां बताया कि इस योजना की सदस?य संख?या में 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इस योजना में निजी क्षेत्र के 1.03 लाख व्यक्तिगत ग्राहकों या सदस?यों का नामांकन पहली तिमाही के दौरान किया गया। इसी तरह वित?त वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में 206 कॉरपोरेट नामांकन भी कराए गए जिससे 18 से 65 वर्ष के आयु समूह में कुल 10.13 लाख कॉरपोरेट सदस?य हो गए हैं। पंजीकृत 1,02,975 सदस?यों में से 43,000 ने अपने नियोक्ता/कंपनी के माध्यम से सदस्यता प्राप्त की है, जबकि बाकी सदस?यों ने स्वेच?छा से इस योजना में अपना नामांकन कराया है। कोविड-19 के बीच नियोक्ताओं ने कर्मचारियों की वित्तीय खुशहाली की दृष्टि से उन?हें पर्याप्त सहायता सुनिश्चित करने के लिए अब और भी अधिक प्रभावकारी उपायों को या तो अपना लिया है या अपनाने को तैयार हैं। पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के अध्यक्ष सुप्रतिम बंद्योपाध्याय ने कहा कि एनपीएस कॉरपोरेट कर्मचारियों के बीच काफी सफल रही है। वैसे तो लोगों के जीवन में वित्तीय नियोजन अक्सर प्राथमिकता में नहीं होता है, लेकिन इस महामारी के कारण लोगों ने वित्तीय नियोजन पर मंथन करना शुरू कर दिया है जिससे इस तरह की संकट की घड़ी में वित्तीय सुरक्षा के लिए जागरूकता बढ़ रही है।

आज का भविष्यफल

मेषः कार्यक्षेत्र में अगर आप यह महसूस कर रहे हैं कि आपको रिस्क लेना पड़ सकता है। तो ऐसे में आप आज इस मामले में अकेले पड़ सकते हैं। हो सकता है जिनसे मदद की उम्मीद हो वह ही साथ न दें। हालांकि कुछ पुराने साथी मदद करेंगे।

वृषभः आज आप अपने कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाई महसूस कर सकते हैं। हो सकता है कि ऐसा एक साथ कई प्रकार के काम हाथ में लेने के चलते हो। बेहतर होगा एक समय में एक ही काम करें।

मिथुनः काफी समय के बाद आज आपको अपने व्यक्तिगत जीवन पर सोच-विचार करने की फुर्सत मिलेगी। व्यापार से संबंधित सभी कार्यों के लिए आज का दिन शुभ है। घर में शुभ प्रसंग का आयोजन करने पर विचार हो सकता है।

कर्कः आज का दिन काफी व्यस्त रहने वाला है। एक के बाद एक काम लाइनअप होंगे। शाम तक थकान महसूस होगी। लेकिन कुछ अधूरे कार्य पूरे होने से मन प्रसन्न रहेगा। यात्रा का भी योग है।

सिंहः आज के दिन आपको अपने कामकाज के अलावा रोमांस और मन की इच्छाओं का भी ध्यान रखना पड़ेगा। भाग्य की एक रेखा आपके जीवन में खींची जा रही है।

कन्याः अपने जीवन में रचनात्मक कार्य की बजाय प्रेम, रोमांस और लक को ही आपने ज्यादा महत्व दिया है। ध्यान रखें कि मेहनत के बलबूते तो व्यक्ति किस्मत बना सकता है लेकिन किस्मत के ही भरोसे बैठकर जीवन में कुछ बड़ा प्राप्त नहीं किया जा सकता है।

तुलाः अपने स्वास्थ्य को लेकर आज के दिन आपको कुछ जरूरी कदम उठाने चाहिए। अन्यथा आपकी सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिल सकता है।

वृश्चिकः आपके जीवन में इस समय कई प्रकार के बदलाव और उतार-चढ़ाव आ रहे हैं। इसमें काफी कुछ सुखद अनुभव होंगे। मन प्रसन्न रहेगा। क्योंकि आपके व्यक्तित्व में आकर्षण का भाव है तो आज आपके सहयोगी भी आपके व्यक्तित्व से काफी प्रभावित होंगे।

धनुः आपके जीवन में नफरत और प्रेम का लेखा-जोखा बराबर रहता है। आपमें से कई लोग ऐसे हैं जिनको इन दिनों अपने गृहस्थ जीवन को संवारने में काफी मेहनत करनी पड़ रही है।

मकरः आज के दिन आप अपने करियर को लेकर कुछ ज्यादा ही सजग होंगे। परिवार के प्रति भी अपने दायित्वों को निर्वहन करेंगे। अगर नौकरी में हैं तो आपके पुरस्कृत होने का योग है।

कुंभः आज आपको अपने मन पर नियंत्रण रखना होगा। वरना हो सकता है कि कार्यक्षेत्र में आपका काम काफी डिस्टर्ब हो। कहीं से अचानक किसी डील के भी फाइनल होने का भी योग बन रहा है।

मीनः बुध ग्रह की सहायता से आप अपने कार्यक्षेत्र में इस समय अच्छी ख्याति और यश बटोर सकते हैं। अगर कार्यों के प्रति गंभीरता रखेंगे तो आपको लाभ ही लाभ मिल सकता है। कुल मिलाकर आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

सू- दोकू क्र.087

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम
1. कुल 81 वर्ग है, जिनमें 9 वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कतार और खंड में 1से9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.86 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

शब्द सामर्थ्य -087

बाएं से दाएं
1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे
1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 86 का हल

जून माह की दाल देर से पहुंचने के 14 दिन बाद भी नहीं हुई वितरित

कोरोनाकाल मे शासन ने मुफ्त दाल भिजवाई पर नही पहुंची दुकानों तक

अमन सिंह भदौरिया

मुख्य बातें

- कोरोना को देखते हुए पोषण व इम्यूनिटी को लेकर गम्भीर है सरकारें
- जून माह के राशन में लेट लतीफी आने के 14 दिन बाद भी जस-तस
- अधिकारियों के सुस्त रवैये की वजह से नही पहुंचा 132 क्विंटल दाल

सुकमा। सुकमा जैसे दूरस्थ अंचल नक्सल प्रभावित जिले में कोंटा विकासखंड अंतर्गत 63 राशन दुकानों में 13200 राशन कार्ड धारियों को राज्य से जारी 132 क्विंटल अरहर की दाल 14 दिन बाद भी वितरित नहीं की जा सकी क्योंकि दाल बीते 5 जुलाई को सुकमा के वेयरहाउस में तो पहुंचा मगर अधिकारियों की गैर जिम्मेदारी की वजह से अब तक दोरनापाल व कोंटा राशन गोदाम तक पहुंचा ही नहीं इस वजह से अब तक कई परिवारों को कोरोना काल में राज्य शासन द्वारा जारी निशुल्क अरहर की दाल नहीं मिल पाई है क्योंकि केंद्र शासन से जारी दाल केंद्रीय खाद्य सुरक्षा के अंतर्गत बने राशन कार्ड को वितरित किया जा चुका है इस वजह से छत्तीसगढ़ खाद्य सुरक्षा के अंतर्गत बने राशन कार्ड धारियों में नाराजगी देखने को मिल रही है ।

ज्ञात हो कि देशभर में फैली महामारी कोरोना कॉल को देखते हुए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा गरीब परिवारों के पोषण व रोग प्रतिरोधक क्षमता के विकास पर गंभीरता दिखाते हुए प्रत्येक राशन कार्ड पर 1-1 किलो अरहर की दाल निशुल्क देने का निर्णय लिया था वही छत्तीसगढ़ सरकार का सख्त निर्देश था कि गोदाम में पहुंचते ही अरहर की दाल को प्राथमिकता के साथ तुरंत वितरित किया जाना है जिसे टेबलेट माध्यम से वितरित किया जाना था मगर जून माह का दाल देर से आया इस वजह से इसे मैनुअल पद्धति से बांटा जाना है बावजूद 14 दिनों से दाल दुकानों तक नही पहुंची ।

एक दूसरे पर ठीकरा फोड़ते नजर आए अधिकारी

इस मामले पर नवप्रदेश की टीम ने संबंधित अधिकारियों से फोन पर संपर्क किया। नवप्रदेश संवाददाता ने कोंटा खाद्य निरीक्षक नायडू से संपर्क किया उन्होंने बताया की केंद्र से जारी दाल वितरित कर दिया गया है राज्य से जारी दाल फिलहाल सुकमा से नहीं आया है हम लगातार अधिकारियों के संपर्क में हैं जल्द ही दोरनापाल और कोंटा गोदाम में मंगवा कर उन्हें राशन केंद्रों तक भिजवाने की व्यवस्था करेंगे । वहीं इस मामले में नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक एक्का से फोन पर संपर्क किया गया तो उनका कहना है की 5 तारीख को राज्य से जारी दाल सुकमा गोदाम पहुंच गया था मगर इसे चलित वाहन में भिजवाना है और हमारे पास एलाटी नहीं है ठेकेदार नहीं होने की वजह से दाल अब तक नहीं पहुंच पाया मगर मैं सोमवार या मंगलवार तक दाल दोरनापाल और कोंटा निजी वाहनों में भिजवा दूंगा। जिसके बाद संवाददाता ने जिला खाद्य अधिकारी से भी फोन पर संपर्क किया उन्होंने बताया कि वह शनिवार से ही अब तक छुट्टी में है उन्हें मामले की जानकारी नहीं थी उन्होंने कहा नागरिक आपूर्ति निगम की लापरवाही से राशन नहीं पहुंचा मैं अभी संबंधित अधिकारी को फटकार लगाता हूँ और जल्द ही सोमवार तक दाल राशन दुकानों के के लिए भिजवाने का प्रयास करूंगा।

केंद्र की दाल वितरित मगर राज्य की पहुंचा ही नहीं

मालमे की जानकारी में पड़ताल पर पता चला कि दोरनापाल वेयर हाउस में भी केंद्र सरकार केंद्र खाद्य आपूर्ति एजेंसी का दाल पहुंचा है वहीं राज्य शासन द्वारा जारी अरहर दाल अब तक नही पहुंचा मिली जानकारी के अनुसार 63 क्विंटल 63 किलो का आबंटन जारी हुआ था जो नॉन के माध्यम से 41 राशन दुकानों तक पहुंचा और वहां से 6300 हितग्राहियों को वितरित किया था वहीं राज्य शासन छत्तीसगढ़ खाद्य एजेंसी द्वारा जारी राशन कार्डों पर जारी अरहर डाल 74 क्विंटल सुकमा से अब तक नही आया है जो 7400 हितग्राहियों में वितरित किया जाना है । इसके अलावा कोंटा वेयर हाउस में भी यही हाल है मिली जानकारी के अनुसार यहां भी अब तक जिला स्तर से सिर्फकेंद्र का आबंटन जारी हुआ वही राज्य का आबंटन सुकमा में ही रखा हुआ है जिस वजह से हितग्राहियों को इसका लाभ नही मिल पा रहा है । मिली जानकारी के अनुसार केंद्र द्वारा जारी दाल 54 क्विंटल आया था जो कोंटा क्षेत्र की 22 दुकानों में भेजा गया जहां से 5400 राशनकार्ड धारियों को वितरित किया जा चुका है मगर राज्य शासन छत्तीसगढ़ खाद्य एजेंसी द्वारा जारी 58 क्विंटल दाल अब तक कोंटा गोदाम तक नही पहुंचा।

26 जवान कोरोना पॉजिटिव, हड़कंप

नव प्रदेश संवाददाता

कांकेर /पखांजूर। एक ओर काँकेर के अतिसवेंदनशील इलाको में नक्सलियों से लोहा लेते है।और छत्तीसगढ़ में नक्सल मोर्चे पर तैनात जवानों को अब कोरोना से भी जंग लड़ना पड़ रहा है।कांकेर में एक साथ 20 बीएसएफ के जवान कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं।वहीं 3 एसएसबी के जवानों में भी संक्रमण की पुष्टि हुई है।इसके साथ जिले में कुल संकम्रित जवानों की संख्या 72 पहुंच गई है।संक्रमित जवानों में 64 बीएसएफ और 8 जवान एसएसबी के हैं।शनिवार को जिले में एक ही दिन में 23 जवानों के कोरोना पॉजिटिव मिलने से हड़कंप मचा हुआ है।नक्सलियों के साथ कोरोना से जंग लड़ रहे जवान शनिवार को केवल कांकेर से ही 26 कोरोना के मामले सामने आए हैं।जिनमें 20 बीएसएफ और 3 एसएसबी के जवान शामिल हैं।कांकेर में पहले 20 से अधिक जवान पाए गए थे संक्रमित बात कांकेर की करें तो शनिवार को पॉजिटिव मिले बीएसएफ के सभी 20 जवान अंतागढ़ में पदस्थ हैं. एसएसबी के 3 जवान भी अंतागढ़ कैंप के ही हैं. बड़ी संख्या में जवानों के पॉजिटिव मिलने के बाद नक्सल मोर्चे के साथ-साथ स्वास्थ्य महकमे में भी हड़कंप मचा हुआ है। कोरोना संक्रमण को देखते कांकेर जिला मुख्यालय में कोविड 19 का 100 सीटर अस्पताल का निर्माण किया जा चुका है। काँकेर कोविड 19 अस्पताल में मरीजों की संख्या को देखते सीट फुल हो चुकी हैं। ऐसे में जवानो को बाहर रेफर करना पड़ सकता है।

बता दे की कोरोना संक्रमित सबसे ज्यादा अंतागढ़ में पदस्थ जवान कोरोना की चपेट में हैं।इसके पहले बांदे कैंप से 22 जवान पॉजिटिव मिले है।अब अन्तागढ़ से जवानो की संख्या सबसे अधिक हो गई है। कोरोना की चपेट में आए अब तक के जवान छुट्टी से लौटे हुए हैं।आज के पॉजिटिव जवानों की हिस्ट्री अभी सामने नहीं आ सकी है. इसके साथ ही 3 मजदूर भी कोरोना की चपेट में आए हैं।जवानों को कोरोना संक्रमण की जानकारी मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी ने इस बात की पुष्टि कर दी है।

नशा करने से किया मना तो युवक ने कर दिया चाकू हमला, मौत

नव प्रदेश संवाददाता

बिलासपुर । मोहल्ले में नशा खोरी करने से मना करना युवक को भारी पड़ गया आदतन नशेड़ी ने चाकू से हमला कर दिया , घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल दाखिल कराया जहां उपचार के दौरान मौत हो गई ।

मामला देर रात सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत कतियापारा संतोषी मंदिर के पास की है, पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।।कोतवाली थाना क्षेत्र के वर्मा मोहल्ला निवासी नवल दुबे नशा करने का आदी है, जिसे मोहल्ले के ही उदई चौक के पास प्रदीप वर्मा मोहल्ले में नशा करने और जुआ खेलने से मना करता था। जिसकी वजह उनके विवाद होता था, बीती रात कतियापारा मुख्य मार्ग पर स्थित एक किराना दुकान के पास दोनों बैठे थे। इसी बीच दोनों बीच फिर बहस हुई, जिससे गुस्साए नवल दुबे ने धारदार चाकू से प्रदीप पर हमला कर दिया। हमला करने के बाद आरोपी भाग निकला, वही गंभीर रूप से घायल प्रदीप को मोहल्ले वालों ने अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी मौत हो गई।

कोतवाली टीआई कलीम खान ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद ही पुलिस आरोपी की पतासाजी में लग गई थी, शनिवार की तड़के उसे हिरासत में ले है, फिलहाल घटनाक्रम के बारे में आरोपी से पूछताछ की जा रही हैं।

खुटाघाट बांध घूमने आई युवती के साथ लूटपाट का आरोपी पकड़ाया, रकम-दस्तावेज जब्त

बिलासपुर (नव प्रदेश)। कोरोना के कारण वैसे भी पर्यटन केंद्र वीरान है। ऐसे में पर्यटन केंद्रों में सुरक्षा का अभाव पर्यटकों के लिए दोहरी मुसीबत बन रहा है। 15 जुलाई को भाड़ी निवासी पूनम कश्यप रतनपुर के पास स्थित खुटाघाट बांध में घूमने आई थी ।इसी दौरान दोपहर करीब 12:00 बजे बड़े नहर के पास एक लुटेरा उनका पर्स लूट कर भाग गया। पर्स में 1000 एटीएम कार्ड और कई जरूरी दस्तावेज थे जिसकी शिकायत रतनपुर थाने में दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और लुटेरों की तलाश शुरू की। जल्द ही पुलिस युवती के साथ लूटपाट करने वाले बेलतरा नेवसा निवासी नवीन वैसवाड़े तक पहुंच गई । नवीन ही पूनम कश्यप का पर्स लूट कर भागा था जिसमें एक हजार नगद के अलावा दो एटीएम कार्ड पैन कार्ड और आधार कार्ड भी थे। इस मामले में रतनपुर पुलिस ने चोरी का अपराध पंजीबद्ध करते हुए आरोपी की गिरफ्तारी कर ली है।

काका साहब के सपनों को पूरा करना पहला लक्ष्य : अम्बिका सिंहदेव

- पेयजल उपलब्धता और ग्रामीण उद्योग प्राथमिकता में
- शहर पहुंचने पर हुआ ऐतिहासिक स्वागत..

नव प्रदेश संवाददाता

बैकुंठपुर। कोरिया जिले के बैकुण्ठपुर की विधायक व छत्तीसगढ़ शासन की संसदीय सचिव (लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी व ग्रामोद्योग विभाग) श्रीमती अम्बिका सिंहदेव के पहली बार अपने विधानसभा क्षेत्र में संसदीय सचिव बन कर पहुँचने पर जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। बचरापोंडी, भखार व चिरमी में कार्यकर्ताओं के द्वारा स्वागत किये जाने के बाद 50 से अधिक गाड़ियों के काफिले व फॉलो गार्ड व पायलट वाहन की अगुवाई में राज्यमंत्री श्रीमती अम्बिका सिंहदेव सर्वप्रथम कोरिया के शिल्पकार व पूर्व वित्तमंत्री छग शासन स्व.डॉ. रामचंद्र सिंहदेव की समाधि स्थल पर जाकर पुष्प अर्पित कर नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उनका काफिला भवानी तिग्गडा पहुंचा। जहां महिलाओं ने पुष्प वर्षा के साथ उनका स्वागत किया। राज्यमंत्री श्रीमती अंबिका सिंहदेव उसके बाद पैदल ही घड़ी चौक के लिए निकल पड़ी। जहां बड़ी तादात में कांग्रेसियों ने भव्य आतिशबाजी के साथ उनका स्वागत किया। कार्यक्रम स्थल पर ही नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर के अध्यक्ष अशोक जायसवाल के नेतृत्व में सभी एल्डरमैन ने लड्डुओं से तौल पर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए श्रीमती अंबिका सिंह देव ने भावुक होते हुए कहा कि काका साहब के सपनों को पूरा करना मेरा पहला लक्ष्य है । उन्होंने कहा कि काका साहब हमेशा ग्रामीण अंचलों में होने वाले पेयजल दिक्कत के लिए चिंतित रहा करते थे इसके साथ ही ग्रामीण लोगों के स्वरोजगार के लिए ग्रामीण उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए हमेशा प्रयास करते थे, उन्हीं के नक्शे कदम पर यह मेरी पहली प्राथमिकता है। संसदीय सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी है उस पर मैं टीएस सिंहदेव, डॉ चरणदास महंत, श्रीमती ज्योत्सना महंत के मार्गदर्शन में और अपने सभी कार्यकर्ताओं के सहयोग से खरा उतरने का प्रयास करूंगी। संसदीय सचिव बनाकर मुख्यमंत्री ने मेरा नहीं बल्कि कोरिया जिले और पूरे कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का सम्मान किया है। अपने उद्बोधन में राज्यमंत्री ने लोगों से कोरोना से बचने के साथ मास्क लगाने और हाथ धोने की भी अपील की। कार्यक्रम के दौरान ही कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अजय सिंह ने संसदीय सचिव बनने पर श्रीमती अंबिका सिंहदेव को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष नजीर अजहर,पीसीसी सचिव योगेश शुक्ला, जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी, सांसद प्रतिनिधि प्रदीप गुप्ता, बृजवासी तिवारी, नपा अध्यक्ष अशोक जायसवाल, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष अजय सिंह, नपा अध्यक्ष चरचा अजित लकडा, भूपेंद्र सिंह ,ग्यानी सुक्ला, शैलेन्द्र सिंह, कलावती मरकाम, बिहारी लाल गुप्ता, प्रवीण भट्टाचार्य, सुरेंद्र तिवारी, दीपक गुप्ता, मनोज दुबे, युसूफइराकी, रियाजुद्दीन, संजीव सिंह काजू, आशीष डबरे, विक्की शिवहरे, आशीष यादव, दीपक साहू, धीरज सिंह, रामकृष्ण साहू, अरशद एराकी, हेमसागर यादव, शाकिब एराकी, वैभव सिंह, अर्पित गुप्ता, मनजिंदर कौर, असगरी बेगम, संगीता सोनवानी, साजिद उस्मानी, प्रशांत सिंह गोलू, सोहेल, अनिल जायसवाल, विपुल शुक्ला, सौरभ गुप्ता, आयुष पांडेय, सोहन स्वामी, रामायण , लवी गुप्ता सहित अनेक कांग्रेसी व शहरवासी उपस्थित रहे।

राजधानी के एक ही परिवार के 18 पॉजिटिव मिले लोग आए थे घटारानी

- संपर्क में आए लोगों के कांटेक्ट ट्रेसिंग कैसे होगी?

नव प्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। राजधानी रायपुर के शांति नगर में एक ही फैमिली के 18 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। बताया जाता है कि ये सभी लोग रविवार को घटारानी और जतमई धाम घूमने गए थे। सभी लोगों ने मंदिर परिसर के झरने का आनंद लेते हुए घंटों नहाया था। इस दौरान मन्दिर परिसर और झरने में दुर्ग-भिलाई, महासमुंद,रायपुर, कवर्धा, राजनांदगांव, बेमेतरा, सिमगा, मुंगेली,धमतरी आदि जिलों से सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंचे थे। झरने में नहाते समय लोगों ने मास्क नहीं लगाया था। सोशल डिस्टेंसिंग की जमकर धज्जियां उड़ाई गई, इससे कोरोना संक्रमण का अंदेशा था। बड़ा सवाल ये है कि अब घटारानी-जतमई में रायपुर के परिवार के संपर्क में आए लोगों की कांटेक्ट ट्रेसिंग कैसे होगी? अन्य जिलों के लोग भी इनके संपर्क में आए होंगे। रविवार को घटारानी-जतमई जाने वाले लोग खुद सामने आएं तो निश्चित ही स्थिति पर नियंत्रण करने में आसानी हो सकती है।